शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा कार्यकर्ताओं पर बार-बार अत्याचार करना अक्षम्य अपराध: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 26 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-267

हरियाणा की चुनावी रैली में कांग्रेस पर जमकर बरसे पीएम मोदी

कांग्रेस ने हरियाणा को दलालों और दामादों के हवाले कर दिया था

चंडीगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मची हुई है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है। उन्होंने कहा कि आज जो नए वोटर हैं, उन्हें नहीं पता होगा कि दस साल पहले हरियाणा को कैसे लूटा गया था। कांग्रेस ने हरियाणा को दलालों और दामादों के हवाले कर दिया था। दलालों और दामादों से बचना है तो कमल ही बचाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि किस-किस कांग्रेस नेता पर आरोप लगे हैं, ये आप अच्छे से जानते हैं। हरियाणा में एक भी नौकरी ऐसी नहीं थी, जो बिना पर्ची-खर्ची के मिली हो। सरकारी ठेकों में जमकर भ्रष्टाचार होता था। हरियाणा के लूट को खाने वाली ऐसी करप्ट कांग्रेस को हरियाणा सरकार से दूर रखना है। तब जाकर हरियाणा बचेगा। आपका मुझ पर हक है। मुझे भी तो हरियाणा का कर्ज चुकाना है।

प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं। मोदी बोले कि किसानों के फायदे के लिए विदेश से आयात होने वाले तेल पर टैक्स लगा दिया है।

पीएम मोदी ने रैली में मौजूद लोगों से कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है। उन्होंने कहा हरियाणा भाजपा का संकल्प पक्की गारंटी होता है। भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। हरियाणा में भी हर वायदे तेजी से जमीन पर उतरकर रहेंगे। आपके घर तक पहुंचेंगे, इसलिए पांच अक्टूबर को हमारे इन सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाना है।

पीएम मोदी ने कहा कांग्रेस ने 60 साल देश पर राज किया लेकिन उसे कभी देश की बेटियों की चिंता नहीं हुई। जब मैं आया तब मैंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया, जिससे हरियाणा को फायदा हुआ। पहले 1000 बेटों पर 866 बेटियां थी, लेकिन अब 1000 पर 914 बेटियां हैं। हरियाणा भाजपा नारी शक्ति को और सशक्त करने के लिए और अच्छा काम कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित हर राज्य में उनके मुख्यमंत्री झगड़ों में उलझे हुए हैं, उनको जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है। कर्नाटक के सीएम और डिप्टी सीएम आपस की लड़ाई में बिजी हैं। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी यहीं हाल हैं। इसलिए हरियाणा को भी बहुत सावधान रहना चाहिए। गलती से भी कांग्रेस आ गई तो अपने झगड़ों में हरियाणा को बर्बाद करके छोड़ेंगे। यहां पर कांग्रेस में जिस तरह झगड़े बढ़ रहे हैं, पूरा हरियाणा देख रहा है।

▶10पर

कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी

आरक्षण का विरोध कांग्रेस के डीएनए में है

कर्नाटक-हिमाचल में ये आपस में लड़ रहे

कश्मीर में आतंक-अलगाववाद को हवा देना चाहते हैं

कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की टिप्पणी पर शीर्ष अदालत की सख्त नसीहत

भारत के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की संविधान पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कहने के मामले में स्वत: संज्ञान सुनवाई करते हुए सख्त लहजे में यह टिप्पणी की।

संविधान पीठ ने हालांकि न्यायमूर्ति श्रीशानंद के इस मामले में खुली माफी मांगने के मद्देनजर उनके खिलाफ शुरू की गई स्वत: संज्ञान कार्यवाही बंद कर दी। संविधान पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने अपने दो अलग-अलग कार्यवाहियों के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान बताने और एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करने के लिए माफी मांग ली है। इसी के मद्देनजर उनके खिलाफ स्वत: संज्ञान कार्रवाई बंद करने का यह फैसला किया गया। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए अधिवक्ताओं, न्यायाधीशों और वादियों से कहा कि वे अदालत में पेश होने के दौरान किसी भी परिस्थिति में ऐसे आचरण करने में शामिल न हों। उन्हें यह समझना चाहिए कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण अदालत के अलावा आम दर्शकों तक भी पहुंच है।

पीठ ने कहा, न्यायाधीशों के रूप में हमारे जीवन के अनुभवों पर आधारित प्रवृत्तियां होती हैं। साथ ही, एक न्यायाधीश को अपनी स्वयं की प्रवृत्तियों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए। ऐसी जागरूकता के आधार पर ही हम निष्पक्षता प्रदान करने के अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हो सकते हैं। आकस्मिक अवलोकन पक्षपात की एक हद तक संकेत दे सकते हैं, खासकर जब वे किसी लिंग या समुदाय के विरुद्ध निर्देशित हों। न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने कथित तौर पर बेंगलुरु में एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहा था। न्यायाधीश श्रीशानंद को एक अलग मामले में एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ लैंगिक असंवेदनशील टिप्पणी करते हुए भी एक वीडियो में देखा गया। सोशल मीडिया एक्स पर कई लोगों ने अपने अकाउंट अपने पोस्ट में उनकी टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने 20 सितंबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान कार्यवाही शुरू की और संबंधित उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी थी।

न्यायाधीश श्रीशानंद द्वारा की गई टिप्पणियों पर रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट को देखते हुए शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने कहा कि रिपोर्ट पढ़ने से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि की गई टिप्पणियां जरूरी नहीं थीं और उन्हें टाला जाना चाहिए था। संविधान पीठ ने कहा, न्यायाधीश (श्रीशानंद) द्वारा खुली अपनी अदालत की कार्यवाही में मांगी गई माफी को ध्यान में रखते हुए हम इसे न्याय और संस्था की गरिमा के हित में मानते हैं कि कार्यवाही को आगे जारी न रखा जाए। न्यायालय ने हालांकि कहा कि सोशल मीडिया की व्यापकता और पहुंच में कार्यवाही की व्यापक रिपोर्टिंग शामिल है। अधिकांश उच्च न्यायालयों ने सीधा प्रसारण या वीडियो कांफ्रेंसिंग को अपनाया है।

▶10पर

यह मूल रूप से राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है

जज ने मांगी माफी, सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान कार्यवाही की बंद

टिप्पणियां जरूरी नहीं थीं और उन्हें टाला जाना चाहिए था

श्रीलंका और बांग्लादेश के संबंधों पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर

भारत की मंशा पड़ोसी देशों के राजनीतिक कदम नियंत्रित करना नहीं

वॉशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर बात की। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप इसे लेकर निर्धारक न बनें। ऐसा नहीं है कि भारत हर पड़ोसी के प्रत्येक राजनीतिक कदम को नियंत्रित करना चाहता है।

जयशंकर ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में यहां के एशिया सोसाइटी और एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित इंडिया, एशिया एंड द वर्ल्ड नामक एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान यह बात कही। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका को बिना किसी शर्त के मदद दी है, लेकिन वहां सरकार में बदलाव भारत के लिए संभावित रूप से प्रतिकूल नजर आ रहा है।

जयशंकर ने कहा, हर देश के अपने तरीके होते हैं। विदेश नीति में, आप इसे पढ़ने, अनुमान लगाने और फिर इसका जवाब देने की कोशिश करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पड़ोस में परस्पर निर्भरता या पारस्परिक लाभ की वास्तविकताएं और साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता हमारे दोनों हितों को पूरा करेगी। ये वास्तविकताएं खुद को मुखर करेंगी। यही इतिहास रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ वर्षों में, हमारे क्षेत्र में कुछ होता है और लोग सलाह देने लगते है कि वहां किसी न किसी तरह की असुधार्य स्थिति है।

▶10पर

वक्फ बिल पर एक करोड़ फीडबैक मिलने पर भाजपा सांसद ने की जांच की मांग

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति को करीब 1.25 करोड़ फीडबैक मिलने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चिंता जताई है। भाजपा सांसद ने इन फीडबैक के स्रोत की जांच की मांग की है और आशंका जताई है कि इनके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी

कहा-आईएसआई और चीन की हो सकती है भूमिका

आईएसआई और चीन की भूमिका हो सकती है। भाजपा सांसद ने वक्फ बिल की जांच कर रही समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को इसे लेकर पत्र लिखा है। भाजपा सांसद ने इस पत्र में फीडबैक के स्रोतों की जांच में कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और आईएसआई और चीन जैसी विदेशी ताकतों के साथ-साथ

▶10पर

मुडा मामले में बढ़ी सीएम सिद्धारमैया की मुश्किलें

लोकायुक्त करेगा घोटाले की जांच

बेंगलुरु, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। पहले सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा और अब बेंगलुरु की विशेष अदालत ने भी जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुडा (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) मामले में कर्नाटक लोकायुक्त को जांच करने का आदेश दिया है। लोकायुक्त की मैसूरु जिला पुलिस को जांच की रिपोर्ट 3 महीने में सौंपनी होगी।

बता दें, याचिकाकर्ता कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने एक निजी शिकायत के साथ जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसी पर कोर्ट ने जांच का आदेश दिया। कृष्णा की ओर से पेश वकील लक्ष्मी आयंगर ने पत्रकारों से कहा, फैसले से बहुत खुश हूं। अब हमें लोकायुक्त की जांच शुरू होने का इंतजार करना होगा। उनके एफआईआर दर्ज करने और जांच शुरू होने का इंतजार करना होगा। न्यायालय ने लोकायुक्त को आदेश दिया है, यदि वे अपना कर्तव्य निष्पक्षता से निभाते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि हमें स्थानांतरण की मांग करने की कोई आवश्यकता होगी। लेकिन यदि लोकायुक्त कार्रवाई नहीं करते हैं और यह निष्पक्ष नहीं लगता है, तो हम निश्चित रूप से स्थानांतरण जांच की मांग करते हुए न्यायालय का रुख करेंगे। लेकिन इस समय, नहीं। याचिकाकर्ता के वकील वसंत कुमार ने कहा, आदेश के अनुसार एफआईआर दर्ज करनी होगी। मैसूर लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की जाएगी और जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए ताकि लोकायुक्त पारदर्शी तरीके से जांच कर सके।

▶10पर

बेंगलुरु की विशेष अदालत ने दिए जांच के आदेश

कोर्ट ने 3 महीने में रिपोर्ट सौंपने के भी दिए निर्देश

विकास और नवाचार की गतिविधियों से भरा हुआ है यूपी: धनखड़

ग्रेटर नोएडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सभी क्षेत्रों में विकास और नवाचार की गतिविधियों से भरा हुआ है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 के शुभारंभ के अवसर पर श्री धनखड़ ने कहा दो साल में हमारी अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान से आगे बढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्होने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में 12 नए औद्योगिक क्षेत्र शुरू हुए हैं, एआई ने अपनी जगह बनाई है। विश्व बैंक और आईएमएफ हमारी प्रशंसा कर रहे हैं।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,760/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,350/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण में हुआ 54.18 प्रतिशत मतदान

जम्मू/ श्रीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 26 सीटों पर बुधवार शाम छह बजे मतदान समाप्त हो गया और इस दौरान औसतन 54.18 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें सर्वाधिक वोट श्री माता वैष्णो देवी सीट पर डाले गए।

चुनाव आयोग के मुताबिक आज दूसरे चरण में छह जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, गंदेरबल, श्रीनगर और बड़गाम के 26 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। श्री माता वैष्णो देवी सीट पर सबसे अधिक 75.29 प्रतिशत मतदान हुआ और हब्बाकदल में सबसे कम 15.80 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले।

श्री माता वैष्णो देवी सीट पर सर्वाधिक 75.29% मतदान

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक बीरवाह में 62.50, बडगाम में 47.18, बुढाल (सुरक्षित) में 66.95, सेंट्रल शालटेंग में 29.09, चदूरा में 54.16, चन्नापोरा में 26.95, चरार-ए-शरीफ में 66.00, ईदगाह में 34.65, गंदेरबल में 53.44, गुलाबगढ़ (सुरक्षित) में 72.19, हजरतबल में 32.35, कलाकोटे-सुंदरबनी में 66.37, कंगन (सु) में 67.60, खानसाहिब में 67.70, खानयार में 24.00, लाल चौक में 30.44, मेंढर (सु) में 69.67, नौशेरा में 69.00, पुंछ-हवेली में 72.71, राजौरी (सु) में 70.56, रियासी में 69.09, सूरनकोट (सुर) में 72.18, थन्नामंडी (सु) में 68.44 और जेदीबल में 28.36 प्रतिशत औसतन मतदान हुआ।

बडगाम में श्री उमर अब्दुल्ला का मुकाबला पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा सैयद मुंतजिर से है, जो नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) नेता एवं सांसद रूह्ला मेहदी के चचेरे भाई हैं। नौशेरा सीट से चुनाव लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना की किस्मत का फैसला भी इसी चरण में होगा। भाजपा प्रमुख को विधान परिषद के पूर्व सदस्य सुरिंदर चौधरी

▶10पर

पंद्रह देशों के राजनयिकों ने कश्मीर में देखी मतदान की प्रक्रिया

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

लगभग 15 देशों के राजनयिकों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए बुधवार को सम्पन्न हुए दूसरे चरण के मतदान के दौरान कश्मीर घाटी के विभिन्न मतदान केंद्रों पर वोट डालने की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

सूत्रों ने यहां बताया कि 15 देशों के वरिष्ठ राजनयिकों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल मौजूदा विधानसभा चुनावों को देखने के लिए जम्मू कश्मीर की यात्रा पर है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अक्टूबर 2022 से सितंबर 2024 के कार्यकाल का हुआ समापन

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा अंदाज अपना अपना कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा अंदाज अपना अपना कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। अक्टूबर 2022 से सितंबर 2024 के कार्यकाल का समापन अध्यक्षा सुनिता गांधी व सचिव मोनिका पिरगल बिनायकिया ने अपनी कार्यकारिणी सदस्याओं के साथ बॉलीवुड फिल्मी अंदाज से किया। नवकार महामंत्र, दीप प्रज्वलन व कत्थक गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्षा सुनिता गांधी ने सभी अतिथिगण का स्वागत करते हुए कहा कि इस दो वर्ष के कार्यकाल में इतने आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में उनकी पूरी टीम का पूरा सहयोग रहा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। अपने इस कार्यकाल में उन्हें, उनके परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। सचिव मोनिका पिरगल बिनायकिया ने दो वर्ष के कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुती फिल्मी अंदाज में फिल्मों के नाम जोड कर दी। उन्होंने बताया कि परिवार एवं जीतो महिला विंग के सहयोग से उन्हें प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हुई है। मुख्य विंग के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग को अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में सभी एक से बढकर एक सफल कार्यक्रम देने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला विंग ने जीतो को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। इस अवार्ड नाईट में 14 संकायों के संयोजक व सह संयोजकों को उनके पारंगत क्षेत्र में सफल आयोजनों के लिए विशेष रूप से स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। समारोह में सम्मिलित सदस्याओं ने जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा 2 साल में हुए कार्यक्रमों की सराहना की व सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी। उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा ने स्व रचित गीत प्रस्तुत किया। आय व्यय का कार्य कोषाध्यक्ष भारती छाजेड तलेसरा ने देखा। अंदाज अपना अपना की निर्माता सुनिता गाँधी, निर्देशक मोनिका पिरगल, कार्य निदेशक सह मंत्री नीलम लालवानी व सह कार्य निदेशक निशा टुकलिया रही।

इस फिल्म में वीडियो व संगीत निधि पालरेचा, प्रिया गांधी, साक्षी मेहता व रेखा जैन ने संपादन किया। फिल्म में संवाद व आवाज संगीता पारख ने दिया। नृत्य संगीत का संचालन उर्मिला बरडिया, सविता पोरवाल, रेश्मा बडोला, संगीता मालानी ने किया। परदे के पीछे का कार्यभार लता बोहरा, ललिता नागोरी, नंदा मेहता व वासंती ने संभाला। तकनिकी क्षेत्र काजल ने बखूबी संभाला। फिल्मी रूप देते हुए यह एक फिल्मफेयर अवार्ड के अन्दाज में सदस्याओं प्रतिमा जैन, अर्पिता लदानी, दीपमाला, इंदू खिंवसरा, नीतू जैन, सपना चोपडा, तरूणा जैन आदि ने विभिन्न बॉलीवुड नृत्य की शानदार प्रस्तुती दी। इस अवसर पर श्रमण आरोग्यमं चेयरमैन रमेश हरण, के के जी जोन चेयरमैन अशोक शा-लेचा, एपेक्स के डायरेक्टर हितेश पालरेचा, विनोद जैन, नरेन्द्र सामर व मनोज जैन, एपेक्स एसएसबी संयोजक रेखा जैन, जेएलडब्लू के संयोजक संजय भण्डारी, महेश नाहर, उपाध्यक्ष उदय जैन, केकेजी जोन सचिव दिलीप जैन, एपेक्स जेबीएन संयोजक मनोज कोचर, युवा अध्यक्ष पिंकेश मेहता, युवा सचिव पदमा जैन, गर्ल्स हॉस्टल की सह संयोजक चित्रा मेहता व कविता जैन, बेंगलूरु नार्थ की चेयरपर्सन बिंदु रायसोनी सचिव सुमन वेदमूथा व टीम के साथ उपस्थित रहे। जीतो बेंगलूरु साउथ के नव निर्वाचित अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने वीडियो द्वारा बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित की। नव निर्वाचित सचिव नितिन लूनिया भी उपस्थित रहे। नए कार्यकाल के लिए अध्यक्षा के रूप में बबीता रायसोनी और सचिव के रूप में निधि पालरेचा को मनोनीत किया गया। जीतो महिला विंग की पूर्व अध्यक्षा प्रमिला भण्डारी, मधु दोशी, पिंकी जैन व अनिता पिरगल ने सभी के कार्य की सराहना की।

गुरु दर्शन यात्रा संघ का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। गोलेच्छा बंधुओं द्वारा भव्य गुरु दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ वसई महाराष्ट्र में चातुर्मास के लिए विराजित हुक्मगच्छाधिपति नानेश पट्टधर प्रज्ञानिधि आचार्य विजय राज जी के आज्ञानुवर्ती मधुर व्याख्यानी नवीनप्रज्ञ जी के दर्शन वंदन कर आशीर्वाद लिया गया।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष उकचंद बाफना, अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, पारसमल पटवा के नेतृत्व में गुरु दर्शन यात्रा हुब्बल्ली से हमसफर ट्रेन से रवाना होकर वसई पहुंचा। गुरु दर्शन यात्रा समिति के सह संयोजक सुभाषचंद्रा डंक ने बताया कि यात्रा के संघपति गौतम गोलेछा, जयंतीलाल गोलेछा परिवार ने गुरु दर्शन के लिए हुब्बल्ली से श्रावकों के संघ को लेकर वसई पहुंचे। इस दौरान आयोजित प्रवचन में साध्वी नवीनप्रज्ञ जी ने श्रावक जीवन के लिए जैन धर्म में क्या कहा गया है, के बारे में विस्तार से समझाया।

इस दौरान महेन्द्र सिंघी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए भाई महाराज से चार्तुमास पूर्ण होने के पश्चात दक्षिण भारत की तरफ विचरण की विनती की। उकचंद बाफना ने वसई श्री संघ द्वारा दी गयी शानदार सेवाओं के लिए वसई संघ के सभी सदस्यों का आभार जताया। इस दौरान संघ के मंत्री प्रकाश कटारिया, सह मंत्री महेंद्र विनाकिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहारा, सह कोषाध्यक्ष विनोद चोपड़ा, पूर्व कार्याध्यक्ष अशोक कोठारी और जीतेन्द्र छाजेड़ सहित अन्य गुरु भक्त उपस्थित थे। साथ ही वसई श्री संघ ने संघ अध्यक्ष बलवंत बाफना, मंत्री प्रकाश चपलोत, कोषाध्यक्ष राजेश ठाकुरगोता के नेतृत्व में हुब्बल्ली संघ पदाधिकारी व संघपति गोलेच्छा बंधुओं का सम्मान कर आभार जताया।

जैसी सोच होगी वैसा जीवन होगा: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि प्रकृति का नियम है जैसी सोच होगी वैसा ही हमारा जीवन होगा। जब हम अपनी सोच को सकारात्मक बनायेंगे तो हम पायेंगे कि हमारा जीवन भी सकारात्मक मोड़ लेगा और आनंदमय होगा। हम जो भी सोच उत्पन्न करेंगे वह सोच वास्तविकता को आकर्षित करेगी और हमारी सोच वास्तविकता बन जाएगी। मनुष्य के जैसे विचार होते हैं, वैसा ही उसका जीवन बनता है। स्पष्ट है कि विचारों के अनुरूप ही मानव जीवन का निर्धारण होता है। अच्छे विचार उसे उन्नत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का एकमात्र उद्देश्य आत्मा का साक्षात्कार करना है और जिस व्यक्ति का आत्मा से साक्षात्कार हो गया, उसे परमात्मा के भी दर्शन हो जाते हैं। जो आत्मा है वही परमात्मा है। जो एक को जान लेता है वह सभी को को जान लेता है। यानि जो आत्मा को जान लेता है वह पूरे संसार को जान लेता है। यह रिश्ते नाते तब तक है जब तक हमारा यह जीवन है। लेकिन कभी कभी तो जीवन में ही यह रिश्ते नाते टूट जाते है। इसीलिए जीवन में परोपकार के कार्य करना चाहिए। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल तप गतिमान है। 28 सितंबर को श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि का चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग, सामायिक आराधना द्वारा मनाया जाएगा। इस अवसर पर पानीपत हरियाणा से पधारे संजीव जैन का अभिनंदन संघ के महावीरचंद धोका, प्यारेलाल टपरावत, शांतिलाल चाणोदिया, मदनलाल गांधी, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, चेतन रेदासनी व अन्य द्वारा किया गया। संचालन संघमंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

गरबा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में गरबा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें 70 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल और संयोजक साक्षी और पूरी कमेटी ने इस कार्यशाला को सफलता-पूर्वक आयोजित किया। कार्यशाला के दौरान गरबा की विभिन्न पारंपरिक शैली और नृत्य के रंगों को सिखाया गया। इसके अलावा, गरबा ड्रेस और दिवाली की सामग्री के स्टॉल्स भी लगाए गए, जहां महिलाओं ने खरीदारी का भरपूर आनन्द लिया। कार्यशाला में महिलाओं ने गरबा नृत्य के साथ-साथ आपसी संवाद और सौहार्द का अनुभव किया।

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर का आयोजन स्थानीय मरियप्पनपाल्या स्थित गायत्री पार्क में किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई, कुल 57 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए सभी को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाएं, डॉक्टर की उप-लब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ दीपा एवं श्यामला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। तेयुप से मोहन चोरडिया एवं योगेश मेहता ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

संत श्री लिखमीदास की पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली सैनी समाज पश्चिम केंगेरी की ओर से रामोहल्ली स्थित कल्याण मंडप में संत श्री लिखमीदास जी की पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें रात्रि भजन संध्या आयोजित हुई। महादेव भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के कार्यक्रम में समाज के बंधुओं ने बढ़ चढ़कर चढ़ावे का लाभ लिया। मंगलवार सुबह महाप्रसादी एवं स्वागत समारोह रखा गया, जिसमें समाज के अतिथियों एवं लाभार्थियों, ट्रस्टियों और कमेटी मेंबर का स्वागत किया गया। माली सैनी समाज के श्रवण महाराज का भी समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष प्रकाश सांखला, उपाध्यक्ष अशोक चौहान, सचिव मो-हनलाल बागड़ी, सह-सचिव भंवरलाल बागड़ी, कोषाध्यक्ष राकेश चौहान, सह-कोषाध्यक्ष गोविन्द राम गहलोत, मंत्री मुकेश गहलोत, सह-मंत्री रमेश बागड़ी, संचार मंत्री मोतीलाल गहलोत, सह- संचार मंत्री राज सैनी, सलाहकार रामलाल सांखला, सह- सहलाकार गोविन्द गहलोत, व्यवस्था मंत्री रूपाराम चौहान, सह- व्यवस्था मंत्री धनराज बागड़ी एवं समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सेंट जॉन्स फार्मेसी कॉलेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष में विजयनगर में जन जागृति रैली आयोजित की गई। जिसमें समाज उपयोगी संदेश लिखी हुई तख्तियों को लिए सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने फार्मासिस्टों को शुभकामनाएं देते हुए अपने वक्तव्य में कहा चिकित्सकों एवं मरीज के बीच की अहम कड़ी है फार्मासिस्ट। हम निस्वार्थ भावना से अपने कर्तव्यों का सही पालन करें तो यह देश की बहुत बड़ी सेवा है। रैली में फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य रवि चंद्रा, उपप्राचार्य सतीश, सहायक प्रोफेसर चेतना आर जैन उपस्थित थे।*

पूर्वजों द्वारा छोड़े गए धर्म को अपनाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि ऐसा संसार जिसका अंत अच्छा हो, अन्त को अन्तिम बनाना ही तीर्थकरों ने श्रुत ज्ञान में समझाया है। आज हमें विरासत रूप रात्रि भोजन त्याग पूर्वजों ने सौ साल पहले हमारे लिए छोड़ दिया था। पाणिगहण आदि सोलह संस्कारों के सभी जीमणवार दिन में करते थे। परिवर्तन के नाम पर आज के प्रायः सभी जीमणवार रात्रि में ही क्यों हो गए है। पूर्वजों ने छोड़ा धन तो मालिक आप बन गए, परन्तु उनके द्वारा छोड़ा गया धर्म का उपयोग नहीं हो रहा है। धन उनका लेकर वारिस दार बन धनपति बन गए, परन्तु जैन धर्म की प्रथम पहचान रूप रात्रि भोजन त्याग था, उसे गवां कर पुण्य को कमजोर, धर्म को कमजोर कर रहे हो।

परोपकार करते हुए अनमोल मानव जीवन को बनाएं सार्थक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि समय की अनमोलता को आत्म तत्व के ज्ञाता पुरुष ही समझ सकते है। अथवा जिन आत्मा की अन्तचेतना आध्यात्म के प्रति जग चुकी है वहीं पुरुष साक्षक समय की कीमत को जान सकता है। वे आत्माएँ एक - एक क्षण को सार्थक बनाती हैं। एक पल भी प्रमाद में नहीं जाने देते है। अनंत पुण्यवानी के बाद यह मानव भव की प्राप्ति होती हैं। जीवन के सफर में कौनसी मुलाकात आखरी होगी यह कोई नहीं जानता है। सुबह हजारों किरणों के साथ उदयमान भास्कर सूर्य भी शाम को

अस्ताचल की ओर चला जाता है। अतः व्यक्ति इस प्राप्त अनमोल अवसर से नहीं चूकते हुए सेवा, धर्म साधना, दान, दया, परोपकार करते हुए अनमोल मानव जीवन को सार्थक बनाएं। यूं तो दुनिया में अपना पेट पशु भी भरते हैं, लेकिन इंसान की महत्ता इससे हैं कि जो स्वयं के साथ दूसरों का भी पेट भरता है। जो प्राप्त वस्तु को प्रेमभाव से मिल - बाँट कर खाता हैं। यह जीवन हैं और अपयश मरण के समान है। तन, मन, धन से दूसरों की सेवा, सहयोग करें यही सच्चे सज्जन पुरुष की पहचान है। मन को शुद्ध बनाकर आचरण करें। इस अवसर पर पाली से पधारी सुश्राविका 104 वर्षीय अक्खू देवी मुथा ने दर्शन मंगलपाठ का श्रवण किया।

जोधपुर एसोसिएशन का संवत्सरी क्षमापना स्नेह मिलन रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जोधपुर एसोसिएशन का गणेश चतुर्थी और क्षमापना संवत्सरी स्नेह मिलन डॉ बसवराजेंद्र ऑडिटोरियम बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में रविवार को सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता ने बताया कि अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी स्वागत प्रतिवेदन, मंत्री जितेंद्र दुगड़ मंत्री प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंघी हिसाब किताब पारित कराएंगे। चुनाव अधिकारी संरक्षक पदमराज मेहता एवं राजेन्द्र लोढा के संयोजन में नूतन कार्यकारिणी की चुनावी कार्यवाही संचालित होगी। प्रायोजक चन्द्रकला, अंकिता, चंद्रेश मेहता और सरस्वती, कमलेश धनाडिया का बहुमान, 8 उपवास से अधिक के तपस्वी श्रावक श्राविका का बहुमान किया जाएगा। सभी सदस्यों को नूतन निर्देशिका भी वितरित की जायेगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर बार-बार अत्याचार करना अक्षम्य अपराध: विजयेन्द्र

उत्पीड़न जारी रहा तो पुलिस स्टेशन का करेंगे घेराबंदी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं पर बार-बार अत्याचार किया जा रहा है, जो अक्षम्य अपराध है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस अधिकारियों ने इसी तरह का व्यवहार किया तो मेरे समेत भाजपा कार्यकर्ता थाने का घेराव करेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में बुधवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रही है। वे बिना किसी कारण के एफआईआर दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने सत्ताधारी दल को खुश करने के लिए अधिकारियों के इस व्यवहार को अक्षम्य अपराध बताते हुए इसकी आलोचना की। उन्होंने गृह मंत्री से दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। मंगलवार को जो हुआ वह कोई छोटी घटना नहीं थी। हमारे कार्यकर्ता को बिना वजह आधी रात तक थाने में बैठाए रखना अक्षम्य अपराध है। पुलिस, जिसे लोगों को न्याय देना चाहिए, द्वारा ऐसा करना सही नही था। मांड्या जिले के श्रीरंगपट्टनम में जब हमारी भाजपा कार्यकर्ता छाया सदस्यता अभियान चला रही थीं तो पुलिस ने अचानक महिलाओं को पकड़ लिया और थाने में बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एफआईआर दर्ज कराएंगे। हमारे कार्यकर्ता और नेता थाने पहुंचे और कारण पूछा। फिर उन्होंने ओटीपी डाउनलोड करने की कोई कहानी बताकर महिलाओं को रात 12 बजे तक थाने में बैठाए रखा, जो कि निंदनीय है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुख्यमंत्री को कोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए। आपको राज्य की जनता की राय को श्रेय देना होगा। उन्होंने मांग की कि उन्हें अपना विश्वासघात छोड़कर सम्मानपूर्वक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मैसूरु के मुडा घोटाले में हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मुख्यमंत्री की नजर के बिना इतना बड़ा भ्रष्टाचार नहीं हो सकता था। मैंने हाईकोर्ट के फैसले के बाद सीएम के बयान पर गौर किया है। मुख्यमंत्री अभी भी अपने पाखंड से बाहर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने फिर कहा कि राजभवन का दुरुपयोग हो रहा है। दूसरी ओर वह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री ने खुद कहा था कि इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। राज्य उच्च न्यायालय ने राज्यपाल की कार्रवाई को बरकरार रखा है जिन्होंने मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ जांच की अनुमति दी थी। उन्होंने बताया कि सिद्धरामैया की अर्जी खारिज कर दी गई है। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी समेत अन्य मौजूद थे। इससे पहले उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय के 108वें जन्मदिन पर निःशुल्क सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा पंडित दीन दयाल उपाध्याय एक महान प्रतिभावान एवं अर्थशास्त्री थे। वे सिर्फ राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि इस देश के गौरवान्वित सपूत थे। दीन दयाल उपाध्याय एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन इस देश के युवाओं के लिए एक आदर्श के रूप में बिताया। वह आज के युवाओं के लिए भी एक आदर्श व्यक्ति हैं।

उन्होंने कहा देश के गौरव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 15 दिनों तक सेवा पखवाड़ा चल रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मोर्चा भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। दुनिया ने मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की है। उन्होंने बताया कि सेवा पक्ष के माध्यम से मोदी की उपलब्धि को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले सीएम ने कहा कि उन्हें किसी भी जांच का सामना करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है और वे यह समझने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे कि क्या कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है। उन्होंने कहा कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा के बाद मैं आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला लूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे मीडिया के माध्यम से उच्च न्यायालय के आदेश के बारे में पता चला है। मैं आदेश की पूरी प्रति प्राप्त करने और उसे पढ़ने के बाद जवाब दूंगा। न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा धारा 218 के तहत दी गई अभियोजन स्वीकृति को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश ने राज्यपाल के आदेश में केवल धारा 17(ए) तक ही अपना निर्णय सीमित रखा है। शिकायतकर्ता ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 218, 17(ए) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत जांच और अभियोजन का अनुरोध किया था। हालांकि, राज्यपाल ने शुरू में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत अभियोजन के अनुरोध को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 218 के तहत राज्यपाल द्वारा दी गई अभियोजन स्वीकृति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

सच्चाई सामने आएगी

मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में सच्चाई सामने आएगी और धारा 17 (ए) के तहत दी गई जांच भी रद्द कर दी जाएगी। उन्होंने कहा इस राजनीतिक लड़ाई में कर्नाटक की जनता मेरे साथ है। उनका आशीर्वाद ही मेरी सुरक्षा है। मुझे कानून और संविधान पर पूरा भरोसा है। इस लड़ाई में मेरा दृढ़ विश्वास है कि अंत में सत्य की जीत होगी। यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिशोधी राजनीति के खिलाफ लड़ाई है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा भाजपा और जेडीएस की प्रतिशोधी राजनीति के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। भाजपा और जेडीएस ने राजनीतिक बदला इसलिए लिया है क्योंकि मैं गरीबों के लिए खड़ा हूं और सामाजिक न्याय के लिए लड़ता हूं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

सांसद ने संथेकट्टे अंडरपास निर्माण स्थल का किया दौरा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के संथेकट्टे ओवरपास निर्माण के कारण चल रही यातायात समस्याओं और बिगड़ती सड़क की स्थिति के जवाब में, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने मंगलवार शाम को स्थिति का आकलन करने के लिए साइट का दौरा किया। सर्विस रोड पर भारी भीड़ के साथ, दैनिक यात्रियों को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अपने दौरे के दौरान, सांसद ने अधिकारियों को कार्यबल बढ़ाने और सुचारू यातायात प्रवाह के लिए सड़कों की मरम्मत के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। स्थानीय निवासियों ने कोटा श्रीनिवास पुजारी को अपनी चिंताओं से अवगत कराया, जिसमें ओवरपास और खराब सर्विस रोड की स्थिति के कारण होने वाली बाधाओं को उजागर किया गया। उन्होंने चल रहे निर्माण के कारण जनता को होने वाली असुविधाओं के बारे में बताया। सांसद ने इन मुद्दों को हल करने के लिए डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक के साथ पिछली बैठकों के बारे में भी जानकारी साझा की।

दो छात्र तैराकी करते समय तालाब में डूबे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के कुंडापुर में मंगलवार की शाम को एक दुखद घटना में कक्षा 9 के दो छात्र तालाब में तैरते समय डूब गए। पीड़ितों की पहचान नागेंद्र (13) पुत्र कृष्ण देवडिगा के रूप में हुई है, जो बिंदूर तालुक के येदथरे गांव के एक दिहाड़ी मजदूर हैं और शानू मोहम्मद शफान (13) पुत्र शानू शालियन, बिंदूर रेलवे स्टेशन के पास के निवासी है, जो बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर का काम करते हैं।

दोनों छात्र बिंदूर सरकारी हाई स्कूल में कक्षा 9 के छात्र थे। मंगलवार को स्कूल में अंग्रेजी की परीक्षा देने के बाद वे दोपहर के भोजन के लिए घर लौटे और बाद में तैराकी करने का फैसला किया। शाम करीब 4 बजे नागेंद्र शानू मोहम्मद शफान के घर गया और दोनों बिंदूर में सेनेश्वर मंदिर के पीछे स्थित एक तालाब में तैरने चले गए। जब लड़के रात होने तक घर नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों ने तालाब के आसपास तलाश शुरू की।

उन्हें तालाब के पास एक साइकिल, कपड़े और दो जोड़ी चप्पलें मिलीं। इसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया और बुधवार सुबह करीब 1.30 बजे शानू मोहम्मद शफान का शव बरामद किया गया, उसके बाद 2.25 बजे नागेंद्र का शव बरामद किया गया। केरेकाटे नाम से मशहूर यह तालाब बीच में करीब 40 फीट गहरा है और किनारों पर 10-20 फीट गहरा है।

स्थानीय लोग अक्सर तालाब में तैरने के लिए आते हैं, लेकिन मंगलवार को बारिश के कारण कोई भी तैरने नहीं आया। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों लड़के, जो अच्छे तैराक नहीं थे, डूब गए। शवों को बिंदूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रख बिंदूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

अभिनेता को जेल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शाही आतिथ्य दिया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक जांच से पता चला है कि परप्पाना अग्रहारा जेल में अभिनेता दर्शन, राउडी विल्सन गार्डन नागा और अन्य को जेल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शाही आतिथ्य दिया गया था।

साउथ ईस्ट डिवीजन पुलिस ने मामले की जांच की है, बहुत सारी जानकारी जुटाई है और एक रिपोर्ट तैयार की है। जल्द ही साउथ ईस्ट डीसीपी फातिमा यह रिपोर्ट सिटी पुलिस कमिश्नर दयानंद को देंगी। पुलिस की जांच में पता चला है कि जेल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने पैसे की लालच में ऐसा किया। अभिनेता दर्शन, राउडी विल्सन गार्डन नागा और अन्य लोगों की बैरक के सामने कुर्सी पर बैठकर कॉफी पीते और हाथ में सिगरेट पकड़े हुए तस्वीरें वायरल होने के बाद अग्रहारा पुलिस स्टेशन में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। एक मामले की जांच एसीपी द्वारा की जा रही है और दो अन्य मामलों की जांच निरीक्षकों द्वारा की जा रही है। उन्होंने जेल का दौरा किया और अधिकारियों और कर्मचारियों, कैदियों और विचाराधीन कैदियों से बयान प्राप्त किए और जानकारी एकत्र करके एक रिपोर्ट तैयार की है।

मुडा घोटाला मामला

सीएम के इस्तीफे की मांग करते हुए उनके आवास का घेराव करने की कोशिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में उच्च न्यायालय के फैसले के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को और तेज करते हुए उनके आवास का घेराव करने की कोशिश की। पोस्टर, तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए भाजपा युवा मोर्चा के सदस्यों ने कावेरी की ओर मार्च किया, लेकिन पुलिस ने उनके प्रयास को विफल कर दिया, उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया और बस में भरकर ले गए।

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की अगुवाई वाली एनडीए की सहयोगी जद (एस) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कावेरी की ओर बढ़ने से पहले यहां फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा सिद्धरामैया के खिलाफ उनकी पत्नी बी एम पार्वती को मुडा द्वारा 14 स्थलों के आवंटन में अवैधताओं के आरोपों पर जांच करने की मंजूरी को बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त को दिए गए अपने अंतरिम आदेश को भी रद्द कर दिया था, जिसमें विशेष अदालत को मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायतों पर फैसला स्थगित करने का निर्देश दिया गया था, तथा जांच के आदेश देने को हरी झंडी दे दी थी। न्यायालय ने सिद्धरामैया की उस याचिका को भी खारिज कर दिया था, जिसमें भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत जांच के लिए मंजूरी देने वाले राज्यपाल के 16 अगस्त के आदेश की वैधता को चुनौती दी गई थी।

मामले में जांच का सामना करने के लिए हूं तैयार: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा मामले में हाई कोर्ट के फैसले के बाद कानूनी और राजनीतिक संघर्ष को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कई बैठकें कीं। सुबह कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय कावेरी पहुंचे और सचिव लक्ष्मी हेब्बालकर और अन्य लोगों ने सुबह मुख्यमंत्री के घर का दौरा किया और बातचीत की। कई विधायक और मंत्री पहुंचे और मुख्यमंत्री के प्रति अपना नैतिक समर्थन जताया। सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्तियों को लेकर प्रगति समीक्षा बैठक में शामिल होना था। लेकिन इसे अलग रखते हुए मुख्यमंत्री ने दोपहर में केरल दौरे से पहले कानूनी और राजनीतिक संघर्ष के बारे में कई लोगों से सलाह ली। इससे पहले सिद्धरामैया ने बुधवार को दोहराया कि वह मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले में जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। मामले में उनके खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच के विशेष न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जांच से नहीं डरते। सिद्धरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा मैंने पहले ही कहा है कि मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैं जांच से नहीं डरता। उन्होंने कहा मैं कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हूं। मैंने कल भी यह कहा था और आज भी यही कह रहा हूं। सिद्धरामैया ने कहा कि विशेष न्यायालय ने मामले को मैसूरु लोकायुक्त पुलिस को भेज दिया है, क्योंकि शिकायत मैसूरु में दर्ज की गई थी और मुडा भी उसी शहर में स्थित है।

बेंगलूरु में महिला की हत्या मामला

आरोपियों को पकड़ने के लिए 4 पुलिस टीमें ओडिशा रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि महालक्ष्मी हत्याकांड के आरोपी को पकड़ने के लिए चार पुलिस दल ओडिशा भेजे गए हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि आरोपी के ओडिशा में छिपे होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल ओडिशा भेजे गए हैं। परमेश्वर ने कहा आरोपी के गिरफ्तार होने के बाद मामले की सारी जानकारी मिल जाएगी। पुलिस ने दो से तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सबूतों से पता चला है कि आरोपी ओडिशा में है। हत्या का मामला तब सामने आया जब पड़ोसियों ने दो दिनों से महालक्ष्मी के घर से दुर्गंध आती देखी और उसके रिश्तेदारों को

इसकी सूचना दी। महालक्ष्मी की मां और बहन शनिवार को उसके घर आईं और उन्होंने यह भयावह दृश्य देखा। पुलिस ने बताया कि महालक्ष्मी की हत्या की गई थी, उसके शरीर को 50 से अधिक टुकड़ों में काटकर फ्रिज में भर दिया गया था। हालांकि फ्रिज चालू था, लेकिन शव में कीड़े लग गए थे। फ्रिज के पास एक सूटकेस मिला। पुलिस को संदेह है कि महालक्ष्मी की हत्या महीने की शुरुआत में की गई थी और उसके शरीर को चाकू या तलवार जैसे धारदार हथियार से टुकड़ों में काटा गया था। त्रिपुरा की रहने वाली महालक्ष्मी यहां एक लोकप्रिय मॉल में काम करती थी। क्षेत्र के निवासियों के अनुसार, जहां महालक्ष्मी पांच महीने से रह रही थी, वह अकेली रहती थी और अपने पड़ोसियों से ज्यादा घुलती-मिलती नहीं थी। कुछ दिनों तक उसका भाई उसके साथ रहा। पुलिस ने यह भी पाया है कि वह शादीशुदा थी और उसका एक बेटा भी था, लेकिन वह अलग रहती थी। सोमवार को बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा था कि हमें अपराध करने वाले आरोपी के बारे में स्पष्ट जानकारी है। दयानंद ने कहा कि आरोपी दूसरे राज्य का रहने वाला है और बेंगलूरु में रह रहा था।

सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं देंगे, हाईकोर्ट का आदेश संतोषजनक नहीं: परमेश्वर

सिद्धरामैया का इस्तीफा लेना भाजपा का उद्देश्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि मुडा मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे और कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाई जाएगी, क्योंकि फैसला संतोषजनक नहीं है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ आगे बढ़ने की सहमति देने के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले को हाईकोर्ट द्वारा बरकरार रखने पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा हमें न्याय नहीं मिला है और फैसला संतोषजनक नहीं है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा जब दलीलें रखी जा रही थीं, तब बेंच ने वकीलों से खास तौर पर मुडा मामले में मुख्यमंत्री की भूमिका पेश करने को कहा था। लेकिन, फैसले में सीएम की भूमिका के बारे में नहीं बताया गया है। फैसले में सीएम की भूमिका के बारे में बताया जाना चाहिए था। निर्णय यह संदेश दे रहा है कि न्यायालय में की गई टिप्पणियां और जो निर्णय आया है, वे भिन्न हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनकी कानूनी टीम डबल बेंच और फिर सुप्रीम कोर्ट जाने के बारे

में निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि आदेश में कहा गया है कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह लेनी होगी। यह कहने के बाद एक शर्त है कि राज्यपाल अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकते हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि विवेक का इस्तेमाल करते समय राज्यपाल को कारण और औचित्य बताना चाहिए, जो नहीं देखा गया।

परमेश्वर ने कहा कि जब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए अपनी दलीलें रख रहे थे, तो उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। लेकिन, निर्णय में उल्लेख किया गया है कि राज्यपाल ने पूरी गंभीरता से अपने विवेक का इस्तेमाल किया। हमने विरोधाभास देखा है। हमें न्याय नहीं मिला और निर्णय संतोषजनक नहीं है। सीएम के खिलाफ निचली अदालत में कार्यवाही के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा हमें नहीं पता कि विधायकों/सांसदों के लिए विशेष अदालत से क्या नतीजा निकलेगा, जो मुडा मामले में जांच के आदेश पारित करने की संभावना है। अगर इस अदालत से भी कोई विपरीत फैसला आता है तो हमें क्या करना चाहिए? हमें उम्मीद है कि निचली अदालत में न्यायोचित फैसला लिया जाएगा। हमने न्याय के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मुडा घोटाले में, हमने अदालत में प्रस्तुत किया था कि मुख्यमंत्री की कोई भूमिका नहीं है, उन्होंने किसी भी फाइल पर अपने हस्ताक्षर नहीं किए हैं और उनकी ओर से सत्ता का कोई दुरुपयोग नहीं किया गया है। हमें एक प्रतिकूल फैसला मिला है। साथ ही अदालत के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। हम यह भी समझते हैं कि हमें मामले में न्याय नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हम ऐसा करेंगे।

यह न्यायसंगत नहीं है

अगर कार्रवाई सिर्फ एक व्यक्ति के खिलाफ की जाती है तो यह अच्छा नहीं लगेगा। यह न्यायसंगत नहीं है। इस संबंध में फाइलें राज्यपाल ने लोकायुक्त को वापस भेज दी हैं, उन्हें स्पष्टीकरण के साथ भेजा जाएगा और उन्हें अपनी सहमति देनी होगी। राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी की फाइल स्पष्टीकरण के लिए नहीं भेजी है। यह उनके पास है। उन्हें इस पर कार्रवाई करनी होगी। राष्ट्रपति से संपर्क करने के बारे में उन्होंने कहा हमें पार्टी, प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार और हाईकमान का फैसला देखना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का इस्तीफा लेना भाजपा का उद्देश्य है और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, लेकिन इस पर विचार नहीं किया जाएगा। हमने मुख्यमंत्री को बता दिया है कि उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए। उन्हें किसी भी कारण से अपने पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बार-बार घोषणा की है कि वह भाजपा के दबाव के कारण इस्तीफा नहीं देंगे, न कि आंतरिक दबाव के कारण। पार्टी के भीतर हमारे कोई आंतरिक मतभेद नहीं हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला और के.सी. वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आलाकमान मुख्यमंत्री के साथ है।

हालांकि, उनके इस्तीफे और उनके पद से हटने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कई पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया है कि उनके इस्तीफे की कोई जरूरत नहीं है और मैं भी यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि सीएम सिद्धरामैया को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा इसका कारण यह है कि हम फैसले के खिलाफ अपील कर रहे हैं और कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह फैसला सीएम सिद्धरामैया के लिए एक काला धब्बा है, तो उन्होंने कहा जिस किसी ने भी 40 से 45 साल तक किसी भी आरोप का सामना नहीं किया है, उसे ऐसा लगेगा, क्योंकि यह राजनीतिक दुर्भावना से किया गया है। यह स्वाभाविक है कि आरोपों से उन्हें ठेस पहुंचेगी। हमें इस पर आंदोलन करना होगा, यह राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है और हम इसे लोगों के सामने लाएंगे। उन्होंने कहा अदालत के फैसले के बाद राज्यपाल को बढ़त मिल गई होगी। लेकिन उन्हें केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, भाजपा के पूर्व मंत्री शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और जनार्दन रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

दोस्तों के साथ शराब पार्टी और जुआ खेल रहा था वार्ड पार्षद

पुलिस ने छापेमारी कर छह को पकड़ा

पटना (एजेंसियां)। बिहार शरीफ में स्थित सोहसराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वार्ड पार्षद सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी लोग आशा नगर स्थित पानी टंकी के ऑपरेटर रूम में अवैध रूप से जुआ खेलने और शराब का सेवन करते हुए पकड़े गए। सोहसराय थाना अध्यक्ष राजमणि ने बताया कि उन्हें कई दिनों से इस अवैध गतिविधि की सूचना मिल रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में बिहार शरीफ नगर निगम के वार्ड संख्या 6 के पार्षद विवेक कुमार विक्की समेत छह लोग रंगे हाथों पकड़े गए।

पुलिस ने मौके से दो बोतल अंग्रेजी शराब, 15,240 रुपये नकद, ताश के पत्ते और आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों में संजीव कुमार, विक्रांत कुमार, सूरज शर्मा, ऋषि कुमार और मोहम्मद तारिकुल शामिल हैं। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नियमित रूप से इस स्थान पर एकत्र होकर जुआ खेलते और शराब का सेवन करते थे।

वहीं इस कार्रवाई के बाद लोगों का कहना है कि यह खुलासा राज्य में शराबबंदी कानून के बावजूद अवैध शराब की उपलब्धता और उपभोग पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस का कहना है कि छापेमारी में शामिल पुलिस दल में थाना अध्यक्ष राजमणि के अलावा दरोगा संजय राम, अलीम अंसारी, अंशु माला, टुनटुन चौधरी, राम इकबाल यादव, जमादार नंदकुमार सिंह, विशेश्वर कुमार और राजकुमार सिंह शामिल थे। आगामी पर्व-त्योहार को देखते हुए जुआ और शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

समस्तीपुर पुलिस ने अंतर जिला वाहन लुटेरा गिरोह का किया पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की स्पेशल टीम ने अंतर जिला वाहन लुटेरा गिरोह का खुलासा करते हुए चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक कार, देसी कट्टा, रिवॉल्वर, गोली और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार लुटेरों की पहचान वैशाली और मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हुई है।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार लुटेरों की पहचान वैशाली के भगवानपुर के सहथा निवासी अरविंद सहनी, वैशाली के गाजीपुर के दौलतपुर निवासी नागेंद्र महतो, मुजफ्फरपुर के सरैया के मुंगौली निवासी मनीष कुमार उर्फ मुंशी और मुजफ्फरपुर के तुर्की के चैनपुर निवासी मंजीत कुमार के रूप में की गई है।

एएसपी संजय पांडे ने बताया कि सरायरंजन और उजियारपुर थाना क्षेत्रों में हाल के दिनों में कई वाहन लूट की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस की टीम इस गिरोह पर नजर रख रही थी। मंगलवार की रात, पुलिस को सूचना मिली कि सरायरंजन थानाक्षेत्र के छज्जा चौक के पास कुछ लुटेरे अपराध की योजना बना रहे हैं। इसी दौरान मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने चार लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि कुछ अन्य लुटेरे मौके से फरार हो गए।

गिरफ्तार लुटेरों से पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह बाहर से आकर बंगरा थानाक्षेत्र में एक होटल के पास रुकता था। वे वाहनों की रेकी करते और फिर पीछा कर वाहन को लूट लेते थे। इसके बाद, इन वाहनों को दूसरे प्रदेशों में बेचने का काम करते थे। लुटेरों ने यह भी स्वीकार किया कि वे धीरज सहनी गिरोह के सदस्य हैं, जो वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सारण और समस्तीपुर जिलों में माल वाहनों को निशाना बनाते थे।

पूछताछ के दौरान लुटेरों ने उजियारपुर और सरायरंजन थाना क्षेत्रों में हाल के दिनों में हुए वाहन लूट की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके अलावा उन्होंने वैशाली, मुजफ्फरपुर और दरभंगा सहित अन्य जिलों में भी दर्जन भर से अधिक वाहनों की लूट की बात कबूल की है।

सिद्धरामैया का पुराना वीडियो वायरल, लोगों ने सीएम की नैतिकता पर उठाए सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे की मांग करने वाला वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज मामले में एफआईआर रद्द न करने का आदेश दिया था।

सिद्धरामैया, जो उस समय विपक्ष के नेता थे, ने दावा किया था कि येदियुरप्पा द्वारा जांच को प्रभावित करने की संभावना है क्योंकि वे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने मांग की कि अगर खुली और निष्पक्ष जांच करानी है तो नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर येदियुरप्पा

को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही येदियुरप्पा किस नैतिकता के साथ सत्ता में बने रहेंगे। अगर उनमें नैतिकता है तो पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। मुख्यमंत्री के रूप में जांचकर्ता उनसे कैसे पूछताछ करेंगे? उन्होंने सवाल किया कि क्या निष्पक्ष जांच संभव हो पाएगी। अब सिद्धरामैया का भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग पूछ रहे हैं कि सिद्धरामैया कब इस्तीफा देंगे। लोगों का कहना है कि अगर आप किसी दूसरे की नैतिकता के बारे में बोलते हैं तो सबसे पहले आपको अपने पद से इस्तीफा देकर बोलना चाहिए। हाई कोर्ट ने आपकी याचिका खारिज कर दी और कहा कि जांच कराई जाए। यदि आप सत्ता में हैं तो क्या खुली और निष्पक्ष जांच संभव है? उस पर विचार किया जाना चाहिए। हालांकि लोकायुक्त को एक स्वायत्त संस्था कहा जाता है, लेकिन अपने कर्तव्यों का पालन करने वाले अधिकारी सरकार की देखरेख में काम करते हैं। इसकी क्या गारंटी है कि आप जांचकर्ताओं को प्रभावित नहीं करेंगे? अगर आपने येदियुरप्पा की नैतिकता पर सवाल उठाया तो वही नैतिकता आप पर लागू नहीं होती?

एक हफ्ते की तलाश के बाद

बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास पकड़ा गया तेंदुआ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार की आधी रात से ठीक पहले इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास एक नर तेंदुए को पकड़ा। पांच साल के इस बड़े तेंदुए को एक हफ्ते से ज्यादा समय तक इलाके में घूमते हुए देखे जाने के बाद स्थानीय निवासियों में काफी चिंता पैदा हो गई थी। अब इसे बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है। शहर के आईटी हब के बाहरी इलाके में एक सुनसान जगह, एक

हेलीपैड के पास रखे पिंजरे में तेंदुआ फंसा हुआ था। वन विभाग ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसमें जानवर की हरकतों पर नजर रखने के लिए निगरानी कैमरे लगाए गए थे और थर्मल ड्रोन तैनात किए गए थे। 12 फुट के पिंजरे में दो मुर्गियाँ चारा डालकर रखी गई थीं, जिसे आईटीआई परिसर के पास रखा गया था, जहाँ जंगली झाड़ियों और पेड़ों ने तेंदुए को छिपने में आसानी की। बड़े तेंदुए की तलाश तब शुरू हुई जब एक वीडियो सामने आया जिसमें जानवर को सुबह 3 बजे इलेक्ट्रॉनिक सिटी फेज 1 टोल प्लाजा के पास एक फ्लाईओवर पार करते हुए दिखाया गया था। इस दृश्य के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई, और अधिकारियों ने टेक हब को हाई अलर्ट पर रख दिया। ऐसा माना जा रहा है कि यह तेंदुआ वही है जिसे पहले निकटवर्ती क्षेत्र जिगानी में देखा गया था।

सीएम सिद्धरामैया को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा जारी अभियोजन आदेश के खिलाफ मुख्यमंत्री द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है। चौटा ने कड़े शब्दों में बयान देते हुए अदालत के फैसले को भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण जीत बताया और कहा कि इसने सिद्धरामैया और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ लंबे समय से लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों की पुष्टि की है। चौटा ने कहा इस फैसले ने सिद्धरामैया के बेदाग राजनीतिक रिकॉर्ड को बनाए रखने के दावों के पीछे की सच्चाई को उजागर कर दिया है। उच्च न्यायालय का फैसला मुडा घोटाले में अवैधताओं का सबूत है और सिद्धरामैया ने मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। भाजपा नेता ने सिद्धरामैया के पद छोड़ने से इनकार करने पर निराशा व्यक्त की और उन पर गंभीर आरोपों के बावजूद सत्ता से चिपके रहने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि राज्यपाल ने मामले पर कानूनी सलाह लेने के बाद अभियोजन को मंजूरी दी थी और सिद्धरामैया को उस समय इस्तीफा दे देना चाहिए था। चौटा ने जोर देकर कहा यह फैसला कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार का उचित जवाब है। उन्होंने कहा कि भाजपा और सामाजिक कार्यकर्ता दोनों ही लगातार मुडा घोटाले में कांग्रेस नेताओं की संलिप्तता को उजागर कर रहे हैं। सांसद ने सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि कर्नाटक के लोगों और कानून के शासन के लिए मुख्यमंत्री को तुरंत पद छोड़ देना चाहिए।

शिरूर भूस्खलन

16 जुलाई से लापता केरल के ट्रक चालक का शव उत्तर कन्नड़ जिले में मिला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गोताखोरों और ड्रेजरों की एक टीम ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर में गंगावली नदी में केरल के ट्रक चालक अर्जुन का शव और उसका वाहन बरामद किया। तटीय कर्नाटक में भारी बारिश के बीच भूस्खलन के बाद 16 जुलाई को ट्रक और चालक अर्जुन लापता बताए गए थे। छह दिन के अभियान के बाद टीम क्षतिग्रस्त वाहन का पता लगाने और केबिन से शव बरामद करने में सफल रही। पुलिस अधीक्षक एम. नारायण ने शव की पहचान की पुष्टि की है। पूर्व नौसेना अधिकारी इंद्र बालन और उनकी टीम ने स्थान की गणना की थी। उन्होंने सुझाव दिया था कि बचाव दल लक्ष्मण नाइक की दुकान के पीछे वाहन की तलाश करें। अधिकारियों ने कहा कि ट्रक को खींचने के लिए ड्रेजर का इस्तेमाल किया गया। तटीय कर्नाटक में भारी बारिश के बाद 16 जुलाई को हुए भूस्खलन में 11 लोगों की जान चली गई थी। दो लोगों - जगन्नाथ और लोकेश - के शव अभी तक नहीं मिले हैं।

मिथिला यूनिवर्सिटी पर 20 करोड़ रुपये के गबन का आरोप

भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची विजिलेंस की टीम

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में प्रश्न पत्र की छपाई और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में करोड़ों की राशि गबन को लेकर दर्ज प्राथमिकी के मामले की जांच निगरानी की टीम डीएसपी सह निगरानी केस के अनुसंधानकर्ता चंद्रभूषण के नेतृत्व में कर रही है। बताया जा रहा है कि 20 करोड़ से अधिक को सरकारी गबन की प्राथमिकी तत्कालीन कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्तीय सलाहकार, वित्त पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारियों के खिलाफ गबन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

बता दें कि तत्कालीन कुलपति डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह और कुलसचिव प्रो मुस्ताक अहमद, वित्तीय सलाहकार कैलाश राम, वित्त पदाधिकारी फजले रहमान, कॉलेज निरीक्षक अशोक कुमार मेहता, भू सम्पदा पदाधिकारी

कामेश्वर पासवान, कनीय अभियंता केशव कुमार, एसएम इकबाल से निगरानी टीम आज पूछताछ करने वाली है। बताया जाता है 2021 में रोहित कुमार ने सूचना के अधिकार के तहत निगरानी में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में भ्रष्टचार कर सरकारी राशि के गबन किये जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच के बाद शिकायत सही पाए जाने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इस सम्बंध में वर्तमान कुलपति डा संजय कुमार चौधरी ने बताया कि सरकारी राशि गबन की जांच करने पटना से निगरानी की टीम आई हुई है। विश्विद्यालय प्रशासन निगरानी टीम को जांच में पूरा सहयोग करेगा। जो भी फाइलें टीम के द्वारा मांगी जाएगी उन्हें उपलब्ध करा दिया जाएगा। दरभंगा जांच को आये निगरानी टीम डीएसपी सह मामले के अनुसंधानक चंद्रभूषण ने बताया कि ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय में करोड़ो की सरकारी राशि गबन का मामला दर्ज है जिसका अभी हम अनुसंधान कर रहे है। जांच में जो लोग भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्यवाई की जाएगी।

पीओके हमारा है, इसे हर हाल में वापस लिया जाएगा: शिवराज

नई दिल्ली/जम्मू, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की कड़ी निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का है और इसे हर हाल में वापस लिया जाएगा।

श्री चौहान ने जम्मू के कठुआ में भाजपा उम्मीदवार भारत भूषण, हीरानगर में विजय शर्मा और बिशनाह में डॉक्टर राजीव के समर्थन में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि नेकां का मतलब नॉनसेंस कॉन्फ्रेंस होता है, कांग्रेस- आईएनसी का मतलब इंडियन नेशनल करप्शन पार्टी होता है और पीडीपी का मतलब पर्सनल डेवलपमेंट पार्टी है। इन तीन खानदानों ने जनता के लिए कभी कुछ नहीं किया और प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कश्मीर में हमारी सेनाएं पूरी ताकत से लड़ रही थीं और पाकिस्तानी सेना को खदेड़ा जा रहा था।

पंडित जवाहर लाल नेहरू के कारण आज कश्मीर का कुछ हिस्सा पाकिस्तान में चला गया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान कब्जे वाला कश्मीर भारत का ही अंग है और इसलिए आज नहीं तो कल हम पूरी तरह से उसको विलय करेंगे, ये भारतीय जनता पार्टी की सरकार का संकल्प है।

भाजपा नेता ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोग उनकी पार्टी के साथ खड़े हैं। आतंकवाद अगर फैला तो नेशनल कॉफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार के दौरान फैला है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस चीन की मदद से अनुच्छेद 370 को वापस लाना चाहते हैं। ये चीन की मदद लेने की बात करते हैं। इनका और कांग्रेस का गठबंधन नहीं ठगबंधन है। इस गठबंधन में आज से ही अविश्वास हो गया है, कल साथ मिलकर क्या काम करेंगे। श्री चौहान ने कहा कि भाजपा ने समाज के हर वर्ग को न्याय दिया है, इसलिए यहां के विकास के लिए और जनता के कल्याण के लिए लोग उनकी पार्टी के साथ खड़े हैं।

भाजपा पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी न केवल जम्मू में सफलता प्राप्त करेंगे बल्कि कश्मीर घाटी में भी भाजपा को अप्रत्याशित सफलता मिलेगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम चलाई गई है। आतंकवादी कोई भी हो, भाजपा की सरकार उसे छोड़ेगी नहीं। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ खिलवाड़ करने वालो को सबक सिखाएंगे और आतंकवाद का नामो निशान मिटा देंगे। यहां शांति चाहिए, यहां सुरक्षा चाहिए, यहां प्रगति चाहिए, यहां विकास चाहिए। उन्होंने कहा कि यही कांग्रेस थी जब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने शेख अब्दुल्ला को जेल भेजा था। फिर इंदिरा गांधी ने फारूख अब्दुल्ला की सरकार बर्खास्त किया था। फिर उनके बेटे राजीव गांधी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ समझौता कर लिया। भाजपा नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की धरती पर आतंकवाद तब फला-फूला जब नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार बनी। निर्दोषों और गरीबों के खून से जम्मू-कश्मीर की धरती लाल हो गई। आतंकवादियों ने यहां ऐसा कहर ढाया कि सेना के भी कई जवानों को बलिदान देना पड़ा। उन्होंने कहा, लेकिन आज गर्व है, जब से देश में भाजपा की सरकार आई है, हमने तय किया है कि, हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन किसी ने हमारे देश और जनता को छेड़ा तो हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं।

केन्द्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता भ्रम फैलाते हैं कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी, लेकिन उनके नाना पंडित जवाहर लाल नेहरू कहते थे कि आरक्षण बेकार है। इतना ही नहीं राहुल गांधी जब अमेरिका गए थे तो उन्होंने कहा कि समय आने पर आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रहते आरक्षण किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं हो सकता है। जिनके साथ अन्याय हुआ है, जिन्हें वर्षों तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला ऐसे समाज को भी आरक्षण देने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। श्री चौहान ने कहा कि जब से देश आजाद हुआ है तब से जम्मू-कश्मीर में केवल तीन खानदानों ने राज किया है और राज्य को बुरी तरह से लूटा भी है। जम्मू और कश्मीर में भेदभाव किया है, लेकिन भाजपा के लिए जम्मू और कश्मीर दोनों बराबर हैं। जम्मू के साथ अन्याय नहीं होगा।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र के लिए अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार को बाहर करना जरूरी: भाजपा

श्रीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं चुनाव अभियान प्रभारी राम माधव ने बुधवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र के विकास के लिए जम्मू-कश्मीर की राजनीति से अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार के तीन परिवारों को बाहर करना जरूरी है।

श्री माधव ने यह टिप्पणी उत्तरी कश्मीर के गुरेज के बत्रा गांव में पार्टी के उम्मीदवार फकीर मोहम्मद खान के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। श्री माधव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित की और आतंकवाद को कुचल दिया, लेकिन एनसी-कांग्रेस आतंकवाद को पुनर्जीवित करना चाहते हैं और जम्मू-कश्मीर को अशांति में धकेलना चाहते हैं। लोग श्री मोदी के विकास एजेंडे के साथ हैं। कांग्रेस-एनसी अनुच्छेद 370 को वापस लाना चाहते हैं, जिसका मतलब है कि वे जम्मू-कश्मीर में मौत और विनाश चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर की राजनीति से वंशवादी दलों को बाहर करना लोकतंत्र के विकास के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र को जमीन पर उतारा है और जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल की है, जिससे विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

श्री माधव ने आरोप लगाया कि तीन वंशवादी दलों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा और लोकतंत्र को कुचला। ऐसे शासकों से पूरी तरह मुक्ति जरूरी है ताकि शांति बनी रहे और विकास जारी रहे। उन्होंने जनता से भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया ताकि जम्मू-कश्मीर में चल रहे विकास और समृद्धि में रुकावट न आए। इस अवसर पर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने उम्मीद जताई कि लोग भाजपा का समर्थन करेंगे। श्री कौल ने कहा केवल भाजपा ही जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास और इसके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी दे सकती है। उन्होंने कहा कि लोग पूरी तरह से प्रधानमंत्री के विकास एजेंडे साथ हैं और भाजपा जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाएगी।

हिम्मतनगर में ट्रेलर के पीछे घुसी कार, सात की मौत

हिम्मतनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

गुजरात में साबर कांठा जिले के हिम्मतनगर ए डिवीजन क्षेत्र में बुधवार को एक ट्रेलर के पीछे बेकाबू कार के घुस जाने से सात लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि आज सुबह शामणाजी - हिम्मतनगर राजमार्ग पर हिम्मतनगर सहकारी जिन के निकट अहमदाबाद की ओर जा रही एक कार अचानक बेकाबू होकर ट्रेकर के पीछे जा घुसी। हादसे में कार सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस, दमकल कर्मी और आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा 108 ने मोके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंत्रालय का 100 दिन का काम परिवर्तनकारी साबित होगा : सोनोवाल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार में पहले 100 दिन में उनके मंत्रालय ने जो काम किया है वह महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आने वाले दिन में वह मील का पत्थर साबित होगा।

श्री सोनोवाल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन 100 दिनों में उनके मंत्रालय ने मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 के दृष्टिकोण की दिशा में कार्यक्रम की शुरुआत करके देश के समुद्री बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया गया। इस बुनियादी कार्यक्रम के तहत समृद्धि के लिए बंदरगाह और प्रगति के लिए बंदरगाह का दृष्टिकोण भारत के समुद्री परिवर्तन की आधारशिला बन गया है।

उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले 100 दिन में काम की जो आधारशिला रखी है उसमें समग्र विकास पर ध्यान दिया गया है और यह प्रधानमंत्री के परिवहन के माध्यम से परिवर्तन का मंत्र है जिससे देश का समुद्री परिदृश्य पूरी तरह से बदल जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत के महत्व को देखते हुए महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा और गुजरात में इसके लिए क्लस्टर विकसित किया जा रहा है। हाइड्रोजन विनिर्माण केंद्रों के विकास के लिए कांडला और वीओसी बंदरगाह में 3,900 एकड़ से अधिक भूमि का भी आवंटन किया जा रहा है। समुद्री स्थिरता और नीली अर्थव्यवस्था के विकास पर ध्यान कैसे केंद्रित किया जाएगा इस बारे में नवंबर में मुंबई में होने वाले सागर मंथन : द ग्रेट ओशन कॉन्फ्रेंस में व्यापक स्तर पर विचार विमर्श किया जाएगा। श्री सोनोवाल ने कहा कि पिछले 100 दिनों में भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने और समग्र क्षेत्र के विकास में योगदान देने पर विशेष ध्यान दिया गया है जो परिवर्तनकारी साबित होगा।

आतंक को जवाब देने और विकास के लिए डाले गए वोट

इस बार न आतंकियों का डर, न अलगाववादियों की गीदड़भभकी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 25 सितंबर।

पुंछ के एलओसी से सटे एक गांव के 79 साल के आलमद्दीन किसी भी कीमत पर मतदान में हिस्सा लेना चाहते थे। अपने दो बेटों को आतंकी हिंसा में गंवा चुके आलमद्दीन का मतदान करने का मकसद यही था कि लोकतंत्र की जीत हो ताकि आतंकवाद का खात्मा हो।

कश्मीर के बीरवाह के युसूफ के लिए मुद्दा आतंकवाद नहीं, न ही कश्मीर की आजादी था बल्कि वह गांव के विकास के लिए सरकार को चुनने का मकसद लेकर किसी की परवाह किए बिना पोलिंग बूथ तक आया था।

जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहा है। प्रदेश में पहले चरण का मतदान सम्पन्न हो चुका है। दूसरे चरण के लिए 26 विधानसभा सीटों पर बुधवार को मतदान हुआ। दूसरे चरण में 25 लाख से अधिक मतदाताओं ने 239 उम्मीदवारों के

भाग्य का फैसला किया। दोपहर 3 बजे तक 46.12 फीसदी वोटिंग हुई थी। दूसरे चरण के लिए 3502 पोलिंग बूथ बनाए गए थे।

तीन चरणों में हो रहे चुनावों के दूसरे चरण के मतदान में आज शामिल हुए वोटरों की चाहे अलग-अलग कथाएं थीं लेकिन सबका मकसद एक ही था। वे सभी बिना किसी खौफ के मतदान प्रक्रिया में शामिल हुए तो सीमा पार आतंकियों के आकाओं के दिलों पर सांप जरूर लोटा होगा। आखिर लोटे भी क्यों न, 35 सालों के आतंकवाद के बावजूद वे प्रदेश की जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से विमुख नहीं कर सके। चदूरा की निगत भी पहली बार वोट डालने आई तो उसके दिलो दिमाग पर कोई खतरा नहीं था। उसके दिलो दिमाग पर बस एक ही बात छाई थी कि उसे बेरोजगार नहीं रहना है। अगर प्रदेश में चुनी हुई सरकार आती है तो रोजगार के साधन मुहैया करवाए जाएंगे। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा, न ही आतंकवाद और न ही चुनाव बहिष्कार से कुछ बनने वाला है। जो कुछ होना है, वह वोट से ही होना है।

प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में ईदगाह विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं ने जुटना शुरू कर दिया था। एक सरकारी माध्यमिक स्कूल भवन में बने मतदान केंद्र के सामने एकत्र लोगों के रुख से क्षेत्र के अन्य मतदाताओं की सोच का अंदाजा लगता है। मुहम्मद अफजल नाम के 45 वर्षीय मतदाता ने कहा कि चुनाव बहिष्कार ने हमारी कोई सहायता नहीं की है। हमारे पिछले विधायक ने भी कुछ नहीं किया। हमारे यहां सड़कें, पेयजल और स्वास्थ्य केंद्र नहीं हैं, हम इस बार ऐसा प्रतिनिधि चुनेंगे जो वास्तव में हमारे लिए कार्य करे। और यही कारण था कि सीमा पार के प्रयास गांववासियों को मताधिकार का प्रयोग करने से नहीं रोक पाए थे।

दूसरे चरण के मतदान के लिए सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। विधानसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में जम्मू और कश्मीर के छह जिलों के 26 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल किया गया था। इसमें कश्मीर संभाग में गंदरबल, श्रीनगर और बडगाम, जम्मू संभाग में रियासी, राजौरी और पुंछ शामिल हैं। कश्मीर संभाग में 15 क्षेत्रों में चुनाव हुआ, उनमें कंगन, गंदरबल, हजरतबल, खानयार, हब्बाकदल, लाल चौक, छानपोरा, जदीबल, ईदगाह, सेंट्रल शाल्टेंग, बडगाम, बीरवाह, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ और चदूरा शामिल हैं जबकि जम्मू संभाग में 11 विधानसभा क्षेत्र, गुलाबगढ़ (एसटी), रियासी, श्री माता वैष्णो देवी, कालाकोट-सुंदरबनी, नौशहरा, राजौरी (एसटी), बुधल (एसटी), थन्नामंडी (एसटी, सूरनकोट (एसटी), पुंछ हवेली और मेंढर (एसटी) में मतदान हुआ।

पंजाब में पंचायत चुनाव 15 अक्टूबर को होंगे: चौधरी

चंडीगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

पंजाब चुनाव आयोग ने बुधवार को सामान्य ग्राम पंचायत चुनावों के संचालन के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंजाब चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही उम्मीदवारों और राज्य के मार्गदर्शन के लिए ग्राम पंचायत चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है, जो चुनावी प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने की अवधि 27 सितंबर, 2024 (शुक्रवार) से शुरू होगी, जो संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में सुबह 11 बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि चार अक्तूबर 2024 (शुक्रवार) होगी। उन्होंने कहा कि 28 सितंबर 2024 को निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश होने के कारण कोई भी नामांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा। नामांकन पत्रों की जांच 05 अक्तूबर 2024 (शनिवार) को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 07 अक्तूबर 2024 (सोमवार) दोपहर तीन बजे तक है।

श्री चौधरी ने बताया कि मतदान 15 अक्टूबर (मंगलवार) को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक बैलेट बॉक्स के माध्यम से होगा। मतदान पूरा होने के बाद उसी दिन मतदान केंद्र पर ही मतों की गणना की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यक होगा, 13,237 सरपंचों और 83,437 पंचों के लिए मतदान होगा। कुल मतदाताओं में 1,33,97,922 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 70,51,722 पुरुष, 63,46,008 महिलाएं और 192 अन्य शामिल हैं।

जितिया पर्व में स्नान करने के दौरान 12 लोगों की डूबकर मौत

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में औरंगाबाद, पश्चिम चंपारण और सारण जिले में बुधवार को जितिया पर्व के अवसर पर स्नान करने के दौरान 12 लोगों की डूबकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार औरंगाबाद जिले में आठ, पश्चिम चंपारण और सारण जिले में दो-दो लोगों की डूबकर मौत हो गई। औरंगाबाद से प्राप्त सूचना के अनुसार मदनपुर प्रखंड के कुशहा और बारून प्रखंड के इंटहट गांव में जितिया पर्व को लेकर अपने परिजनों के साथ नदी तथा तालाब में स्नान करने गए बच्चे डूब गये। कुशहा के तालाब और इंटहट गांव के बटाने नदी से चार-चार बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मृतक बच्चों की पहचान कुशहा गांव निवासी उपेन्द्र यादव के आठ वर्षीय पुत्र अंकज कुमार, बीरेंद्र यादव की 13 वर्षीया पुत्री सोनाली कुमारी, युगल यादव की 12 वर्षीया पुत्री नीलम कुमारी ,सरोज यादव की 12 वर्षीया पुत्री राखी कुमारी उर्फ काजल कुमारी ,इटहट गांव निवासी गौतम सिंह की 19 वर्षीय पुत्री निशा कुमारी , 11 वर्षीय अंकु कुमारी, गुड्डू सिंह की 12 वर्षीय पुत्री चुलबुली, मनोज सिंह की 10 वर्षीय पुत्री लाजो कुमारी के रुप में की गई है। बेतिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिम चंपारण जिले के साठी थाना क्षेत्र के दानियाल परसौना गांव में जिउतिया पर्व के अवसर पर नदी में स्नान करने के दौरान दो किशोर की डूबकर मौत हो गयी।

एनएसयूआई का महिला विरोधी चरित्र एक बार पुनः सामने आया: करनवाल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की सचिव पद की प्रत्याशी मित्रवृंदा करनवाल ने बुधवार को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) पर हमला बोला कि जिस तरह के एनएसयूआई के गुंडे जबरदस्ती मिरांडा हाउस कॉलेज में घुसे हैं, उससे उसका महिला विरोधी चरित्र एक बार पुनः सामने आ गया है।

सुश्री करनवाल ने कहा, जिस प्रकार से मिरांडा हाउस में गेट तोड़कर जबरदस्ती एनएसयूआई के लोग घुसे हैं, वह डीयू में

छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुई बहुत बड़ा खतरा है। डीयू छात्राएं इस तरह के हिंसक तथा शर्मनाक कृत्य का मुंहतोड़ जवाब देंगी। उन्होंने कहा कि आज तकरीबन 12:00 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित मिरांडा हाउस कॉलेज में एनएसयूआई के गुंडे डूसू चुनाव प्रचार के नाम पर जबरदस्ती घुसे। उन्होंने कहा, एनएसयूआई के प्रत्याशी रौनक खत्री के साथ गेट तोड़कर बड़ी संख्या में लोग अंदर घुस गए। डूसू चुनाव नियमों के अनुसार प्रत्येक प्रत्याशी के साथ डीयू के 04 वास्तविक छात्र ही प्रचार के लिए जा सकते हैं, लेकिन मिरांडा हाउस में जिस प्रकार से एनएसयूआई के गुंडों की भीड़ घुसी, उससे कॉलेज की छात्राओं की सुरक्षा के संबंध में बहुत बड़ा प्रश्न खड़ा हो गया है।

अंत्योदय के प्रणेता व विचारक थे दीनदयाल उपाध्याय: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय के विजन के कारण गांव, गरीब, किसान व महिलाएं राजनीतिक दलों के एजेंडे का हिस्सा बने। योगी ने बुधवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर चारबाग रोड स्थित केकेसी कॉलेज के समीप दीनदयाल उपाध्याय स्मृतिका में लगी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान के तहत पांच लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया।

उन्होने कहा कि पंडित दीनदयाल प्रणेता, महान चिंतक, विचारक थे। उन्होने 60-70 वर्ष पहले विचारों के माध्यम से भारतीय राजनीति को जो जीवनदृष्टि दी, उनका चिंतन-मनन आज भी न केवल भारतीय लोकतंत्र, बल्कि राजनीतिक दलों

द्वारा प्रारंभ किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में देखने को मिलता है।

योगी ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में गांव, गरीब, किसान, समाज के दबे-कुचले लोगों व महिलाओं को स्वावलंबन के पथ पर अग्रसर करने की दृष्टि है और उस तबके लिए सहानुभूति है। हर हाथ को काम, हर खेत को पानी उनका उद्घोष था। वे कहते थे कि आर्थिक प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर नहीं, बल्कि सबसे नीचे पायदान पर खड़े व्यक्ति के माध्यम से की जानी चाहिए। उन्होने कहाकि 70 वर्ष पहले पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय राजनीति को जो दृष्टि दी थी, वह आज भी प्रासंगिक बनी है। इसी का परिणाम है कि कोरोना महामारी के दौरान से ही देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 12 करोड़ लोगों के घरों में शौचालय, 10 करोड़ घरों में उज्ज्वला योजना का निशुल्क सिलेंडर, 4 करोड़ गरीबों को मकान, 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त हुआ है। यह दृष्टि समाज को समग्र रूप से विकास के पथ पर अग्रसर करने, सामाजिक विकास के माध्यम से सांस्कृतिक उत्थान व राष्ट्र के समग्र विकास की रूपरेखा को बढ़ाने की है।

योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उस विजन को दस वर्ष से धरातल पर उतारकर हम सभी नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा ने पं. उपाध्याय की जयंती को अपने सदस्यता महाभियान की तिथि के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। लखनऊ महानगर की टीम बधाई की पात्र है, जिसने हर बूथ पर 100 सदस्य बनाने के बड़े अभियान को अपने हाथ में लिया है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि चुनाव जिला, संसदीय-विधानसभा क्षेत्र स्तर पर नहीं लड़ा जाता है, बल्कि चुनाव का कुरुक्षेत्र बूथ होता है। बूथ जीता तो चुनाव जीता। बूथ मजबूत है तो चुनाव पक्ष में है। इसी बुनियादी बात को ध्यान में रखकर भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में स्थापित हुई है। उन्होने कहा कि सदस्यता महाभियान का लक्ष्य प्रदेश के सभी 75 व सांगठनिक दृष्टि से सभी 98 जनपदों में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, पूर्व मंत्री मोहसिन रजा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पार्षद सुशील तिवारी, बूथ अध्यक्ष मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

कौशल विकास से युवाओं को जोड़ने में विवि की भूमिका अहम: आनंदीबेन

बलिया, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बुधवार को कहा है कि विश्वविद्यालयों को कौशल विकास से युवाओं को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षान्त समारोह में शिरकत करते हुए श्रीमती पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं बेरोजगार युवाओं के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। उन्होंने गोल्ड मेडल लेने मंच पर पहुंचे मेधावियों में उत्साह को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि मुझे किसी में भी खुशी नहीं दिखी। गोल्ड मेडल लेने आने में चाल, ढ़ाल, चेहरे और शक्ति में गोल्ड मेडल का उत्साह दिखना चाहिए।

उन्होंने इस मौके पर 43 मेधावियों को गोल्ड मेडल दिया। इसके साथ ही उन्होंने 23344 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। राज्यपाल के हाथों उपाधि प्राप्त करने वालों में स्नातक के 19448 व स्नातकोत्तर के 3894 मेधावी थे , जिसमें 9452 छात्र और 13890 छात्राएं थीं। इस

दौरान अपने संबोधन में राज्यपाल ने मेडल लेने मंच पर पहुंचे छात्र-छात्राओं उत्साह को लेकर चिंता भी जाहिर की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कई छात्र-छात्राओं को आज मेडल प्राप्त हुए हैं लेकिन मेडल लेने के लिए आए छात्र-छात्राओं में कोई खुशी नहीं दिखाई पड़ी। कौशल विकास से युवाओं को जोड़ने में विश्वविद्यालयों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं को रोजगार से जोड़ने को लेकर मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी नौकरी उन्हें ही मिल पाएगी, जो प्रतियोगिता में उत्तीर्ण होंगे। प्रतियोगिता में अनुत्तीर्ण होने वाले कहां जायेंगे। उनके आगे बढ़ने में कौशल विकास सशक्त माध्यम साबित हो सकता है।

राज्यपाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर विद्यार्थी के लिए पैसे का प्रावधान किया है। कौशल विकास पर फोकस नहीं होगा तो विद्यार्थियों को लाभ कैसे होगा। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों को बाध्य किया गया है कि विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कराएंगे। इससे विद्यार्थियों को रोजगार मिलेगा। एक करोड़ से अधिक बच्चों के लिए बिना ब्याज धनराशि देने का प्रावधान केन्द्र सरकार ने किया है। यह इसलिए किया गया है ताकि रोजगार बढ़े। उन्होंने कहा कि युवा जब इंटर्नशिप करने बड़ी कंपनियों में जायेगे तो उनकी प्रतिभा को देखकर उन्हें नौकरी मिलेगी । इसके बाद वह सरकार की योजना के जरिए अपना स्वयं का रोजगार शुरू कर नौकरी देने वाले स्थिति में आ सकते हैं। इस तरह वह सरकारी नौकरी करने वाले से आगे निकल सकते हैं, क्योंकि सरकारी नौकरी करने वाला अपने स्थान पर ही रह जायेगा। यदि हम विद्यर्थियों को कौशल नहीं देंगे तो विकास भी नहीं होगा।

बांदा में हत्या के दोषी तीन सगे भाइयों को उम्रकैद

बांदा, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में बांदा जिले की स्थानीय अदालत ने बुधवार को एक युवक की हत्या के आरोपी तीन सगे भाइयों को आजीवन कारावास व जुर्माने की सजा सुनाई।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार तिवारी ने बताया कि चिल्ला थाना क्षेत्र के पलरा गांव निवासी बलबीर सात जून 2019 को गांव में ही दुकान से अपने घर जा रहा था कि पुरानी रंजिश के चलते रास्ते में गांव के विक्रम लखना व मुन्ना ने बरछी, फावड़ा आदि से उस पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसकी इलाज के दौरान कानपुर हैलेट अस्पताल में मृत्यु हो गई। घटना का मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा और विवेचना पूरी कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। जहां अभियोजन पक्ष ने नौ साक्ष्य

पेश किया। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रपाल द्वितीय की अदालत ने पक्ष - विपक्ष की दलीलों और पत्रावली में मौजूद साक्ष्यों के आधार पर तीनों सगे भाइयों को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 5- 5 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

बरेली बाजार में तीन नकाबपोश महिला चोर गिरफ्तार

बरेली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बरेली के कोतवाली क्षेत्र में बड़ा बाजार में तीन महिला चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी प्रथम पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार पूर्वाह्न कोतवाली क्षेत्र बड़ा बाजार में बदायूं की एक महिला के पर्स से रुपये चोरी करते तीन महिलाओं को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। तीनों महिलाएं थाना बारादरी मोहल्ला सहसवानी टोला निवासी हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनो महिलाओ को जेल भेज दिया है। चोर महिलाओं ने अपने नाम पुराना शहर निवासी सहसवानी टोला निशा (32), अलीशा (30) और हिना (25) बताए हैं।

उन्होने बताया कि महिला चोर ने पीड़ित का पर्स खोल कर उसमें रखी 33 हजार 500 रुपये की रकम पर हाथ साफ कर दिया और उसे साथी महिला को दे दिए। महिलाओं की करतूत देख दानिश नामक युवक ने शोर मचाया तो वहां आसपास खड़े लोगों की मदद से तीनों महिलाओं को मौके पर ही पकड़ लिया।

छितौनी-तमकुहीरोड रेल लाइन का फिर होगा सर्वे

कुशीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-लखनऊ रूट पर चौथी लाइन के लिए सर्वे को मंजूरी के बाद रेलवे बोर्ड ने छितौनी-तमकुहीरोड नई रेल लाइन के लिए सर्वे पर भी सहमति जता दी है।

अधिकृत सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसी रूट पर लाइन बिछाने के लिए बोर्ड ने जुलाई में जारी बजट में 10 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है। अब सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद इस रूट पर काम शुरू हो जाएगा। वर्ष 2006 में गोरखपुर-नरकटियागंज रेलखंड के पनियहवा रेलवे स्टेशन से छितौनी होते हुए तमकुहीरोड स्टेशन तक रेल लाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था लेकिन वर्ष 2012 में पनियहवा से छितौनी से लेकर श्रीपतनगर (बिहार) तक रेल लाइन बिछाने के बाद आगे का काम रुक गया।

इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने इस रेल लाइन के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इससे बंद पड़ा काम फिर से शुरू होगा। प्रोजेक्ट के पूरा हो जाने से गोरखपुर-पनियहवा-छितौनी और तमकुही रोड एक साथ जुड़ जाएंगे। गंडक नदी के किनारे बसे कुशीनगर जिले के खड्डा, पडरौना और तमकुहीराज तहसील के अलावा पड़ोसी प्रांत बिहार के पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज जिले की बड़ी आबादी को इससे फायदा होगा। अभी इस इलाके में आवागमन की सुविधाएं नगण्य हैं। यहां के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए पडरौना या बगहा स्टेशन जाना पड़ता है। चूंकि लम्बे समय से काम बंद है, ऐसे में छितौनी से तमकुहीरोड नई रेल लाइन रूट पर दोबारा सर्वे कराने के लिए रेलवे बोर्ड ने मुहर लगा दिया है।

पूर्व प्रस्तावित नई रेल लाइन परियोजना पर छितौनी से श्रीपतनगर (बिहार) तक मिट्टी भराई का कार्य कराया जा चुका हैं। इस रेल परियोजना में 35.7 लाख घनमीटर मिट्टी कार्य के साथ 10 बड़े व 47 छोटे पुलों का निर्माण होना था। ट्रैक लिंकिंग के लिए 6500 मैट्रिक टन रेल व एक लाख से अधिक सीमेंटेड स्लीपरों का प्रयोग होता। इस रेल लाइन पर पहले छितौनी और तमकुहीरोड के बीच 15.55 किमी पर जटहा स्टेशन, 28.70 किमी पर मधुबनी रेलवे स्टेशन, 35 किमी पर धनहा स्टेशन, 38 किमी पर खैरा टोला स्टेशन और 49.70 किमी पर पिपरही स्टेशन का निर्माण प्रस्तावित था। इस परियोजना को अब दुबारा नया सर्वे की मंजूरी मिल गई है।

हाईकोर्ट सख्त : अदालतों के खिलाफ वकीलों के दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं

कानपुर नगर के युवा अधिवक्ता ने मांगी माफी

प्रयागराज , 25 सितंबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अदालतों के खिलाफ वकीलों के दुर्व्यवहार को कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लिहाजा, वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायाधीशों के खिलाफ असंयमित भाषा का प्रयोग करने से बचें। अपनी इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने क्षमा मांगने पर एक युवा अधिवक्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई समाप्त कर दी। हलांकि, कोर्ट ने कानपुर नगर के जिला जज को अवमानना के आरोपी अधिवक्ता के आचरण को लेकर दो साल बाद रिपोर्ट हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को सौंपने की भी आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने सिविल जज कानपुर नगर की ओर से युवा अधिवक्ता योगेंद्र त्रिवेदी के खिलाफ 4 फरवरी 2023 को भेजे गए संदर्भ पर सुनवाई करते हुए दिया है। आरोप है कि अधिवक्ता ने अदालती कार्यवाही के दौरान कोर्ट स्टाफ से एक फाइल छीन ली थी और ट्रायल जज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। सिविल जज ने

मामले की शिकायत जिला जज के जरिये हाईकोर्ट भेजी थी। कोर्ट ने अधिवक्ता के खिलाफ नोटिस जारी किया था।

अधिवक्ता ने बिना शर्त अदालत से मांफी मांगी थी। हालांकि, हाईकोर्ट और सिविल जज माफी मांगने के तरीके से संतुष्ट नहीं थे। इसके बाद कोर्ट ने आरोपी अधिवक्ता को बेहतर हलफनामा दाखिल करने की मोहलत दी तो उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी। इसके बाद कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी के साथ अधिवक्ता को अवमानना कार्यवाही से मुक्त की दिया। कहा कि हम इस मामले में अधिक गंभीर दृष्टिकोण अपनाते लेकिन आरोपी एक युवा अधिवक्ता है। इसके अलावा इससे पहले इस तरह के आचरण का कोई पूर्व आरोप नहीं है। इसलिए उन्हें सख्त चेतावनी के साथ बख्शा जा रहा है। लेकिन दूबारा ऐसा कोई कार्य संज्ञान में आया तो अदालत फिर से अवमानना कार्यवाही शुरू करेगी।

कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है एमएसएमई: सीएम योगी

ग्रेटर नोएडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी के साथ ही उत्तर प्रदेश एमएसएमई की सर्वाधिक यूनिट रखने वाला राज्य भी है। एक सर्वे के अनुसार यूपी के 75 जनपदों में 96 लाख एमएसएमई यूनिट है। कृषि के बाद यूपी में यह सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है। श्री योगी ने बुधवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। इसके पूर्व योगी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया और ट्रेड शो में विभिन्न स्टॉल का अवलोकन भी किया।

उन्होने कहा कि सैकड़ों वर्ष से अलग-अलग क्षेत्रों में यूपी के अंदर रोजगार सृजन के लिए हस्तशिल्पियों, कारीगरों ने इन्हें बढ़ाने में योगदान दिया था, लेकिन आजादी के बाद उचित प्रोत्साहन के अभाव व समय पर तकनीक न मिलने से वे बंदी के कगार पर पहुंच चुके थे। श्री योगी ने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार आई तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के विजन को धरातल पर उतारने के लिए अनेक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया। इसमें ओडीओपी के रूप में सभी 75 जिलों का यूनिक प्रोडेक्ट तय किया। इसके प्रोत्साहन, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए अभियान को बढ़ाया गया। यूपी में यह रोजगार सृजन के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है।

उन्होने कहा कि कोरोना के दौरान यूपी के श्रमिक अलग-अलग राज्यों में कार्य कर रहे थे। उनके सामने आजीविका का भीषण संकट खड़ा हुआ था। इन्हें लेकर देश चिंतित था, लेकिन मैं निश्चित था कि यूपी में इतना पोटेंशियल है कि 40 लाख नहीं, 4 करोड़ लोग भी आएंगे तो यूपी इन्हें जगह देगा। यूपी में प्रवेश करते ही सभी 40 लाख कामगारों की स्किल मैपिंग कराई गई और हर जनपद को इसका डाटा उपलब्ध कराने के साथ संबंधित यूनिट में कार्य का ऑफर दिया गया। इन लोगों ने आकर यूपी की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाने के अभियान के साथ ही यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में प्रदेश तेजी से बढ़ रहा है। यह वही यूपी है, जो सात वर्ष पहले देश के विकास का बैरियर माना जाता था, लेकिन आज यह देश के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। इसमें एमएसएमई सेक्टर की बड़ी भूमिका है। कोई भी बड़ा औद्योगिक निवेश बिना एमएसएमई बेस के आगे नहीं बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में ऑनलाइन पंजीकरण के बाद यदि कोई एमएसएमई यूनिट आपदा का शिकार होती है तो राज्य शासन की तरफ से उसे पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हैं। प्रदेश में फ्लैटेड फैक्ट्री और निजी क्षेत्र में प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क के निर्माण की कार्रवाई तेजी के साथ बढ़ी है। ओडीओपी योजना की सफलता के साथ ही यूपी के पास सर्वाधिक 75 जीआई टैग हैं। प्रोत्साहन के अभाव में जो उत्पाद दम तोड़ रहे थे, आज उसे आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। यूपी के अलग-अलग सेक्टर में भी अनेक कार्य हुए हैं। यूपी का जो प्रोडक्शन है, उन्हें भी शोकेस का अवसर यूपीआईटीएस उपलब्ध करा रहा है।

योगी ने कहा कि पांच दिन तक जी2जी, जी2बी समेत अनेक कार्यक्रम होंगे, जो न केवल यूपी के पोटेंशियल, बल्कि सांस्कृतिक-सामाजिक विविधता के विभिन्न पक्षों को प्रदर्शित करने के साथ ही उचित फोरम के रूप में स्थापित भी करेंगे। यह यूपी के उद्यमियों के लिए अपने प्रोडक्ट को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर होगा। उन्होने कहा कि यूपी न केवल एमएमएमई के बेहतरीन बेस, बल्कि बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी जाना जा रहा है। वर्तमान में यूपी में छह एक्सप्रेसवे कार्य कर रहे हैं, सात पर कार्य चल रहा है। प्रदेश में 11 एयरपोर्ट कार्यरत हैं, 10 पर कार्य चल रहा है। 4 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट क्रियाशील है, जबकि देश के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को इस वर्ष तक बनाने का लक्ष्य है। देश का सबसे लंबा गंगा एक्सप्रेसवे भी पश्चिमी यूपी को पूर्वी यूपी से जोड़ रहा है। प्रयागराज महाकुंभ-2025 से पहले इसे क्रियाशील करने के लिए प्रयासरत हैं। रेल व सड़क का सबसे बेहतरीन नेटवर्क यूपी के पास है। यूपी सुदृढ़ कानून व्यवस्था के साथ ही स्किल और अनस्किल मैनपॉवर का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत सरकार दो करोड़ युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच दिन तक चलने वाला ट्रेड शो यूपी के उत्पाद, पोटेंशियल, सांस्कृतिक विशेषता व सामाजिक विविधता को वैश्विक मंच तक प्रस्तुत करने में सफल होगा। 2500 से अधिक एग्जीबिटर्स, 350 से अधिक फॉरेन बॉयर्स उपस्थित हो चुके हैं। पार्टनर कंट्री के रूप में वियतनाम के सहभागी बनने पर सीएम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री ने वियतनाम के डेलीगेट्स से मुलाकात भी की। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतनराम मांझी, यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, लोकनिर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी, गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, विधायक धीरेंद्र सिंह, तेजपाल सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी आदि मौजूद रहे।

निवेशकों का चहेता डेस्टिनेशन बन चुका है उत्तर प्रदेश : मांझी

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि देश में औद्योगिक वातावरण बनाने में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होने कहा कि देश के आर्थिक विकास का रास्ता यूपी से जाता है। यहां योगी सरकार द्वारा विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर देने की वजह से उत्तर प्रदेश निवेशकों का चहेता डेस्टिनेशन बन चुका है। श्री मांझी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से यूपी को एमएसएमई सेक्टर के लिए हरसंभव मदद दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर भारत से निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान देता है। उत्तर प्रदेश में देश की 14 प्रतिशत एमएसएमई इकाइयां स्थापित हैं, जिनकी संख्या 96 लाख से अधिक है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है, साथ ही महिला सशक्तिकरण में भी इस सेक्टर का बड़ा योगदान है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया जा रहा है।

संपादकीय

मिलावट ही 'सत्य' है

भारत में मिलावट और भ्रष्टाचार कोई नई प्रवृत्तियां नहीं हैं। खाद्य पदार्थ ही नहीं, हमारी हवा और पानी भी प्रदूषित हैं। खाने की चीजों में इनसान की उंगली, छिपकली, सांप के टुकड़े पाए जाने की असंख्य घटनाएं सामने आती रही हैं। कानून तो है, लेकिन खाद्य निरीक्षकों की निगरानी और व्यवस्था गायब और लचर है। उनके अपने 'हफ्ते' या 'महीना' बंधे हैं। दूध में पानी या सोडा मिलाया जाता है, खोया भी मिलावटी और रासायनिक है, देशी घी के नाम पर हम 'बाबाओं' के दावों का अनुसरण करते हैं, लिहाजा भ्रम में जीते हैं कि हम विशुद्ध देशी घी खा रहे हैं। अब कुछ भी शुद्ध मिलना असंभव है, क्योंकि यह मोटे मुनाफे और मिलावट का 'कलियुग' है। आत्मा से हम बेईमान और भ्रष्ट हैं। मुनाफे और मिलावट के लिए कोई भी ठेकेदार भगवान तक को ठग सकता है। आस्था और श्रद्धा को खंडित और अपमानित कर सकते हैं। बेशक मंत्रोच्चारण के जरिए तिरुपति मंदिर का शुद्धिकरण कर लिया गया हो, यह कर्मकांड का आत्मसंतोष हो सकता है, लेकिन करोड़ों भक्तों ने 'प्रसादम् लड्डू' का जो ग्रहण किया है, प्रसाद को अन्य भक्तों में भी बांटा है, उनका शुद्धिकरण कैसे संभव है? तिरुपति मंदिर में औसतन 3.5 लाख लड्डू रोजाना भक्तों के हाथों में जाते हैं। प्रसाद के इन लड्डुओं से तिरुपति मंदिर को 500-600 करोड़ रुपए की सालाना कमाई होती है। प्रसाद, मंदिर और कमाई...बिल्कुल विरोधाभासी हैं। देश में हिंदू या गैर-हिंदुओं के हजारों मंदिर ऐसी ही 'दुकानदारी' चला रहे हैं। दुकान खोलोगे, तो मिलावटी वस्तुएं भी आएंगी और उन्हें विक्रेता का धर्म निभाना पड़ेगा! अब तिरुपति प्रकरण के बाद मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन के भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों में भी जांच का मुद्दा उठाया गया है। वाराणसी के काशी-विश्वनाथ मंदिर में बंटने वाले प्रसाद की भी जांच की जाएगी। किसी मंदिर के बाहर नोटिस चिपकाया गया है कि भक्तगण अपने घरों से प्रसाद बनाकर लाएं और मंदिर में भगवान को भोग लगाएं। अथवा ड्राई फ्रूट्स प्रभु के चरणों में चढ़ाए जा सकते हैं। दरअसल बुनियादी मुद्दा और संकट मिलावट और बदनीयत का है। आखिर भक्तगण विशुद्ध दूध और घी कहां से लाएंगे? लिहाजा घर में बना प्रसाद भी 'अशुद्ध' और मिलावटी हो सकता है। यही नहीं, स्कूलों में बच्चों को जो 'दोपहर का खाना' दिया जाता है, वह भी मिलावटी, प्रदूषित होता रहा है, क्योंकि बच्चे वह खाना खाकर बीमार पड़ते रहे हैं। मौतें भी हुई हैं। उस खाने में भी छिपकली और सांप पाए जाते रहे हैं। यह कैसी व्यवस्था है? देश में पूजा-स्थलों और मंदिरों में लोगों की गहरी आस्था और विश्वास होता है। मंदिर के जरिए आम भक्त भगवान से साक्षात्कार महसूस करना चाहता है। अब आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आरोपों के जरिए यह मुद्दा बेपर्दा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को 'खलनायक' करार दिया जा रहा है। बेशक राज्य सरकार ने सभी पुराने ठेके, सप्लाई आदि को रद्द कर दिया है। विशेष जांच दल भी गठित कर दिया गया है, लेकिन अंततः यह सियासी खुन्नस का मामला भी साबित हो सकता है। इस मुद्दे पर सियासत शुरू हो चुकी है, जबकि बुनियादी मुद्दा मंदिरों में जाने वाले भक्त की आस्था और मिलावट के जरिए उसकी आत्मा को अपवित्र करने की हरकतों का है। अभी लड्डू प्रसादम् की वैज्ञानिक जांच सामने आनी है। देश की सबसे बड़ी और सार्थक प्रयोगशाला हैदराबाद में है, जबकि पूरी चिल्ल-पौं की आधार गुजरात की लैब की रपट है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने बहुराष्ट्रीय अध्ययन के संदर्भ में भारत के 17 शहरों से भी कुछ नमूने लिए। निष्कर्ष यह रहा कि 14 फीसदी नमूनों में उच्च स्तर की धातु मिलाई गई थी। बेशक दूध के क्षेत्र में सहकारिता आंदोलन ने विकास की बुलंदियां छुई हैं, लेकिन आधा से ज्यादा क्षेत्र अब भी असंगठित है। इसमें घी बनाने वाली इकाइयां भी हैं। संसद को यह बताया गया था कि 3 में से 2 भारतीय जो दूध का उपयोग करते हैं, उसमें डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा, यूरिया अथवा पेंट आदि मिले होते हैं। इतने व्यापक स्तर पर मिलावट को किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है। लड्डू प्रकरण के बाद जो भी जांच के दौर निभाए जाएं, लेकिन यही हमारी नियति रहेगी कि मिलावट ही 'अंतिम सत्य' है।

खाने की चीजों में इनसान की उंगली, छिपकली, सांप के टुकड़े पाए जाने की असंख्य घटनाएं सामने आती रही हैं। कानून तो है, लेकिन खाद्य निरीक्षकों की निगरानी और व्यवस्था गायब और लचर है। उनके अपने 'हफ्ते' या 'महीना' बंधे हैं। दूध में पानी या सोडा मिलाया जाता है, खोया भी मिलावटी और रासायनिक है, देशी घी के नाम पर हम 'बाबाओं' के दावों का अनुसरण करते हैं, लिहाजा भ्रम में जीते हैं कि हम विशुद्ध देशी घी खा रहे हैं। अब कुछ भी शुद्ध मिलना असंभव है, क्योंकि यह मोटे मुनाफे और मिलावट का 'कलियुग' है। आत्मा से हम बेईमान और भ्रष्ट हैं। मुनाफे और मिलावट के लिए कोई भी ठेकेदार भगवान तक को ठग सकता है। आस्था और श्रद्धा को खंडित और अपमानित कर सकते हैं।

रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में क्लास शुरू होते ही सुनाई देने लगता है

रैगिंग से छात्रों को मुक्ति कब?

डा. वरिंद्र भाटिया

रैगिंग की समस्या उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील, सामाजिक समस्या है, जिससे उच्च शिक्षा जगत को पूर्ण रूप से मुक्ति नहीं मिल पाई है। इस समय देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। आइए, छात्रों की शिक्षा संस्थानों में रैगिंग को लेकर कुछ खास बातों को जानें। एक शिक्षण संस्थान के किसी अन्य छात्र के खिलाफ एक छात्र द्वारा किए गए किसी भी शारीरिक, मौखिक या मानसिक दुव्र्यवहार को रैगिंग कहते हैं।

कुछ रोज पहले हिमाचल प्रदेश की एक निजी यूनिवर्सिटी में नए छात्रों की रैगिंग का मामला सामने आया। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि रैगिंग से पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे कमरे में बुलाया और फिर शराब पीने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। बाद में आरोपियों ने कमरा बंद कर सुबह तक उसके साथ मारपीट की। मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए वहां की सरकार ने शिक्षा सचिव को इसकी जांच के भी आदेश दिए हैं और जल्द रिपोर्ट देने को कहा है। रैगिंग की समस्या उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील, सामाजिक समस्या है, जिससे उच्च शिक्षा जगत को पूर्ण रूप से मुक्ति नहीं मिल पाई है। इस समय देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। आइए, छात्रों की शिक्षा संस्थानों में रैगिंग को लेकर कुछ खास बातों को जानें। एक शिक्षण संस्थान के किसी अन्य छात्र के खिलाफ एक छात्र द्वारा किए गए किसी भी शारीरिक, मौखिक या मानसिक दुव्र्यवहार को रैगिंग कहते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौनसा छात्र इसे करता है या किस छात्र के साथ यह दुव्र्यवहार किया जाता है। रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में क्लास शुरू होते ही सुनाई देने लगता है। दुनियाभर में हर साल लाखों स्टूडेंट्स को इसका सामना करना पड़ता है। रैगिंग को दुनिया में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इसको हेजिंग, फेगिंग, बुलिंग, प्लेजिंग और हॉर्स प्लेइंग के नामों से भी जाना जाता है। रैगिंग कई कारणों से हो सकती है, जैसे आपकी त्वचा, नस्ल, धर्म, जाति, प्रजातीयता, जेंडर, यौनिक रुझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीय मूल, आपकी बोली, जन्म स्थान, गृह स्थान या आर्थिक पृष्ठभूमि के कारण इसमें शामिल हैं। रैगिंग कई अलग-अलग रूप ले सकती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी अन्य छात्र को उसके काम करने के लिए धौंस दिखाता है या किसी छात्र को कॉलेज समारोह जैसी परिसर की गतिविधियों से बाहर रखा जाता है, तो उसे रैगिंग माना जाता है। मानसिक चोट, शारीरिक दुव्र्यवहार, भेदभाव, शैक्षणिक गतिविधि में व्यवधान आदि सहित छात्रों के खिलाफ रैगिंग के विभिन्न रूपों को कानून दंडित करता है। जहां तक रैगिंग के शुरू होने से जुड़े इतिहास का संबंध है, तो माना जाता है

कि 7 से 8वीं शताब्दी में ग्रीस के खेल समुदायों में नए खिलाडियों में स्पोट्र्स स्प्रिट जगाने के उद्देश्य से रैगिंग की शुरुआत हुई। इसमें जूनियर खिलाडियों को चिढ़ाया और अपमानित किया जाता था। यह कार्य समय के साथ-साथ बढ़ता गया और रैगिंग में बदलता गया। इसके बाद सेना में भी इसको अपनाया गया। खेल और सेना के बाद रैगिंग से शिक्षण संस्थान भी नहीं बचे और छात्रों ने इसको अपनाकर भयावह रूप दे दिया। धीरे-धीरे कॉलेजों में शैक्षणिक क्षेत्र में जगह बनाने के बाद रैगिंग हिंसक हो गई और इसके लिए बाकायदा ग्रुप बन गए। 18वीं शताब्दी के दौरान विश्वविद्यालयों में छात्र संगठन बनने लगे जिनमें विशेष रूप से यूरोपीय देश शामिल थे। इन संगठनों के नाम अल्फा, बीटा, कपा, एपिसिलोन, डेल्टा आदि जैसे ग्रीक अक्षरों के नाम पर रखे जाने लगे। भारत में रैगिंग की शुरुआत आजादी से पहले ही हो गई थी। इसकी शुरुआत अंग्रेजी मीडियम की शिक्षा से हुई। हालांकि भारत में रैगिंग का अलग तरीका था जिसमें सीनियर और जूनियर के बीच दोस्ती बढ़ाने के लिए हल्की-फुल्की रैगिंग की जाती थी। इसमें शालीनता का परिचय दिया जाता था। लेकिन 90 के दशक में भारत में रैगिंग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में रैगिंग पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही यूजीसी ने भी रैगिंग के खिलाफ सख्त नियम बनाए हैं। रैगिंग पर कुछ शिक्षण संस्थानों के अपने नियम हैं। उदाहरण के लिए, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के पास रैगिंग पर दिशा-निर्देशों की अपनी एक नियमावली है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में रैगिंग को प्रतिबंधित करने व रोकने के लिहाज से विभिन्न राज्यों ने कानून पारित किए हैं, जो केवल उन संबंधित राज्यों में ही लागू होते हैं। क्या सभी राज्यों मे सरकारों ने ऐसे कानून बनाए हैं? यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) ने 16 महीनों में रैगिंग की 90 फीसदी शिकायतों के निपटारे का दावा किया है। यूजीसी के मुताबिक, एक जनवरी 2023 से 28 अप्रैल 2024 तक अलग-अलग यूनिवर्सिटी और उच्च शिक्षा संस्थानों से छात्रों की 1240 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से 1113 (89.76 फीसदी) का निपटारा किया गया है। शिकायतों का निपटारा सिर्फ काफी नहीं होगा, कसूरवारों को सख्त सजा ज्यादा जरूरी होनी चाहिए। देश के सभी राज्यों में रैगिंग को लाकर जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करना चाहिए। सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को, छात्रों के प्रवेश के समय रैगिंग रोकने के उपाय करने चाहिए। इनमें से कुछ हैं: एक सार्वजनिक घोषणा (किसी भी प्रारूप में- प्रिंट, ऑडियो, विजुअल आदि) करें कि कॉलेज में रैगिंग पूरी तरह से निषिद्ध है, और जो कोई भी छात्रों की रैगिंग करता पाया जाएगा, उसे कानून के तहत दंडित किया जाएगा। प्रवेश की विवरणिका में रैगिंग के बारे में जानकारी दें। उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियमनों 2009 (यूजीसी गाइडलाइंस) को मुद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, जैसे कि प्रमुख, हॉस्टल वार्डन, आदि की जानकारी, साथ ही एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन का नंबर भी छपना चाहिए। आवेदन पत्र के साथ एक शपथ पत्र प्रदान करें। छात्रों और अभिभावकों के लिए ये हलफनामे में लिखा होना चाहिए कि छात्र और माता-पिता ने यूजीसी के दिशानिर्देशों को पढ़ा और समझा है, वे जानते हैं कि रैगिंग निषिद्ध है और आवेदक किसी भी तरह की रैगिंग में शामिल नहीं होगा, और ऐसे किसी भी व्यवहार में लिप्त पाए जाने पर वह सजा के लिए उत्तरदायी होगा या होगी। छात्रावास के लिए आवेदन करने पर आवेदक को अतिरिक्त शपथ पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे। एक दस्तावेज प्रदान करें जो आवेदक के सामाजिक व्यवहार पर रिपोर्ट करता है। इस तरह के दस्तावेज में किसी भी लिखित कदाचार का उल्लेख किया जाएगा और कॉलेज, आवेदक पर नजर रख सकता है। यह दस्तावेज आवेदन पत्र के साथ नत्थी होना चाहिए।

दृष्टि कोण

दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन

प्रमुख भारतीय राजनीतिक दार्शनिक दीनदयाल उपाध्याय ने 20वीं शताब्दी के मध्य में एकात्म मानव दर्शन के दृष्टिकोण को भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक मार्गदर्शक दर्शन के रूप में व्यक्त किया। भारतीय सभ्यता के मूल्यों में निहित, एकात्म मानव दर्शन विकास के लिए एक समग्र और समावेशी दृष्टिकोण के रूप में आध्यात्मिक कल्याण के साथ भौतिक प्रगति को संतुलित करने, सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ व्यक्तिगत अधिकारों और परंपरा के साथ आधुनिकता पर जोर देता है। एकात्म मानव दर्शन व्यक्तियों के व्यापक विकास पर जोर देता है, न केवल भौतिक कल्याण के संदर्भ में बल्कि आध्यात्मिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास के संदर्भ में भी यह तर्क देता है कि अकेले आर्थिक समृद्धि की खोज अपर्याप्त है। सच्चे विकास को आत्मपूर्ति, नैतिकता और सांस्कृतिक निरंतरता की गहरी मानवीय आवश्यकताओं पर विचार करना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, व्यक्ति और समाज के बीच एक अविभाज्य संबंध है। उन्होंने तर्क दिया कि एक व्यक्ति अलगाव में अपनी क्षमता का एहसास नहीं कर सकता है, बल्कि केवल समाज के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से ही अपनी क्षमता का एहसास कर सकता है। इसलिए व्यक्तियों और समाज का विकास एक साथ होना चाहिए, जहां सामाजिक कल्याण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता सामंजस्यपूर्ण रूप से सह-अस्तित्व में हों। एकात्म मानव दर्शन विकास के पश्चिमी मॉडल को चुनौती देता है जो आर्थिक विकास और उपभोक्तावाद को प्राथमिकता देते हैं। इसके बजाय, यह भौतिक समृद्धि और आध्यात्मिक मूल्यों के संश्लेषण का प्रस्ताव करता है। आर्थिक प्रणालियों को केवल धन संचय पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए, बल्कि एक ऐसे समाज की सुविधा प्रदान करनी चाहिए जहां लोग प्रकृति, संस्कृति और स्वयं के साथ सद्भाव में रहते हैं। दीनदयाल का दर्शन स्थानीय आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करते हुए सत्ता और शासन के विकेंद्रीकरण पर जोर देता है। उन्होंने ग्राम-स्तरीय प्रशासन, सहकारी खेती और लघु उद्योगों की वकालत की जो स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाते हैं, केंद्रीकृत प्राधिकरणों पर निर्भरता कम करते हैं और स्थायी प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं। शासन के लिए धर्म-केंद्रित दृष्टिकोण, एकात्म मानव दर्शन एक शासन मॉडल की कल्पना करता है जो धर्म का पालन करता है, जिसका अर्थ इस संदर्भ में नैतिकता और नैतिक ढांचा है जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कार्यों का मार्गदर्शन करता है। दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि नीतियों को नैतिक सिद्धांतों और सभी नागरिकों के कल्याण, न्याय, समानता और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति कर्तव्य को प्रतिबिंबित करना चाहिए। दीनदयाल ने स्वदेशी-आत्मनिर्भरता के सिद्धांत और स्वदेशी संसाधनों और उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि भारत का विकास अपनी स्थानीय परंपराओं और संसाधनों में निहित होना चाहिए, विदेशी वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम करना और एक मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिए। एकात्म मानवदर्शन एक ऐसे विकास मॉडल की वकालत करता है जो भारत की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी नवाचारों को गले लगाता है। उपाध्याय ने सांस्कृतिक जड़ता को सामाजिक सामंजस्य और राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण माना, एक संतुलित दृष्टिकोण की वकालत की जो सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि खोए बिना आधुनिकीकरण करता है। एकात्म मानवदर्शन पूंजीवाद और समाजवाद दोनों के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया, जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की अनूठी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपर्याप्त माना। उनका मानना था कि पूंजीवाद ने असमानता, उपभोक्तावाद और नैतिक पतन को जन्म दिया, जबकि समाजवाद के परिणामस्वरूप अक्सर राज्य नियंत्रण, स्वतंत्रता का दमन और आध्यात्मिक मूल्यों की उपेक्षा हुई। इसके विपरीत, एकात्म मानवदर्शन ने एक मध्य मार्ग का प्रस्ताव रखा जो भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में आधारित होने के साथ-साथ विभिन्न विचारधाराओं के सकारात्मक पहलुओं को एकीकृत करना चाहता है। पंडित दीनदयाल की दृष्टि समकालीन भारत में विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि देश आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय क्षरण, सामाजिक अशांति और सांस्कृतिक संघर्ष जैसे मुद्दों से जूझ रहा है। उनका दर्शन एक वैकल्पिक दर्शन प्रदान करता है जो समावेशी और सतत विकास, सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक लक्ष्यों को संतुलित करने और परंपरा तथा आधुनिकता के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने की वकालत करता है।

कुछ अलग

जहां बोलना जरूरी था

फर्ज कीजिये, जमीन दलाल गिरोह रांची बड़ा तालाब या कोई खास मैदान की रजिस्ट्री रातों रात करवाने का हर स्तर पर जुगाड़ पुख्ता कर ले, तो वह बिकेगा या नहीं? अगर हां, तो इसमें कौन लोग हो सकते हैं, जो हाथ डालेंगे। इसलिए कि यहां किस नेचर की जमीनें किन हैसियत और प्रभाव वाले के हाथों बिकती रही हैं, इससे सब वाकिफ हैं। सेना की जमीन बिकना एक उदाहरण भी है। 31 जुलाई को झारखंड हाईकोर्ट कोर्ट ने स्वतः संज्ञान से दर्ज एक मामले में सुनवाई करते हुए मौखिक तौर पर पूछा है कि रांची में 71 तालाब कहां गए? अदालत जल स्त्रोतों के संरक्षण और रांची के डैमों से अतिक्रमण हटाने के मामले में सुनवाई के साथ चिंता भी जाहिर कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अन्य मामले में कोर्ट ने यह भी पूछा है कि हरमू नदी के किनारे से अतिक्रमण हटाने के मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। नगर निगम और सरकारी मुलाजिम इस मामले में फाइलों पर तमाम जलेबी पारते रहें, लेकिन उन्हें पता है कि तालाब कहां गए। और रांची के पुराने लोग भी जानते हैं कि तालाब कहां गए। कैसे गए। अब वे तालाब किस रूप में हैं। रांची को ये भी पता है कि किस कदर और तेजी से सुनियोजित सांठगांठ ने शहर को कंक्रीट के जाल में, यूं कहें अंधाधुंध अपार्टमेंट और ऊंचे मकानों की कतार में कस कर रख दिया। 10-12 फीट की सडकों के किनारे छह-आठ मंजिला अपार्टमेंट कैसे बने। यह करप्शन के जद में नहीं आता है क्या? हर किसी को रांची में ठिकाना चाहिए। यही सच है ना। दो डिसमिल जमीन ही सही डैम, नदी से सटी हो या बीच में समायी, चलेगा। और पैसे वालों के लिए एक नहीं, दो नहीं, पांच-दस फ्लैट। गलियां संकीर्ण हो जाए, नालियां और नालों पर दीवारें खड़ी हो जाएं, धूप, हवा-पानी रूक जाए कोई फर्क नहीं अलबत्ता।। रांची शहर के अंदर और आसपास की उन पुरानी बस्तियों के साथ टोले, मोहल्ले का हाल देखिए, शहरीकरण की होड़ ने कैसे सब कुछ तहस- नहस कर दिया है। अब अगर कुछ है तो नये-नये नाम से फलाना नगर, फलाना विहार और फलाना पुरी। दो दिनों की भारी बारिश रांची के कई इलाके में खतरनाक तस्वीर लेकर सामने आई। सुर्खियां बनी। एनडीआरएफ की टीम को उतारना पड़ा। चार-पांच तल्ले अपार्टमेंट और घरों के सामने की सड़कों पर तीन-चार फीट बहता पानी। डरे- सहमे लोग। मुमकिन है कल-परसों मौसम सुधरेगा और थोड़ी सूरत भी बदलेगी। यानी वॉटर लॉगिंग कम होगा। लोग इस तबाही को भूल जाएंगे। लेकिन यह एक अलर्ट है। आने वाले समय में स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बारिश उफान पर हो, तो नदियां उसी दिशा में बहतीं हैं, जहां वो वजूद में थीं। मकान के ऊपर मकान, सामने दुकान, आंगन- ओसारा, नालियां सब खत्म। वैसे भी अब रांची गर्मियों में झुलसती है पानी के लिए तड़पती है। जिस रांची में हम और आप जीते-कमाते हैं उसे देते क्या हैं अथवा उसके लिए करते क्या हैं? आपके सवाल हो सकते हैं 'सिस्टम' क्या कर रहा है? "सिस्टम' तो अपना काम कर ही रहा है, कॉलर खड़ा कर। नाला, नदी, तालाब, डैम का कैचमेंट एरिया, गैरमजरूआ, खास, सिलिंग सब जब कथित तौर पर अवैध तरीके से खरीद-फरोख्त की भेंट चढ़ जाए, प्रभावी लोगों के लिए दनादन नक्शे पास होते जाएं, म्यूटेशन पक्के होते रहें, बाइक, खटारा मारूति वैन पर घूमने वाले प्रोपर्टी होल्डर, बिल्डर और बड़े कारोबारी बन जाएं और राजनेता, नौकरशाह जनता की सेवा की बजाय निवेशक/साझेदार बन जाएं, तो एक नजर में सब माजरा समझ में आ जाता है। कई निजी अस्पताल, मॉल, रेस्तरां और मार्केट कांप्लेक्स के सामने उनके कारोबारी ने नालियों पर पार्किंग की व्यवस्था कर रखी है। उनका प्रभाव चलता है। मजाल कोई हाथ डाले। जुमार, हरमू, स्वर्णरेखा समेत सारी नदियों का हाल देख लीजिए।

देश दुनिया से

चलेस सदस्यता और मैं गधा

आज हम उस दौर में जी रहे हैं जहां बंदा अपने आपका भी शुभचिंतक नहीं। उसको जब अपने से काम होता है तभी वह अपना शुभचिंतक होता है। ठीक भी है, बात बात पर खुद को खुद का शुभचिंतक बनाने में क्यों अपना बेकार का समय नष्ट करना। इसलिए जब जब जरूरत महसूस लगे किसी के कुछ देर पहले शुभचिंतक हो जाइए, और काम हो जाने के बाद चुपचाप आगे हो जाइए। जो किसी को छलना हो तो किसी का शुभचिंतक होने से बेहतर और कोई शस्त्र नहीं। किसी का शुभचिंतक होने पर किसी पर किया वार अमोघ होता है,' इस साहित्य संघ की सदस्यता ले लो। सबसे पहले तुम्हारे पास ही आया हूं। दिन-रात लिखते रहते हो, पर कहीं से एक ऑफ लाइन तो छोड़ो, ऑनलाइन पुरस्कार तक न छीन सके। बहुत दया आती है तुम्हारे लेखन पर। हाय! तुम्हारा बदनसीब लेखन! जिसे आज तक एक भी पुरस्कार के लायक नहीं समझा गया।

बीसियों लेखक संघों के आजीवन सदस्य वे कल मेरे साहित्यखाने में आए। दौलतखाना उनका होता है जिनके पास दौलत होती है। मेरे पास थोड़ा बहुत साहित्य है। इसलिए मेरा घर साहित्यखाना है। आते ही मेरी आंखों के आगे रसीद बुक से अपने पसीने से तर चेहरे को हवा देते मेरे शुभचिंतक हुए। जबकि सच यह है कि आज यहां किसी का कोई शुभचिंतक नहीं। इसलिए जब जब कोई आपका शुभचिंतक होने लगे तो बिन सोचे समझ लीजिए कि उसको या तो तुरंत आपसे कोई काम निकालना है या फिर निकट भविष्य में उसे लगता है उसे आपको यूज करना पड़ सकता है। बेकार में क्या पड़ी है किसी को किसी का शुभचिंतक होने की? आज हम उस दौर में जी रहे हैं जहां बंदा अपने आपका भी शुभचिंतक नहीं। उसको जब अपने से काम होता है तभी वह अपना शुभचिंतक होता है। ठीक भी है, बात बात पर खुद को खुद का शुभचिंतक बनाने में क्यों अपना बेकार का समय नष्ट करना। इसलिए जब जब जरूरत महसूस लगे किसी के कुछ देर पहले शुभचिंतक हो जाइए, और काम हो जाने के बाद चुपचाप आगे हो जाइए। जो किसी को छलना हो तो किसी का शुभचिंतक होने से बेहतर और कोई शस्त्र नहीं। किसी का शुभचिंतक होने पर किसी पर किया वार अमोघ होता है,' इस साहित्य संघ की सदस्यता ले लो। सबसे पहले तुम्हारे पास ही आया हूं। दिन-रात लिखते रहते हो, पर कहीं से एक ऑफ लाइन तो छोड़ो, ऑनलाइन पुरस्कार तक न छीन सके। बहुत दया आती है तुम्हारे लेखन पर। हाय! तुम्हारा बदनसीब लेखन! जिसे आज तक एक भी पुरस्कार के लायक नहीं समझा गया। पता नहीं तुम्हारा साहित्य मां सरस्वती से कैसी किस्मत लिखवा कर लाया है?' बीसियों लेखक संघों की सक्रिय सदस्यता वाले ने मेरा शुभचिंतक होते कहा तो मुझे अटपटा सा लगा। गधे से भी बंदों को काम हो सकता है, पर मुझसे किसी को क्या काम? इसलिए मेरे फायदे के बारे में कोई सोचेगा भी क्यों? कहीं किसी कवि गोष्ठी में तो नहीं जा रहे होंगे जनाब! और वहां मेरी कविता मुझसे उधार ले अपने नाम से पढने की सोची होगी? पर जब किसी गोष्ठी की जो अध्यक्षता कर रहा हो और उसके मुंह पर ही जब कोई मूर्धन्य उसी की रचना को मौलिक बता पढ़ जाए तो ऐसे में कविता उधार मांग मुझ जैसे दो धेले के कवि के आगे याचक होने का क्या औचित्य? मैं और आगे कुछ सोचता वे मेरे चेहरे पर आए पसीने को ठंडा करने के लिए रसीद बुक से मेरे चेहरे पर हवा करने बोले,' एक बात पूछना चाहता हूं? आखिर तुम लिखते किसके लिए हो? एक बार चलेस की सदस्यता लेकर देखो, तुम्हारे साहित्य के दिन तो नहीं, पर तुम्हारे दिन शर्तिया बहुरेंगे।' 'चलेस बोले तो??' 'चाटुकार लेखक संघ! आज का वक्त कोरी चाटुकारिता का नहीं, संवेदनशील चाटुकारिता का वक्त है। आज शरीफ से शरीफ में भी शरीफी भरी हो या न, पर उसमें चाटुकारिता कूट कूट कर भरी है। चाटुकारिता के दौर में जो चाटुकारी न करे, वह समझदार ही क्या? इस वक्त देश में अन्य चाटुकार संघों की तरह अखिल भारतीय स्तर पर चाटुकार लेखक संघ की स्थापना के प्रयास जोरों शोरों पर चल रहे हैं। इसका गठन राष्ट्रीय स्तर से लेकर मोहल्ला स्तर पर होना है। और मुझ कार्यकारी जिला प्रधान को इस साहित्यिक संघ का जिला स्तर पर सदस्य बनाने का जिम्मा सौंपा गया है। इसलिए मैं चाहता हूं कि... मानता हूं, आज हर साहित्यिक संघ विचारधारा से कम, चाटुकारिता से अधिक अटा पटा है। आज हर लेखक अपने में एक लेखक संघ है। मोहल्ले मोहल्ले कोई प्रलेस का सेप्टिक मेंबर है तो कोई गलेस का डिफेक्टिव मेंबर। मोहल्ले मोहल्ले कोई दलेस का सेप्टिक मेंबर है तो कोई गलेस का डिफेक्टिव मेंबर। मोहल्ले मोहल्ले कोई छलेस का सेप्टिक मेंबर है तो कोई जलेस का डिफेक्टिव मेंबर। मोहल्ले मोहल्ले कोई फलेस का सेप्टिक मेंबर है तो कोई कलेस का डिफेक्टिव मेंबर। मोहल्ले मोहल्ले कोई ओबेस का डिएक्टिव मेंबर है तो कोई डोबेस का डिफेक्टिव मेंबर। जेड श्रेणी तक के साहित्यकार में साहित्यकार लेटा हो या न, पर एक चाटुकार दुबककर जरूर लेटा होता है। वैसे भी जो आज चाटुकार है, केवल उसी का बेड़ा पार है। बाकि साहित्यकारों का साहित्य कचरा है, बेकार है, और वे उम्दा साहित्यकार होने के बाद भी साहित्य के चिड़िमार हैं।' 'कितना है सदस्यता का?' मैं बिन सोचे समझे उन्हें निपटाने के गैर इरादत इरादे से असली मुद्दे पर आया। क्योंकि जानता हूं कि हर संघ सदस्यों से नहीं, चंदे से चलता है। चंदा इक_I नहीं होगा तो उसके पदाधिकारी मौज कैसे करेंगे? 'तुम्हारा आजीवन सदस्यता चंदा मेरी ओर से। अब खुश!' बंधुओ! मुझे पता नहीं चल रहा कि उनकी इस सदाशयता के लिए प्रसन्न होऊं या... आपकी क्या राय होती जो आप मेरी जगह होते? प्लीज! बताने की कृपा करें निःसंकोच!

आप का नजरिया

शाहपुर में फोरलेन कोहराम

पठानकोट मंडी फोरलेन परियोजना के घाव लिए शाहपुर का बाजार उद्वेलित है तो इसलिए क्योंकि सर्वमान्य जवाब चाहिए। फिलहाल एक पूरा बसा बसाया बाजार कई पाटों में फंसा दिखाई दे रहा है, तो रोष के तर्क व्यापार के फर्ज से टकरा रहे हैं। फोरलेन की मापी गई जमीन उन निशानियों को मिटा रही, जिनके ऊपर आश्रित रोटी-रोजी का कुनबा बसर करता था, लेकिन यहां विस्थापन से मुश्किल प्रश्न आश्वासन का है या उस किंतु-परंतु का भी है जिसके आधार पर समाज, अथारिटी, सरकार व प्रशासन कभी सही व सहमत साबित नहीं हुए। पठानकोट से मंडी को निकले फोरलेन ने कई शहर और शहरों के बाजार बाइपास किए या फ्लाईओवर से गुजरते हुए व्यापार को बख्श दिया, लेकिन शाहपुर एक अलग उदाहरण बन रहा है, जहां बाजार के सीने से गुजर कर नई मंजिलें-नए मुकाम ढूंढे जा रहे हैं। ऐसे में जबकि फोरलेन के आगे-पीछे से संबंधित सर्वेक्षण हो चुके हैं और रास्ते के पत्थर, मीलपत्थर बन चुके हैं, आंदोलनरत व्यापारियों का सामान विचलित है। कम से कम फोरलेन की अंतिम परियोजना बता रही है कि फोरलेन बाहें फैलाए आ रहा है क्योंकि इसका हर चरण अब जुड़ चुका है। हैरानी यह कि जसूर, नगरोटा, पपरोला, बैजनाथ, जोगिंद्रनगर और हर छोटा-बड़ा कस्बा फोरलेन के कोहराम से बच गया, तो शाहपुर क्यों अपनी असमंजस का अवशेष बना। जाहिर है कुछ सहमतियों-असहमतियों के द्वंद्व में शाहपुर ने न बाइपास चुना और न ही फ्लाईओवर के लिए समय रहते हामी भरी, नतीजतन मौजूदा सर्वेक्षण के आधार पर बाजार और व्यापार को अपना महत्त्व खोना पड़ रहा है और नौबत अस्तित्व खोने तक पहुंच गई। बेशक मौजूदा विधायक ने फोरलेन के विस्तारित रास्ते पर खड़ी जनापत्तियों का साथ दिया है, लेकिन यह संघर्ष शाहपुर की बड़ी वकालत का है। सांसद डा. राजीव भारद्वाज और मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की वकालत में शाहपुर की दलीलें अगर सुनी जाती हैं, तो बात अलग है, वरना बाजार की मिलकीयत में अर्जियां बंटी हुई हैं। जिन्होंने बाजार से गुजरने की दलील में कभी दिल्ली फतह की थी, क्या बाजार का वह हिस्सा अब अपने तर्क बदलेगा या पूरी परियोजना के विकल्प नई निशानदेही करेंगे। जो भी हो, शाहपुर में आकर फोरलेन क्यों विध्वंस बन गया, यह सोचने-समझने व नई कार्रवाई को अमलीजामा पहनाने की कोशिश करने का दावा पेश कर रहा है। बहरहाल फोरलेन गगल एयरपोर्ट की पैमाइश को देखकर भी विश्राम कर रहा है। चंबी से कच्छियारी के बीच फोरलेन की एक हद एयरपोर्ट विस्तार की मीमांसा से नत्थी है, तो दूसरी ओर इसका मिलना मटौर-शिमला फोरलेन के दायरे में खड़ा है। बहरहाल शाहपुर आंदोलन का निष्कर्ष यह कि वहां गगल उजडने जैसा माहौल बन गया है। या तो नया शाहपुर अब एक नई खोज सरीखा होगा या फोरलेन की चौड़ाई में कई दुकानों के शटर हमेशा के लिए गिर जाएंगे। विधायक केवल सिंह पठानिया को संघर्ष में कूदने से भले ही शोहरत मिले, लेकिन यथार्थ की अंगुलियों में फंसे सर्वेक्षण को बदलने के लिए दिल्ली सरकार और नितिन गडकरी के दरबार में सही परिप्रेक्ष्य से यह मामला पेश करने की त्वरित जरूरत है।

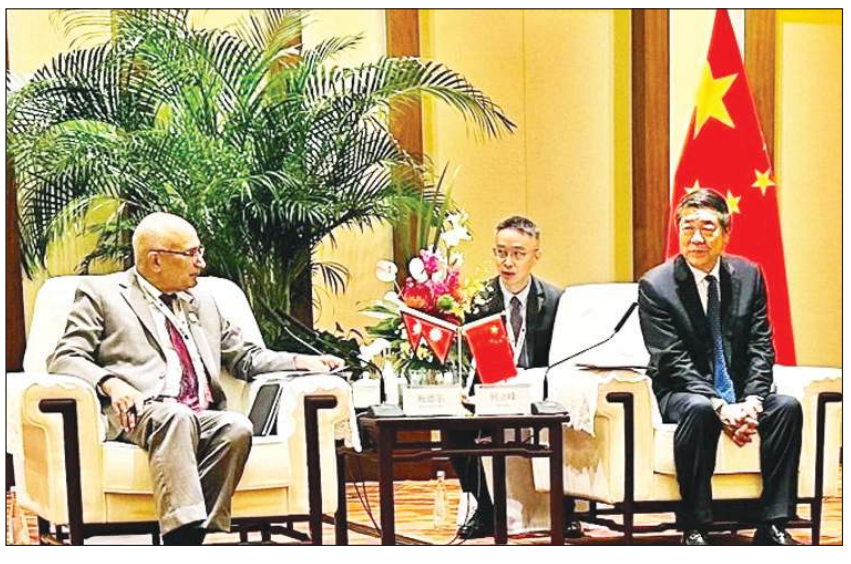

नेपाल सरकार ने चीन से फिर किया केरूंग-काठमांडू रेल बनाने का आग्रह

काठमांडू, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल की केपी ओली सरकार ने चीन से फिर एक बार नेपाल से जोड़ने वाली रेल सेवा विस्तार करने का आग्रह किया है। इस समय बीजिंग के दौरे पर गए नेपाल सरकार के उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने चीन सरकार के उपप्रधानमंत्री ही लाइफेंग के साथ बुधवार को हुई मुलाकात में काठमांडू-केरूंग रेल मार्ग निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

पिछले कुछ वर्षों से चीन की तरफ से ही इस रेल मार्ग का निर्माण करने के लिए नेपाल पर दबाब बनाया जा रहा था। चीन ने पहले भी ओली सरकार के समय ही चीन ने केरूंग काठमांडू रेल मार्ग की संभाव्यता अध्ययन के लिए समझौता किया था। नेपाल की पिछली सरकार विभिन्न कारणों से इस प्रोजेक्ट को टाल रही थी लेकिन अब एक बार फिर सत्ता में केपी शर्मा ओली की वापसी होते ही चीन की तरफ झुकाव बढ़ता दिख रहा है। बीजिंग में नेपाल के उपप्रधानमंत्री के साथ रहे वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता महेश भट्टराई ने बताया कि चीन की तरफ से इस संबंध में सकारात्मक जवाब मिला है। चीन पहले ही अपने खर्चे पर केरूंग-काठमांडू रेलमार्ग के लिए तैयार होने की जानकारी दी है।

दोनों देशों के उप प्रधानमंत्रियों के बीच हुई मुलाकात के दौरान नेपाल की तरफ से कई अन्य परियोजनाओं में सहयोग करने का आग्रह किया गया है। वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता भट्टराई ने कहा कि नेपाल के उपप्रधानमंत्री ने जिन परियोजना पर चीन से सहयोग मांगा गया है, उनमें काठमांडू के टोखा से छहरे तक टनल रोड का निर्माण शामिल है। इस टनल रोड के बनने से चीन और नेपाल के बीच सबसे नजदीक की सीमा को सीधे काठमांडू से जोड़ा जा सकता है। भट्टराई के मुताबिक हिल्सा-सुर्खेत-भूरिगांव राजमार्ग और किमंथांका-हिले राजमार्ग निर्माण का प्रस्ताव भी नेपाल की तरफ से किया गया है। इसी तरह नेपाल के कम्युनिस्ट नेता के नाम पर एक तकनीकी विश्वविद्यालय का निर्माण और प्रधानमंत्री ओली के निर्वाचन क्षेत्र में औद्योगिक पार्क के निर्माण का आग्रह भी किया गया है।

नेपाल और चीन के उपप्रधानमंत्री के बीच मुलाकात में नेपाल में चीन के बनाए गए दो नए अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर चीन के विभिन्न शहरों से सीधी उड़ान करने का आग्रह किया गया है।

पिछली बार जब केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री बने थे तो इन सभी योजनाओं पर चीन से मदद मांगी गई थी। इसके बाद शेर बहादुर देउवा और उसके बाद पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की सरकार के समय इन मुद्दों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। अब ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक बार फिर से इन सभी परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका का दोहरा चेहराः अब यूनुस को गले लगाकर कहा- हम बांग्लादेश का पूरा समर्थन करेंगे

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रही अमानवीयता के खिलाफ अमेरिका में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मांग की जा रही है कि अमेरिका इस मामले में हस्तक्षेप करे और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने का दबाव बनाए। इधर अमेरिका भारत को आश्वासन देता रहा है कि बांग्लादेश में हो रही अमानवीयता को अमेरिका बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके समाधान के लिए प्रयास करेगा। अमेरिका मोहम्मद यूनुस के साथ गलबहियां डालकर कह रहा है कि हम बांग्लादेश के साथ हैं। खबर है कि अब अमेरिका ने भी अंतरिम सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया है। हाल ही में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। खास बात है कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की साजिश के आरोप अमेरिका पर भी लग रहे हैं। 15 सितंबर को भी अमेरिका के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब आर्थिक विस्तार और राजनीतिक संबंधों को लेकर भरोसा दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुख्य सलाहकार के दफ्तर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि बाइडेन ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पूरा समर्थन देने की बात कही है। प्रेस नोट के मुताबिक, बाइडेन का कहना है कि अगर अपने देश के लिए छात्र इतना कुछ कुर्बान कर सकते हैं, तो उन्हें थोड़ी और मदद करनी चाहिए।

तुर्की के राष्ट्रपति ने पाक को झटका देते हुए कश्मीर मुद्दे से किया किनारा

जेनेवा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। संयुक्त राष्ट्र

महासभा की वार्षिक बैठक में अपने भाषण के दौरान एर्दोगान ने गाजा युद्ध पर जोरदार हमले किए लेकिन कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। 2019 के बाद यह पहली बार है जब एर्दोगान ने यूएन में कश्मीर के मुद्दे पर बात नहीं की। इससे पहले उन्होंने हर साल कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। एर्दोगान का यह रुख तब सामने आया है जब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर और वहां हो रहे चुनावों का मुद्दा उठाने की पूरी तैयारी की है। शरीफ न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं और वह अपना भाषण देंगे, जिसमें वे कश्मीर, इस्लामोफोबिया और फिलिस्तीन के मुद्दों पर बात करेंगे। पिछले साल भी पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया था, यह कहते हुए कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच शांति के लिए अहम है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 खत्म के बाद से पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन उसे वैश्विक समर्थन नहीं मिल पाया है। अब, एर्दोगान का कश्मीर पर चुप रहना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है। विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की के इस बदले हुए रुख के पीछे तुर्की की ब्रिक्स सदस्यता की महत्वाकांक्षा हो सकती है।

खुफिया एजेंसियों का अलर्ट : डोनाल्ड ट्रंप की हत्या कराकर अमेरिका में अराजकता फैलाना चाहता है ईरान

वाशिंगटन। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट करते हुए कहा है कि ईरान अमेरिका के खिलाफ बड़ा षड़यंत्र

रच रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या कराकर अराजकता फैलाना चाहता है। इसी प्लान के तहत ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हुए हैं,गनीमत रही उनकी जान बच गई। खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप को बताया कि वास्तव में आपकी जान को खतरा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां ट्रंप की सुरक्षा के प्रति अलर्ट हो गई हैं। 5 नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव है। चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस से है। डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमला हो चुके हैं। सबसे पहला हमला 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया के बटलर में हुआ था। यहां एक रैली के दौरान ट्रंप पर 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने फायरिंग की थी। एक गोली ट्रंप के कान को चीरते निकल गई थी। हालांकि बाद में सीक्रेट सर्विस ने आरोपी क्रुक्स को मार गिराया था। ट्रंप पर दूसरे हमले की कोशिश 15 सितंबर को हुई। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच पर ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब है। इसी क्लब के बाहर गोलीबारी की गई। ट्रंप गोलीबारी वाली जगह से कुछ सौ मीटर की दूरी पर मौजूद थे। इस मामले में 58 साल के रयान वेस्ले राउथ को बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया था।ट्रंप के अभियान संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय ने आगाह किया कि आपकी जान को खतरा है। ईरान इसकी साजिश रच रहा है। उसका मकसद इस हत्या से अमेरिका में अराजकता और अस्थिरता पैदा करने का है।

संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया में फैले तनाव और भारत में हुए चुनावों का किया जिक्र

संयुक्त राष्ट्र, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतिम भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने दुनिया के कई देशों में जारी तनाव को लेकर अपने विचार रखे।इसदौरानउन्होंने भारत समेत कई देशों में हुए चुनावों का भी जिक्र किया और तारीफ की। इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच जारी हमलों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि दुनिया को 07 अक्टूबर की भयावहता को भूलना नहीं चाहिए, इसे जिस देश ने भी अंजाम दिया हो, उसे अब सुनिश्चित करना होगा कि ऐसा दोबारा न हो। हिज्बुल्लाह बिना किसी उकसावे के इसमें शामिल होकर एक साल से इजराइल पर रॉकेट और मिसाइल दाग रहा है। इजराइल-लेबनान सीमा के दोनों तरफ बहुत से लोग विस्थापित हुए हैं। ये जंग किसी के हित में नहीं है। स्थिति और भी खराब हो गई है। कूटनीतिक समाधान ही एक एकमात्र विकल्प है। बाइडननेयहभीकहाकिहम आक्रामकता के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।साथहीउन्होंनेकहाकिजब दुनिया साथ मिलकर काम करती है तो हम कहीं अधिक मजबूत स्थिति में होते हैं।रूस-यूक्रेन के हमलों को लेकर उन्होंने कहा कि जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया, तो हम केवल विरोध करके खड़े हो सकते थे। औरअमेरिका और नाटो देश, 50 से ज्यादा देश, यूक्रेन के साथ खड़े हुए। उन्होंने कहाकि सबसे जरूरी बात ये थी कि यूक्रेनी लोग भी रूस के खिलाफ खड़े रहें। ये अच्छी खबर है कि पुतिन का युद्ध फेल हो गया। वहींअपनेभाषणकेदौरानबाइडननेचीनकोकड़ासंदेशभी दिया।उन्होंनेकहाकिवाशिंगटन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने गठबंधनों और साझेदारियों के नेटवर्क को मजबूत करना जारी रखेगा। बाइडन ने स्पष्ट किया कि ये गठबंधन और साझेदारियां किसी देश के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि अमेरिका चीन के साथ प्रतिस्पर्धा का जिम्मेदारी से प्रबंधन करना चाहता है। बाइडन नेआगे कहाकि हमें अपने सिद्धांतों को भी बनाए रखने की आवश्यकता है, क्योंकि हम चीन के साथ प्रतिस्पर्धा का जिम्मेदारी से प्रबंधन करना चाहते हैं, ताकि यह संघर्ष में न तब्दील हो जाए।उन्होंनेकहाकिवोइंडो पैसिफिक में गठबंधन और साझेदारों को मजबूत करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका को दुनिया की मदद से पीछे

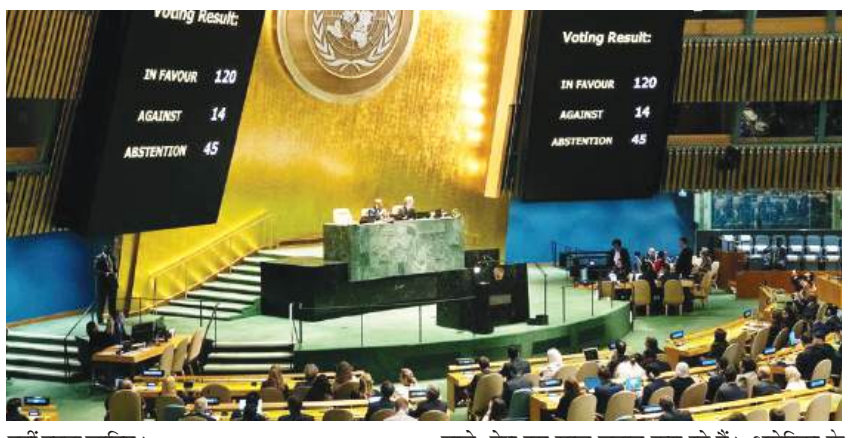

नहीं हटना चाहिए।

बाइडन ने भारत समेत तमाम देश में शांतिपूर्वक संपन्न हुए चुनावों की तारीफकरते हुए कहा कि हमने घाना से लेकर भारत और दक्षिण कोरिया तक दुनिया भर के लोगों को शांतिपूर्वक अपना भविष्य चुनते देखा है। विश्व की एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले देश इस साल चुनाव करा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में आखिरी बार संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में बाइडन ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि 1972 में अमेरिकी सीनेट के लिए पहली बार चुने जाने के बाद से यह लोगों की शक्ति ही है, जो भविष्य के बारे में मुझे अधिक आशावादी बनाती है।

जयशंकर ने अमेरिका में चीन को लताड़ा कहा-सीमा पर सेना की तैनाती बढ़ाकर समझौतों का उल्लंघन किया

न्यूयॉर्क। एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में एशिया सोसाइटी को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात को भी रेखांकित किया कि कैसे चीन ने कोविड महामारी के दौरान सीमा पर सेना की तैनाती बढ़ाकर पिछले समझौतों का उल्लंघन किया, जिसके परिणामस्वरूप सैनिकों में झड़पें हुईं और दोनों पक्षों को नुकसान हुआ। अमेरिका में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने चीन के साथ भारत के कठिन इतिहास को स्वीकार करते हुए कहा कि जब मैंने दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का 75 प्रतिशत हल होने की बात कही, तो वह केवल सैनिकों के पीछे हटने वाले हिस्से के बारे में थी। विदेश मंत्री ने कहा कि अभी दूसरे पहलुओं में चुनौती बनी हुई है। जयशंकर ने स्वीकार किया कि टकराव वाले बिंदुओं के अधिकांश हिस्सों को हल कर लिया है, लेकिन अभी तक चुनौतियां बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से सीमा पर गश्त के अधिकारों के संबंध में अभी संघर्ष बना हुआ है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि अगर चीन के साथ संबंधों को सुधारना है तो दोनों देशों को डी-एस्केलेशन के महत्व को समझना होगा।जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारा इतिहास मुश्किलों भरा रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि चीन के साथ हमारे स्पष्ट समझौतों के बावजूद, हमने कोविड के बीच में देखा कि चीन ने इन समझौतों का उल्लंघन करते हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बड़ी संख्या में सेना तैनात की। यह संभव था कि कोई दुर्घटना हो और ऐसा हुआ भी। इसलिए, झड़प हुई और दोनों तरफ से कई सैनिक मारे गए।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव 14 नवंबर को, राजनीतिक दल जुटे तैयारी में

कोलंबो, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रात को संसद भंग कर दी। इसके तत्काल बाद उन्होंने विशेष राजपत्र अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए। अधिसूचना के अनुसार, संसदीय चुनाव 14 नवंबर को होंगे। नामांकन प्रक्रिया चार अक्टूबर से शुरू होगी। नामांकन पत्र 11 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र 21 नवंबर को आहूत किया गया है। इसी के साथ सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। अब राष्ट्रपति दिसानायके अंतरिम कैबिनेट का गठन कर सकते हैं।इसमें वह खुद और चार मंत्री होंगे। कैबिनेट में 15 विभागों का बंटवारा किया जाएगा। राष्ट्रपति दिसानायके पर्यटन, रक्षा, वित्त, न्याय, उद्योग और निवेश संवर्धन विभागों को अपने पास रखेंगे। प्रधानमंत्री विदेश मामलों, शिक्षा और मास मीडिया के अलावा अन्य विभागों के मंत्री भी बनेंगे। एनपीपी सांसद डॉ. हरिनी अमरसूर्या को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी, जबकि वरिष्ठ सांसद विजिता हेराथ और सांसद लक्ष्मण निपुण अराच्ची को कई विभागों के साथ मंत्री नियुक्त किया जाएगा। निपुण अराच्ची ने कोलंबो निर्वाचन क्षेत्र के सांसद के रूप में शपथ ले चुके हैं। यह सीट दिसानायके के राष्ट्रपति बनने से रिक्त हुई थी।

जुड़वां भाइयों की जुड़वां बहनों से शादी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वर्जीनिया में एक परिवार रहता है जिसमें दो जुड़वा बहने थी। उन दोनों की शादी उसी शहर में रहने वाले अन्य परिवार के दो जुड़वा भाईयों से हुई। जुड़वा बहनों के नाम ब्रिटनी और ब्रियाना हैं। इन दोनों ने जिनसे प्यार किया, वह भी जुड़वा भाई थे। एक का नाम जोश और दूसरे का जेरेमी है। 2018 में इन दोनों जोड़ों की शादी हुई। यह वर्जीनिया में एक साथ रह रहे हैं। मां के पेट में एक साथ रहे। पूरा बचपन और युवावस्था एक साथ बिताई। एक साथ प्यार किया, अब पारिवारिक जीवन भी एक साथ बिता रहे हैं।

शेख हसीना के तीन करीबी नेताओं पर हत्या के दो और नए केस

ढाका, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और गिरफ्तार किए गए उनके करीबी सहयोगियों पर धड़ाधड़ नए मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निजी उद्योग मामलों के सलाहकार सलमान एफ रहमान और पूर्व आईसीटी राज्यमंत्री जुनैद अहमद पलक को दो और हत्या मामलों में गिरफ्तार किया गया। इन्हें पहले ही हत्या जैसे संगीन आरोपों में सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। खबर के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरफतुल रकीब की अदालत ने जांच अधिकारियों की तीनों को हत्या के नए मामलों में गिरफ्तार करने की अर्जी मंजूर कर ली। इसके अलावा पूर्व समाज कल्याणमंत्री दीपू मोनी को हत्या के तीन मामलों में गिरफ्तार करने की औपचारिकता पूरी की गई। एक समाचार चैनल के प्रधान संपादक मोजम्मल बाबू को एक हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया। हाल ही में हुए सामूहिक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों को लेकर सभी मामले बड्डा पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे। कड़ी सुरक्षा के बीच बाबू को ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरफतुल रकीब की अदालत में पेश किया गया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फितना अल-ख्वारिज का कमांडर ढेर

इस्लामाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात में सुरक्षाबलों ने एक दुर्दांत आतंकवादी को मार गिराया। एआरवाई न्यूज के अनुसार, आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और पुलिस ने लक्षित अभियान में फितना अल-ख्वारिज के कमांडर इनाम उर्फ सरह लुंबा को ढेर कर दिया।

खबर के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सीटीडी और खैबर पख्तूनख्वा पुलिस ने लक्की मरवात में एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में लुंबा को मारने में कामयाबी मिली। गोलीबारी के दौरान सेना ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया। मगर वह हाथ नहीं लगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सात सितंबर को सुरक्षा बलों ने खैबर-पख्तूनख्वा के मोहमंद जिले में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर हमले को विफल कर दिया था। इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, यह हमला आतंकवादी समूह फितना अल-खवारिज से जुड़े चार आत्मघाती हमलावरों ने किया था। कुछ समयपहले पिशिन जिले के सुरखाब शरणार्थी शिविर में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में पांच आतंकवादी मारे गए थे।

इस बीच इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस

(आईएसपीआर) ने कहा है कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल सैयद असीम मुनीर ने मंगलवार को अशांत दक्षिण वजीरिस्तान जिले के वाना पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के प्रभावी विकल्पों पर चर्चा की। मुनीर ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान सेना कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए), विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा पुलिस को उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करे।

चार चीनी नागरिकों को नेपाली नागरिकता देने के आरोप में चार सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

काठमांडू, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

नेपाली नागरिकों को देश का नागरिकता प्रमाण पत्र पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। अभी भी नेपाल में लाखों ऐसे लोग हैं, जिन्हें नागरिकता प्रमाण पत्र नहीं मिल पाया है। ऐसे में चीनी नागरिक को घर बैठे नेपाल की नागरिकता मिलने का खुलासा हुआ है।

चार लाख रुपये रिश्वत लेकर चीनी नागरिक को नेपाली नागरिकता देने के आरोप में चार सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।

इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब मंगलवार को काठमांडू पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे जुए के अड्डे से सात लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सात लोगों में से चार चीनी नागरिकों के पास से नेपाल का नागरिकता प्रमाण पत्र मिला। पुलिस को जब इन लोगों पर शंका हुई तो जांच को आगे बढ़ाया गया। पुलिस की जांच में मालूम चला कि यह चीन के नागरिक पिछले दो साल से अवैध रूप से नेपाल में रह रहे हैं। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी दान बहादुर कार्की ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार चीनी नागरिकों में वुई चूमलिंग, दसंग ली, सोनम तमांग और नर्बू समदेन हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें तमांग और समदेन दोनों ही तिब्बत के ल्हासा के रहने वाले हैं, जिन्हें टूटी-फूटी नेपाली भाषा बोलना आता है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इन सभी ने नेपाली नागरिकता हासिल करने के लिए चार-चार लाख रुपये रिश्वत दी है। इनको नेपाली नागरिकता का प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए जिला प्रशासन के दफ्तर भी जाने की जरूरत नहीं पड़ी और घर बैठे ही इनका बायो मैट्रिक करवा दिया गया था, जबकि नेपाल में नागरिकता हासिल करने के लिए आम लोगों को जिला प्रशासन के दफ्तर में जाना ही पड़ता है। प्रवक्ता ने बताया कि चीनी नागरिकों को नेपाली नागरिकता दिलाने के आरोप में सिंधुपालचोक जिला प्रशासन में कार्यरत मदन बहादुर तामाङ, रामेश्वर रिमाल, छिरिङ ढुन्डुप और छिरिङवाङ्दिन को गिरफ्तार किया है।

अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन चार चीनी नागरिकों के अलावा और कितने और लोगों को सिंधुपालचोक जिला प्रशासन से फर्जी रूप से नागरिकता का प्रमाण पत्र दिया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी सरकारी कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने यह भी बताया है कि पकड़े गए चीनी नागरिकों ने नेपाली नागरिकता हासिल करने के बाद अब पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदन किया हुआ है।

बेन स्टोक्स सफेद गेंद से वापसी के लिए तैयार मैकुलम ने इंग्लैंड में नए युग की शुरुआत की

नई दिल्ली , 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

इंग्लिश टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि अगर ब्रेंडन मैकुलम उन्हें इंग्लैंड की फिर से शुरू की गई व्हाइट-बॉल टीमों के लिए खेलने के लिए वापस आने के लिए कहते हैं, तो निश्चित रूप से उनकी हाँ होगी, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अभी तक ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है, क्योंकि उनका ध्यान अगले महीने पाकिस्तान के टेस्ट दौरे की अगुआई करने के लिए समय पर फ़िट होने पर है।

33 वर्षीय स्टोक्स ने 2019 में लॉर्ड्स और 2022 में मेलबर्न में इंग्लैंड की विश्व कप फाइनल जीत में से प्रत्येक में मैच जीतने वाली पारियाँ खेली थीं, लेकिन पिछले साल नवंबर में भारत में एकदिवसीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से उन्होंने व्हाइट-बॉल अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। हालाँकि, अगले प्रमुख आईसीसी इवेंट, चैंपियंस ट्रॉफी के साथ, जो फरवरी में तेज़ी से नज़दीक आ रहा है, इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में स्वीकार किया कि स्टोक्स और जो रूट दोनों पर विचार किया जा रहा है। स्टोक्स ने पहले 2022 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, क्योंकि उन्हें तेजी से बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में थकान महसूस हो रही थी, जबकि उन्होंने जून में हुए सबसे हालिया टी20 विश्व कप से भी खुद को अलग कर लिया था, ताकि वे अपने लंबे समय से चले आ रहे घुटने के ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट होने पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

अब, हालांकि, टेस्ट टीम में कप्तान-कोच की साझेदारी से मैकुलम के साथ स्टोक्स का रिश्ता अच्छी तरह से स्थापित हो गया है, उन्होंने कहा कि वह क्रॉस-फॉर्मेट वापसी के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब यह व्हाइट-बॉल टीम के सर्वोत्तम हित में हो, जिसने नई पीढ़ी की ओर रुख करना शुरू कर दिया है, जिनमें इस महीने के नए खिलाड़ी जैकब बेथेल भी शामिल हैं, जिनके बारे में स्टोक्स का मानना है कि वे सुपरस्टार बनने जा रहे हैं। चेस्टर-ले-स्ट्रीट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान स्टोक्स ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, व्हाइट-बॉल टीम के लिए यह अनुभव करने का एक शानदार अवसर है कि मैकुलम ने टेस्ट टीम में क्या लाया है। उन्होंने कहा, वह एक अविश्वसनीय कोच हैं जो पूरी प्रतिबद्धता के साथ बोलते हैं और यह अच्छी बात है कि अब तीनों टीमें एक ही संदेश और क्रिकेट खेलने के प्रति एक ही दर्शन के साथ खेल रही हैं। उन्होंने कहा, अगर मुझे कॉल आती है और मैकुलम कहते हैं, 'क्या आप आकर खेलना चाहते हैं?' तो जाहिर है, यह निश्चित रूप से हाँ होगा, लेकिन अगर मैं नहीं खेलता हूँ तो मैं बहुत निराश नहीं होने वाला हूँ, क्योंकि मैं बस बैठकर देख सकता हूँ कि बाकी सभी लोग मैदान पर जाकर धमाका कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईओए की कार्यकारी परिषद की बैठक 26 सितंबर को

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद की बैठक गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित आईओए भवन में होगी। बैठक में संगठन में पारदर्शिता और सुशासन के लिए जिस एजेंडे पर चर्चा की जाएगी, उसमें आईओए की लागत से अध्यक्ष के कमरे के उन्नयन के संबंध में पेरिस ओलंपिक में किए गए अनधिकृत खर्च शामिल हैं। इसमें पेरिस ओलंपिक के प्रायोजन विवरण और पेरिस में खेलों में किए गए अतिरिक्त खर्च के साथ-साथ आईओए के प्रतिनिधियों की कथित क्षमता में लोगों को विदेश यात्राओं पर ले जाने और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित अधिकारियों और प्रतिनिधिमंडलों की सूची पर भी चर्चा होगी। बैठक में जिन अन्य एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी, वे हैं -उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए अपनाई गई चयन प्रक्रिया और निर्वाचित पदों के लिए आईओए के चुनाव में उनकी भागीदारी के मुद्दे पर चर्चा। अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर कार्यकारी समिति के सदस्यों को जारी किए गए अवैध और धमकी भरे पत्रों पर चर्चा। संविधान के तहत अध्यक्ष की शक्तियों के दायरे पर चर्चा और विचार-विमर्श। अय्यर और अजय नारंग जैसे कुछ व्यक्तियों और अनधिकृत व्यक्तियों को अवैध रूप से पास जारी करने का मुद्दा। आईओए के नैतिक आयोग को अध्यक्ष के आचरण की रिपोर्ट करने की आवश्यकता। आईओए के आधिकारिक पत्राचारों के मीडिया में लीक होने की जांच शुरू करना। पेरिस ओलंपिक में विभिन्न लोगों को जारी किए गए मान्यता पत्रों की सूची को जानकारी में लाना, जिसमें विभिन्न पास और आमंत्रण शामिल हैं। स्की और स्नोबोर्ड की तदर्थ समिति के अवैध निर्माण का मामला और आईओए भवन में अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश।

कार्लोस अल्काराज ने सत्र के अंतिम एटीपी फाइनल्स में अपना स्थान सुरक्षित किया

नई दिल्ली। कार्लोस अल्काराज ने नवंबर में ट्यूरिन में होने वाले सत्र के अंतिम एटीपी फाइनल्स में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, इसी के साथ वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर और दो बार के चैंपियन अलेक्जेंडर जेवेरेव के साथ इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। 21 वर्षीय अल्काराज ने इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम की संख्या चार कर ली है, इससे पहले उन्होंने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था। स्पेन के तीसरे नंबर के खिलाड़ी, जिन्होंने इंडियन वेल्स का खिताब भी जीता है, ने लगातार तीसरे साल सीजन के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य रखेंगे। पेट की चोट के कारण उन्हें 2022 के संस्करण से बाहर होना पड़ा। पिछले साल के उपविजेता सिनर ने मॉन्ट्रियल क्वार्टर फाइनल में अपनी दौड़ के दौरान अगस्त में क्वालीफाई किया, जबकि 2018 और 2021 के चैंपियन जेवेरेव ने इस महीने यू.एस. ओपन के अंतिम आठ में जगह बनाकर अपना स्थान अर्जित किया।

डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में भाग लेंगी इगा स्विएटेक

वारसॉ। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक, जो व्यक्तिगत कारणों से सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से चूक गई थीं, डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में खेलेंगी, टेनिस खिलाड़ी के प्रबंधक ने मंगलवार को पोलिश मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में इसकी पुष्टि की। सितंबर की शुरुआत में, 23 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से 6-2, 6-4 से हार गई थी। फिर उन्होंने सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। स्विएटेक की पीआर और संचार प्रबंधक पाउला वोलेका ने मंगलवार को पोलिश मीडिया को बताया,अगला टूर्नामेंट जिसके लिए इगा ने पंजीकरण कराया है, वह वुहान में होने वाली प्रतियोगिता है। स्पेन के मलागा में बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट में स्विएटेक की भागीदारी के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इससे पहले स्विएटेक ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीए के हवाले से कहा था, व्यक्तिगत कारणों से, मुझे बीजिंग में चाइना ओपन से हटना पड़ रहा है। मैं बहुत दुखी हूँ क्योंकि मैंने वहाँ बहुत अच्छा समय बिताया था और पिछले साल जीता था। मैं वहाँ वापस जाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती थी।

भारत-जर्मनी द्विपक्षीय श्रृंखला से दिल्ली में हॉकी की भावना पुनर्जीवित होगी : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा कि यह श्रृंखला राजधानी में हॉकी की भावना को पुनर्जीवित करेगी। दो मैचों की श्रृंखला 23 और 24 अक्टूबर को प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेली जाएगी। यह श्रृंखला एक दशक के बाद राजधानी में पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी को चिह्नित करेगी, जिसका अंतिम मैच जनवरी 2014 में हॉकी विश्व लीग फाइनल - पुरुष राउंड 4 के दौरान खेला गया था।

आगामी श्रृंखला को लेकर हरमनप्रीत ने कहा, इतने सालों के बाद दिल्ली में घरेलू प्रशंसकों के सामने खेलना एक टीम के रूप में हमारे लिए वास्तव में विशेष है। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में बहुत सारे इतिहास और यादें हैं और यहां टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान होगा। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने की ऊर्जा बेजोड़ है, और मुझे पता है कि प्रशंसक हमारा समर्थन करने के लिए बड़ी संख्या में आएंगे।

उन्होंने आगे कहा, जर्मनी विश्व हॉकी में शीर्ष टीमों में से एक है, और उनके खिलाफ खेलना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होगी। यह हमारी तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आगे आने वाले प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए तैयार हैं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और यह श्रृंखला हमें एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने का अवसर देगी। दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी पर हरमनप्रीत ने कहा, दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच की मेजबानी किए हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है और हम इस खेल को राजधानी में वापस लाने के लिए उत्साहित हैं। यह श्रृंखला केवल दो टीमों के खेलने के बारे में नहीं है; यह दिल्ली में हॉकी की भावना को पुनर्जीवित करने के बारे में है। हमें उम्मीद है कि यह क्षेत्र के अधिक युवा खिलाड़ियों को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

विशेष रूप से, यह दो मैचों की श्रृंखला न केवल दिल्ली के लिए एक आकर्षण है, बल्कि देश भर में खेल को बढ़ावा देने के हॉकी इंडिया के दृष्टिकोण का भी हिस्सा है। हाल के वर्षों में, हॉकी इंडिया ने ओडिशा से आगे बढ़कर, जो हॉकी का केंद्र बन गया है, खेल को अन्य शहरों में लाने के लिए अपने प्रयासों का विस्तार किया है। पिछले साल, चेन्नई ने पुरुषों की एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की, जबकि रांची ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर दोनों का स्वागत किया।

इस नवंबर में, बिहार का एक शहर राजगीर आगामी महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जो भारत में हॉकी के बढ़ते पदचिह्न में एक और अध्याय जोड़ेगा। अब, जब अंतरराष्ट्रीय हॉकी दिल्ली में लौट रही है, तो हॉकी इंडिया यह सुनिश्चित कर रहा है कि खेल विभिन्न क्षेत्रों में भी फलता-फूलता रहे।

रियल मैड्रिड ने वापसी करते हुए अलावेस को हराया

मैड्रिड। रियल मैड्रिड को ला लीगा के सातवें दौर के मैचों में अलावेस के खिलाफ 3-2 से घरेलू जीत हासिल करने के लिए अंतिम समय में संघर्ष करना पड़ा। रियल मैड्रिड की मजबूत शुरुआती लाइन-अप को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि वे एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 3-0 से आगे थे, जिसने अगले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ खेलने के लिए अपने अधिकांश नियमित खिलाड़ियों को आराम दिया था। लुकास वाज़क्वेज़ ने विनीसियस जूनियर के अच्छे पुलबैक के बाद पहले मिनट में ही मैड्रिड को आगे कर दिया और किलियन एमबाप्पे के पांच मैचों में पांचवें गोल ने हाफटाइम से पांच मिनट पहले बढ़त को दोगुना कर दिया। रोड्रिगो ने अंतिम परिणाम के बारे में किसी भी तरह की शंका को समाप्त कर दिया, जब उन्होंने दूसरे हाफ में तीन मिनट के भीतर दाईं ओर से कट करके कम शॉट के साथ गोल किया। इसके बाद दोनों टीमों ने पोस्ट पर शॉट मारा, जिसके बाद 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ ने मेहमान टीम के लिए सांत्वना गोल किया, लेकिन जब एक मिनट बाद किके गार्सिया ने स्कोर 3-2 कर दिया, तो मैड्रिड को अचानक खेल के अंत में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जिसमें उनके प्रतिद्वंद्वी दो मौकों पर बराबरी के करीब पहुंच गए। चिडेरा एज़ुके ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले गोल करके सेविला को वलाडोलिड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से महत्वपूर्ण जीत दिलाई, जहां उन्हें अपनी जीत के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। नाइजीरियाई स्ट्राइकर ने पोस्ट के करीब से शॉट लगाकर मैच का फैसला किया। सेविला ने पहले हाफ के आखिरी मिनट में बढ़त हासिल की, जिसमें कोई भी टीम वास्तव में लक्ष्य पर शॉट नहीं लगा पाई, इसके बाद डोडी ल्यूकेबाकियो का शॉट डेविड टोरेस की गेंद पर वलाडोलिड के गोल में जाकर लगा। सेविला ने पहले 45 मिनट में दबदबा बनाए रखा, जिसमें उसने अपने एक प्रतिद्वंद्वी को 13 शॉट दिए, जिससे दोनों टीमों के आक्रमण में प्रभावशीलता की कमी उजागर हुई।

ईसीबी महिला घरेलू खिलाड़ियों को 2025 से मूल वेतन समानता प्रदान करेगा

लंदन, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने लैंगिक समानता की दिशा में एक और कदम उठाया है, जिसके तहत 2025 से घरेलू क्रिकेट में न्यूनतम शुरुआती वेतन पुरुषों और महिलाओं के पेशेवर खेलों में समान कर दिया जाएगा।

यह कदम, जो नई महिला काउंटी प्रतियोगिता के पहले सत्र के साथ मेल खाएगा और सीनियर प्रो स्तर पर उन खिलाड़ियों के लिए लागू होगा, जिन्होंने खुद को पहली टीमों में स्थापित किया है। यह घोषणा जून 2023 में क्रिकेट में समानता के लिए स्वतंत्र आयोग (आईसीइसी) की रिपोर्ट के मद्देनजर की गई है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स में महिला क्रिकेट के वेतन ढांचे में मौलिक बदलाव की बात कही गई थी। रिपोर्ट में पाया गया कि इंग्लैंड की महिलाओं का औसत वेतन उनके पुरुष समकक्षों का 20.6 प्रतिशत था (हालाँकि ईसीबी ने उस आँकड़ों को 30 प्रतिशत के करीब माना था), और 2029 तक घरेलू स्तर पर और 2030 तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वेतन को समान करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

हालाँकि ईसीबी ने खेल में पूर्ण समानता प्राप्त करने के लिए रिपोर्ट की समय-सीमा पर जोर दिया, लेकिन न्यूनतम वेतन के लिए उनकी प्रतिबद्धता क्रिकेट को करियर विकल्प के रूप में मानने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए अवसर की समानता प्रदान करने की आवश्यकता को दर्शाती है। रिपोर्ट के प्रकाशन के समय, पुरुष प्रथम श्रेणी के काउंटी खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम वेतन 27,500 पाउंड के आसपास था। महिला पेशेवर खेल की निदेशक बेथ बैरेट-वाइल्ड ने कहा, हमारे पुरुष और महिला पेशेवर घरेलू खेल में शुरुआती वेतन को समान करना इंग्लैंड और वेल्स में महिला क्रिकेट के लिए एक और सकारात्मक कदम है। पिछले नौ महीनों में हमने महिला घरेलू क्रिकेट की संरचना में जो बदलाव किए हैं, वे एक टिकाऊ और व्यवहार्य उत्पाद बनाने के बारे में हैं जो मैदान के बाहर आकर्षक हो, साथ ही मैदान पर भी गुणवत्तापूर्ण हो।

इसके हिस्से के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे खिलाड़ियों को उचित पारिश्रमिक दिया जाए, और क्रिकेट को महिलाओं के लिए न केवल एक व्यवहार्य कैरियर विकल्प के रूप में देखा जाए, बल्कि एक आकर्षक विकल्प के रूप में भी देखा जाए। उन्होंने कहा, हम जो भी निर्णय लेते हैं, वह क्रिकेट को युवा लड़कियों के लिए लड़कों की तरह ही आकर्षक खेल बनाने के बारे में होता है। हम जानते हैं कि हमें इस क्षेत्र में अभी भी बहुत काम करना है।

लेकिन हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, और आज की खबर खेल में लैंगिक समानता की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण आधारशिला है।

वुगर गाशिमोव मेमोरियल 2024: अरविंद चिदंबरम ने ली विदित गुजराती की जगह

नई दिल्ली , 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

अजरबैजान में 25 से 30 सितंबर तक होने वाले 10वें वुगर गाशिमोव मेमोरियल शतरंज सुपर टूर्नामेंट में विदित गुजराती की जगह अरविंद चिदंबरम को शामिल किया जाएगा।

विदित पिछले साल हमवतन अर्जुन एरिगैसी से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद गत विजेता हैं, उनकेर 22 अंक थे, जबकि अर्जुन के 21.5 अंक थे। वे भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे, जिसमें डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन शामिल थे, जिसने ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण जीता था।

चेसबेस इंडिया के अनुसार, 29 वर्षीय यह खिलाड़ी बाकू पहुंचे, लेकिन फिर उन्हें भारत वापस जाना पड़ा क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना था। अरविंद गशिमोव टूर्नामेंट के इस संस्करण में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय होंगे, जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों में खेलने वाले 10 खिलाड़ी शामिल होंगे।

यह टूर्नामेंट अज़रबैजान के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी, यूरोपीय चैंपियन और अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर वुगर गशिमोव की याद में खेला जाता है। इसका आयोजन वुगर गशिमोव फाउंडेशन, युवा और खेल मंत्रालय और अज़रबैजान शतरंज संघ द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय स्टैंड-अप पैडल बोर्डिंग चैंपियनशिप 2024 के लिए दर्ज हुई रिकॉर्ड भागीदारी

रामेश्वरम, 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

पाल्कबे एसयूपी चैलेंज, राष्ट्रीय स्टैंड-अप पैडल बोर्डिंग चैंपियनशिप, ने 120 से अधिक पंजीकरण के साथ एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो इस इवेंट के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक भागीदारी है।

राष्ट्रीय एसयूपी चैंपियनशिप का आयोजन 28 और 29 सितंबर को पाल्कबे, रामेश्वरम के सुंदर पिरप्पनवलसी बीच पर किया जाएगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 9 राज्यों से 120 से अधिक एथलीट्स स्प्रिंट (200 मीटर), टेक्निकल (4 किलोमीटर) और डिस्टेंस (12 किलोमीटर) श्रेणियों में, पुरुष, महिला, ग्रोम्स (-16), डिफेंस और ओपन पांच डिवीजनों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इस इवेंट का आयोजन क्रेस्ट एकेडमी द्वारा सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में किया जाएगा जिसे तमिलनाडु सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा समर्थित किया गया है, जो तमिलनाडु स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी (एसडीएटी) से संबंधित है।

तमिलनाडु के मौजूदा चैंपियन सेकर पचाई, जिन्होंने पुरुषों की श्रेणी में टेक्निकल और डिस्टेंस खिताब जीते थे, और मोनिका पुगझरासु, जिन्होंने स्प्रिंट और डिस्टेंस खिताब जीते थे, अपने खिताब की रक्षा के लिए वापसी करेंगे। मौजूदा स्प्रिंट चैंपियन एम मणिकंदन, सेकर के अन्य दो खिताबों को चुनौती देने की कोशिश करेंगे, जबकि पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन तन्वी जगदीश अपने खिताब को मोनिका से वापस जीतना चाहेंगी। अन्य होनहार स्टैंड-अप पैडलर्स, मुथु कुट्टी, अजित गोविंद और राजा पांडियन पुरुषों की श्रेणी में जबकि आनंदी आरती, यामिनी कन्नन और विजयलक्ष्मी इरुलप्पन महिलाओं की श्रेणी में कड़ी प्रतिस्पर्धा देंगे, साथ ही नए स्टैंड-अप पैडलर्स भी चुनौती पेश करेंगे। ग्रोम्स (-16) श्रेणी में अकाश पुजार, कालिदास और मुथुकुमार पे सभी की नज़रे होंगी।

सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, अरुण वासु ने कहा, सर्फिंग और स्टैंड-अप पैडल बोर्डिंग भारत को वैश्विक मंच पर, विशेषकर ओलंपिक में, पदक हासिल करने का एक रास्ता प्रदान करते हैं। उन्होंने मालदीव में एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में भारत की हालिया सफलता का भी उल्लेख करते हुए कहा, मालदीव में एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में हमारे एथलीटों के प्रदर्शन के चलते हमने आगामी एशियाई खेलों के लिए दो स्थान सुरक्षित किए हैं।

पीवी सिंधु के सलाहकार कोच बने दक्षिण कोरिया के ली ह्यून इल

नई दिल्ली , 25 सितंबर (एजेंसियां) ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु दक्षिण कोरिया के महान खिलाड़ी ली ह्युन इल को अंतरिम आधार पर अपना सलाहकार कोच बनाएंगी।

यह कदम हाल ही में सिंधु के अंतरिम कोच के रूप में अनूप श्रीधर की नियुक्ति के बाद उठाया गया है। दोनों दिसंबर 2024 तक सिंधु की कोचिंग टीम में रहेंगे। उस समय तक स्थायी कोचिंग टीम पर निर्णय होने की उम्मीद है। सिंधु के अक्टूबर में फिनलैंड ओपन और डेनमार्क ओपन में प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौटने की उम्मीद है। पूर्व विश्व नंबर 1 और प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के दौरान सिंधु के साथी ह्यून इल, विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव और सावधानीपूर्वक तैयारी के लिए प्रतिष्ठा लेकर आए हैं। वह 2006 की विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य पदक विजेता हैं और उनके नाम 2002 और 2014 में दो एशियाई खेलों के टीम स्वर्ण पदक हैं। श्रीधर के साथ उनके शामिल होने का उद्देश्य एक गतिशील कोचिंग जोड़ी बनाना था, जिसमें अनुभव, सामरिक सटीकता और खेल के गहन ज्ञान का मिश्रण हो। दोनों कोच सिंधु की तैयारी में मदद करेंगे क्योंकि वह ओलंपिक के बाद के अभियान की शुरुआत कर रही हैं और आगामी यूरोपीय सर्किट के लिए अपने खेल को बेहतर बनाना चाहती हैं।

सिंधु ने कहा, मैं इस महत्वपूर्ण अवधि में अनूप और ली ह्यून इल को अपनी टीम में शामिल करके रोमांचित हूं। भारतीय बैडमिंटन के बारे में अनूप की समझ और उनके रणनीतिक दृष्टिकोण ने मुझे हमेशा प्रभावित किया है और मैं उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। सिंधु ने कहा, ली को उनकी सावधानीपूर्वक तैयारी और शानदार अनुभव के साथ शामिल करना एक सम्मान की बात है। मैंने हमेशा उनके विवरण पर ध्यान देने का सम्मान किया है और मैं इन अगले कुछ महीनों के दौरान उनसे सीखने के लिए उत्सुक हूं।

सिंधु की कोचिंग टीम में शामिल होने पर, ह्यून इल ने कहा, पीवी सिंधु के साथ काम करना एक आसान निर्णय था। पीबीएल में हमारी पिछली साझेदारी ने उनके दृढ़ संकल्प और असाधारण प्रतिभा को उजागर किया। मैं आगामी टूर्नामेंटों में उनके विकास और सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।

नई कोचिंग टीम नियुक्त करने का निर्णय कोच अगुस द्वी सैंटोसो का भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद लिया गया। अपनी यात्रा करने वाली टीम को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता को समझते हुए, सिंधु एक ऐसे कोच की तलाश कर रही हैं जो उनके साथ सक्रिय रूप से अभ्यास कर सके और उनके दैनिक प्रशिक्षण में योगदान दे सके।

सिंधु ने अपनी बैडमिंटन यात्रा में सैंटोसो के योगदान को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, मैं कोच अगुस की ओलंपिक के लिए मुझे तैयार करने में किए गए सभी प्रयासों के लिए वास्तव में उनकी सराहना करती हूँ। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने मुझे चोट से उबरने और प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह सिर्फ एक कोच से कहीं बढ़कर बन गए; वह एक दोस्त और मार्गदर्शक बन गए। मुझे उनके साथ सुबह-सुबह के प्रशिक्षण सत्र याद आएंगे और मैं हमेशा उनका सम्मान करूंगी।

मुझे वह विशिष्ट इंडोनेशियाई ऊर्जा भी बहुत याद आएगी जिसने तीन घंटे के प्रशिक्षण सत्रों को और अधिक मजेदार बना दिया, साथ ही मैचों के बाद हमारी बातचीत भी। कोई भी एथलीट जो उनके साथ काम करता है, वह भाग्यशाली होगा कि उसे ऐसा समर्पित कोच मिला।

सिडनी में व्यापार संवर्धन कार्यालय खोलेगा भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,25 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में व्यापार संवर्धन के लिए एक कार्यालय खोलने की घोषणा की है। इस कार्यालय में इनवेस्ट इंडिया, एनआईसीडीसी, ईसीजीसी, व्यापार एवं पर्यटन से जुड़े अन्य अधिकारियों के साथ-साथ सीआईआई के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। गोयल ने कहा कि मेक इन इंडिया को शानदार सफलता मिली है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री महामहिम डॉन फैरेल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ये कार्यालय दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच सेतु का काम करेंगे। गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार, निवेश, पर्यटन और प्रौद्योगिकी में साझेदारी को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

गोयल ने कहा कि भारत आज 'मेक इन इंडिया' के 10 साल पूरा होने का जश्न मना रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए संपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किया है। इसमें बुनियादी ढांचे के लिए 'प्लग एंड प्ले', अनुमोदन के लिए एकल खिड़की प्रणाली, अनुपालन बोझ को कम करने, कानूनों को अपराधमुक्त करने, नए क्षेत्रों में एफडीआई खोलने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के प्रावधान प्रदान किए गए हैं, जो भारत में विनिर्माण को आकर्षित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम और ऑस्ट्रेलिया के मेक इन ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम के बीच प्रौद्योगिकियों, अवसरों का आदान-प्रदान करने और व्यवसायों को एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करने की बहुत संभावनाएं हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, निवेश, पर्यटन, महत्वपूर्ण खनिजों और स्थिरता के लिए हरित पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोग बढ़ाना ऐसे क्षेत्र हैं, जहां साझेदारी में कई महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि पहली बार ऑस्ट्रेलिया में सीआईआई और फिक्की दोनों के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व किया गया, जो साझेदारी के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मई 2022 से वरिष्ठ नेताओं की 9 व्यक्तिगत बैठकों के साथ दोनों देशों के बीच अभूतपूर्व संबंध नेताओं के बीच गहरे संबंधों को दर्शाते हैं, जो व्यापार-व्यवसाय और लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ाते हैं।

गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) के माध्यम से आर्थिक-सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईसीटीए समझौते के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों को बाजार तक पहुंच मिली है। इसके परिणामस्वरूप व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इससे पहले गोयल ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग की बैठक के दौरान दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पीटर मालिनौस्कास से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि मालिनौस्कास से मिलकर बहुत खुशी हुई। गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने हमारी पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है, हमने प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे हीरे की कमी से डायमंड इंडस्ट्री परेशान, कीमत में जोरदार तेजी की आशंका

नई दिल्ली। ज्वेलरी पहनने के शौकीन लोगों को अब अपने शौक को सीमित करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। वैश्विक तेजी के कारण सोना और चांदी की कीमत फिलहाल ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंची हुई है। अब हीरे की कीमत में भी जोरदार तेजी आने की आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कच्चे हीरे की कीमत में करीब 40 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। ऐसा होने पर फिनिश्ड हीरे और हीरे से बने जेवरात की कीमत में भी जोरदार उछाल सकता है। आपको बता दें कि दुनिया भर में फिलहाल हर साल 80 से 85 लाख कैरेट कच्चे हीरे की मांग है। लेकिन सप्लाई के मोर्चे पर फिलहाल 70 से 72 लाख कैरेट कच्चे हीरे की ही उपलब्धता हो पा रही है। ऐसी स्थिति में पिछले 6 महीने में ही कच्चे हीरे की कीमत में 35 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है। माना जा रहा है कि पिछले 20 से 25 सालों के दौरान कच्चे हीरो के दोहन में काफी तेजी आई है, जिसकी वजह से जिन खदानों से पहले हीरे निकाले जाते थे, वहां से ज्यादातर हीरे निकाले जा चुके हैं। अब इन खदानों से हीरा निकाले में अधिक मेहनत और पैसा दोनों लग रहा है। फिलहाल जिम्बाब्वे में दुनिया का सबसे बड़ा हीरे का भंडार बचा हुआ है। ऐसा भी सिर्फ इसलिए है, क्योंकि वर्ल्ड डायमंड काउंसिल की पाबंदी की वजह से जिम्बाब्वे के हीरे को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने पर रोक लगी रही। एक अनुमान के मुताबिक जिम्बाब्वे में हीरे का इतना बड़ा भंडार मौजूद है कि वहां की खदानों से सालाना 15 लाख कैरेट कच्चा हीरा मिल सकता है। कच्चे हीरे की सप्लाई में कमी होने से भारत जैसे देश में भी संकट की स्थिति बन सकती है। हीरे की कटिंग के मामले में भारत दुनिया भर में सबसे ऊंचा स्थान रखता है। सूरत में दुनिया भर में सबसे अधिक हीरे की कटिंग का काम होता है।

केंद्रीय मंत्री ने की घोषणा, यूपी में जल्द लगेगा सेमीकंडक्टर प्लांट

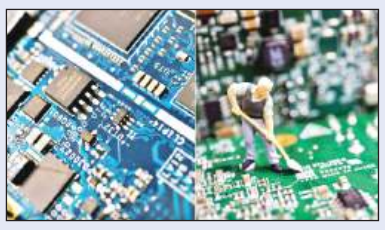

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। राज्य ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। यह जानकारी उन्होंने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के शिखर सम्मेलन में दी। केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के शीर्ष राज्यों में से एक होगा, जो सेमीकंडक्टर उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इसे भारत का ग्रोथ इंजन माना जाएगा। मंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर संयंत्र पर जल्द काम शुरू किया जाएगा और यह राज्य उन गिन-चुने स्थानों में शामिल होगा, जहां सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां स्थापित होंगी। भारत और अमेरिका ने हाल ही में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे भारत में इस उद्योग का विकास होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ चिप निर्माण के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो टेक्नोलॉजी के विकास और उसके उपयोग पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर भारत को डिजिटल इंडिया बनाने के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए काफी अहम है। सरकार की योजना है कि टेक्नोलॉजी का फायदा दूर-दराज के गांवों तक पहुंचे, जिससे डिजिटल डिवाइड कम हो सके।

एयरटेल फर्जी कॉल पर रोक लगाने एआई-सक्षम प्रौद्योगिकी लागू करेगा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने फर्जी कॉल व संदेशों पर रोक लगाने के लिए अपने नेटवर्क

पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकी लागू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस प्रौद्योगिकी की शुरुआत 26 सितंबर की मध्यरात्रि से की जाएगी, जो उपयोगकर्ताओं को संभावित फर्जी (स्पैम) कॉल व संदेशों के बारे में सचेत करेगी। अधिकारी ने कहा कि ऐसे कई संकेतक हैं जिनके आधार पर हमने ये फर्जी गिरोह चलाने वालों की पहचान की है। हमने एआई से लैस 'स्पैम डिटेक्शन' समाधान विकसित किया है। यह दो मिलीसेकंड में कॉल का विश्लेषण करता है और डायलर पर उपयोगकर्ताओं को सचेत करता है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा एयरटेल के सभी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए निःशुल्क होगी। विट्टल ने बताया कि यह प्रौद्योगिकी स्वयं 'कॉल' को ब्लॉक नहीं करेगी, बल्कि उसे ब्लॉक करने का निर्णय उपयोगकर्ता को लेना होगा, क्योंकि कभी-कभी वास्तविक कॉल भी फर्जी कॉल के तौर पर प्रदर्शित हो जाती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस ने ...

कांग्रेस को वोट देना यानी हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है।

पीएम मोदी ने कहा कि आरक्षण का विरोध कांग्रेस के डीएनए में हैं। इसलिए हम देखते हैं कि कांग्रेस के शाही परिवार की चौथी पीढ़ी भी आरक्षण का विरोध कर रही है। इसलिए आपको सावधान रहना है। भाजपा ने वंचित और पिछड़े समाज को हरियाणा में यहां आगे बढ़ाया है। हमारे ओबीसी वर्ग से आने वाले नायब सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। नायब सैनी एक किसान-मजदूर का बेटा है। इनके दरवाजे लोगों के लिए चौबीस घंटों के लिए खुले रहते हैं। कांग्रेस सरकार अस्थिरता के लिए भी जानी जाती है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, शोषितों के साथ भी धोखा किया है। आजकल कांग्रेस के भीतर सिर-फुटौव्वल हो रही है, ये पुराने पापों का ही परिणाम है। 2014 में जब हुड्डा जी यहां सीएम हुआ करते थे, तब ऐसा कोई साल नहीं था जब दलितों के साथ अन्याय नहीं हुआ। अनेक दलितों के साथ अन्याय हुआ। हर कोई जानता था कि दलितों के खिलाफ कांग्रेस खाद-पानी देती है। आज हरियाणा का दलित समाज एक बार फिर हरियाणा के अंदर कांग्रेस का जो ड्रामा चल रहा है उसे देख रहा है। कांग्रेस ने हमेशा ही गरीब और पिछड़ों को विकास से बाहर रखा है। जब-जब कांग्रेस सरकार से दूर रही है तब-तब गरीबों को उनका हक मिला है, जब-जब कांग्रेस की सरकार रही है गरीबों और दलितों का हक छीना गया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इनके साथियों को जम्मू कश्मीर में शांति पसंद नहीं हैं। कांग्रेस फिर से धारा 370 वापस लाना चाहती है। आतंक और अलगाववाद को फिर से हवा देना चाहती है। ऐसी कांग्रेस को आप हरियाणा के लोग सबक सिखाएंगे, ये मुझे पूरा भरोसा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा भारत की मेडल फैक्ट्री भी है। पेरिस ओलिंपिक में कई मेडल हरियाणा आए हैं। वह हरियाणा के ही हैं। 2038 में हम कोशिश कर रहे हैं कि पेरिस ओलिंपिक भारत में हों। हरियाणा भाजपा ने घोषणा की है कि हर जिले में ओलिंपिक खेलों की नर्सरी बनाएंगे। हरियाणा के बेटे और बेटियां दुनिया भर में जाकर मेडल लाए। उनकी मदद भाजपा सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि मोहन लाल बड़ौली के रहते यहां के विकास की गति तेज होना तय है। सोनीपत की ये धरती उन वीर जवानों की भी धरती है, जिन्होंने हिमालय की चोटियों पर रहकर देश की रक्षा की है। हरियाणा की माताओं की अनेक संतानें हैं उन्होंने जम्मू कश्मीर में हालात को सामान्य बनाने में मदद की। हरियाणा के वीर बेटों ने अनेकों जख्म अपने शरीर पर खाए हैं। मोदी ने कहा कि भाजपा कांग्रेस की तरह कोरी घोषणाएं नहीं कर रही है। वह जमीन पर किसानों के लिए बारीकी से काम कर रही है। हरियाणा के किसान हों या युवा उनका भविष्य भाजपा सरकार मे ही सुरक्षित है। बीते दस साल में हरियाणा में बीजेपी की सरकार है। हमारे मुख्यसमंत्री पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं लगे।

हरियाणा में एक बार फिर भाजपा की सरकार आते ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनाएगी। सोनीपत, पानीपत की ये पूरी बेल्ट अवसरों से भरी है। यहां पर हो रहे विकास कार्य पूरे क्षेत्र को आधुनिक पहचान दे रहे हैं। भाजपा सरकार ने सोनीपत तक मेट्रो विस्तार की मंजूरी दी है। नए हाईवे बनवाए हैं, इस मामले में यह क्षेत्र सबसे विकसित हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने भारत के तिलहन किसानों के लिए भी बड़ा फैसला किया है, विदेश से आयात होने वाले तेल पर हमने टैक्स बढ़ा दिया है। कोशिश यही है कि भारत के तिलहन किसानों की ज्यादा से ज्यादा खरीद हो। अब जैसे सूरजमुखी के आयात के पर पहले टैक्स नहीं था, अब बीस प्रतिशत टैक्स लगाया है। इससे हरियाणा के ऐसे किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोहना की रैली में आए एक लड़के के हाथ में अपना चित्र देखा तो तुरंत कहा- बेटे आप मेरा चित्र बनाकर लाए हो, ये मुझे दे देना, चित्र के पीछे अपना नाम और पता लिख देना, मैं आपको चट्ठी लिखूंगा, धन्यवाद बहुत अच्छा चित्र बनाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है, कि हरियाणा के लोग इतने समझदार हैं, जितने ये समझते हैं, उतना कोई नहीं समझता है। इसलिए हरियाणा में वही सरकार बनती है, जिसकी दिल्ली में सरकार होती है। मोदी ने कहा साथियों कैसी स्थिति कांग्रेस ने बनाई थी, जरा देखिए कर्नाटक में क्या हाल है। वहां के मुख्यमंत्री पर जमीन घोटाले के आरोप लगे हैं, जब इसकी जांच शुरू हुई तो वहां के मुख्यमंत्री हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट ने उन्हें डंडा मारा जांच के आदेश सही है, जांच होनी चाहिए। अब देखिए, दो साल मुश्किल से हुए हैं, आदत जाती नहीं है। यहां हरियाणा में इनको घुसने देंगे क्या, आप ये गलती मत करना। ये कभी नहीं सुधरेंगे। कर्नाटक में सिर्फ जमीन घोटाले का ही मामला नहीं है, वहां के दलितों के लिए जो फंड था उसमें भी कांग्रेस ने घोटाला कर दिया। मोदी ने कहा हरियाणा भाजपा ने घोषणा की है कि ऐसे अनेक औद्योगिक शहर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बनाए जाएंगे। आने वाले समय में ऐसे कई बड़े कारखाने यहां लगने वाले हैं। मेक इन इंडिया के दस सालों में इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। हम मोबाइल फोन से लेकर लड़ाकू विमान और विमान वाहक पोत तक भारत में बना रहे हैं। बीते 3 साल में मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े सेक्टर में लाखों रोजगार के अवसर बने हैं।

भारत के किसी...

कोविड 19 के दौरान न्याय तक पहुंच प्रदान करने के लिए सीधा प्रसारण और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की आवश्यकता सामने आई थी। पीठ ने कहा, वकीलों, न्यायाधीशों और न्यायालय के सदस्यों को समझना चाहिए कि सीधा प्रसारण की दर्शकों तक महत्वपूर्ण पहुंच है, जो उन पर जिम्मेदारी डालती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित उच्च न्यायालय की कार्यवाही की क्लिपिंग देखी है। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि क्या इसे न्यायिक पक्ष के बजाय चैंबर में उठाया जा सकता है। मैंने कर्नाटक में बार के सदस्यों से बात की है। अगर कोई बड़ा मुद्दा बनता है तो इसके अन्य परिणाम हो सकते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चूंकि न्यायाधीश ने अब माफी मांग ली है, इसलिए मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इस पर पीठ ने कहा, आप इस देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते। यह मूल रूप से राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता के विरुद्ध है। शीर्ष अदालत ने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट पर भी गौर किया, जो न्यायाधीश के समक्ष दो कार्यवाहियों से संबंधित है। ये अदालती कार्यवाही छह जून 2024 और फिर 28 अगस्त, 2024 को और कार्यवाही हुई थी।

भारत की मंशा...

फिर आप देखते हैं कि सुधार खुद ही सामने आने लगते हैं। इसलिए मैं इसे उसी भावना से लूंगा और मुझे पूरा विश्वास है कि इन दोनों मामलों में हमारे संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे। बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान श्रीलंका और बांग्लादेश में बदली हुई सरकार को लेकर आया है। श्रीलंका को लेकर उन्होंने कहा, जब कोलंबो बहुत गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा था तब भारत आगे आया और बहुत स्पष्ट कहूं तो कोई और आगे नहीं आया। मुझे बहुत खुशी है कि हमने ऐसा किया। हमने इसे समयबद्ध तरीके से किया। हमने इसे बड़े पैमाने पर किया। हमने प्रभावी तरीके से 4.5 अरब डॉलर का निवेश किया। इस कदम से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था स्थिर हुई।

उन्होंने आगे कहा कि बाकी सब उन पर निर्भर था। उस समय हमने ऐसा किया था, ऐसा नहीं था कि हमारे पास कोई राजनीतिक शर्त थी। हम एक अच्छे पड़ोसी के रूप में ऐसा कर रहे थे जो अपने पड़ोस में इस तरह की आर्थिक मंदी नहीं देखना चाहता था। हमारे प्रत्येक पड़ोसी की अपनी विशेष नीति होगी

बता दें, 56 साल के मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका में राजनीतिक रूप से जो होता है, वह उनकी राजनीति के लिए होता है। उन्होंने कहा, आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी की अपनी विशेष नीति होगी। हमारा यह सुझाव देने का इरादा नहीं है कि उनकी गतिशीलता अनिवार्य रूप से उसी के अनुरूप होनी चाहिए जिसे हम अपने लिए बेहतर मानते हैं। मुझे लगता है कि यह वास्तविक दुनिया है। मेरा मतलब है कि हर कोई अपनी पसंद चुनता है और फिर देश एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाते हैं और इसे सुलझाने के तरीके खोजते हैं।

वक्फ बिल पर...

उनके प्रॉक्सी की संभावित भूमिका की भी जांच की मांग की है। निशिकांत दुबे भी संसदीय समिति के सदस्य हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि ये फीडबैक किन जगहों से दाखिल किए गए इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि अकेले भारत से इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक मिलना लगभग असंभव है। चार बार के सांसद निशिकांत दुबे ने इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक मिलने को अभूतपूर्व बताया और दावा किया कि इससे एक वैश्विक रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि यह एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति का संकेत देता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि वक्फ संशोधन विधेयक का मुस्लिम समूहों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। उनका कहना है कि वक्फ संशोधन विधेयक के जरिए उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप की कोशिश की जा रही है। विपक्षी पार्टियों ने भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार ने वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का फैसला किया था। संयुक्त संसदीय समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर आम सहमति बनाने के लिए लोगों के फीडबैक मांगे थे और इसके लिए विज्ञापन जारी किया था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में कहा था कि किसी ने कभी नहीं सोचा था कि पैनल को करोड़ों की संख्या में सिफारिशें मिलेंगी। उन्होंने कहा था कि अगर 1,000 फीडबैक भी मिलते तो इसे एक बड़ी संख्या माना जाता था।

दुबे ने जगदंबिका पाल को लिखे अपने पत्र में कहा कि यह जानना जरूरी है कि क्या विदेशी संस्थाएं, संगठन और व्यक्ति जानबूझकर हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक भेज रहे हैं? उन्होंने कहा कि भारत में एक मजबूत संसदीय प्रणाली वाला देश है, और इस तरह एकजुट होकर विदेशी हस्तक्षेप के माध्यम से इसे प्रभावित करने का कोई भी प्रयास राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए सीधा खतरा है। इन फीडबैक के एक बड़े हिस्से की सामग्री एक जैसी है या इसमें मामूली बदलाव हैं, जिससे संकेत मिलते हैं कि इनमें से कई फीडबैक एक संगठित अभियान का हिस्सा हो सकते हैं।

इस्लामी कट्टरपंथी संगठन की भूमिका की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि ये समूह अक्सर बाहरी शक्तियों द्वारा वित्तपोषित या उनके प्रभाव में होते हैं, जो भारत को धार्मिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। ये लोग भारत के लोकतंत्र को अस्थिर करना चाहते हैं और हमारी विधायी प्रक्रियाओं को बाधित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात पर शक करने की वजह ये है कि ये तत्व वक्फ विधेयक पर विचार-विमर्श का लाभ उठाकर मतभेद पैदा कर रहे हैं और जनमत का ध्रुवीकरण कर रहे हैं। ये प्रयास कट्टरपंथी समूहों द्वारा हमारे देश में संवेदनशील मुद्दों में हेरफेर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने लिखा कि कट्टरपंथी इस्लामवादी प्रचारक जाकिर नाइक के प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता। दुबे ने पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई, चीन और जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश और तालिबान जैसे कट्टरपंथी संगठनों जैसी विदेशी शक्तियों का भी जिक्र किया और कहा कि वे लंबे समय से भारत को अस्थिर करने और इसके लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।

लोकायुक्त करेगा...

वहीं कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने इस बाबत कहा कि कोर्ट के आदेश की कॉपी अभी तक नहीं मिली है। मैं केरल जा रहा हूं। मुझे शाम को अदालत के आदेश की प्रति मिल जाएगी। मैं लड़ूंगा। मैं किसी चीज से नहीं डरता। हम जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। मैं इसे कानूनी रूप से लड़ूंगा। उधर कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा, मैंने अभी तक आदेश नहीं देखा है। मुख्यमंत्री किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। लोकायुक्त पुलिस एक स्वतंत्र निकाय है। वे किसी की दया पर नहीं हैं, इसलिए वे उसी के अनुसार जांच करेंगे। पीएम मोदी के बयान पर उन्होंने कहा कि यह बहुत स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यह एक राजनीतिक खेल है जो वे खेल रहे हैं। हम शुरू से ही कह रहे हैं कि भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए पूरे प्रकरण का इस्तेमाल कर रही है और अब प्रधानमंत्री ने इसे साबित कर दिया है।

यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मैसूर के एक महंगे इलाके में मुआवजा स्थल आवंटित किया गया था, जिसकी संपत्ति का मूल्य मुडा की ओर से अधिग्रहित की गई उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था।

विकास और ...

हमारा डिजिटलीकरण और तकनीकी पैठ बहुत बढ़िया है। मेक इन इंडिया के एक दशक ने विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम दिए हैं और यूपी इसमें अग्रणी है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि कानून और व्यवस्था से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाला राज्य है, जहां कानून-व्यवस्था की चुनौतियां, भय का माहौल और विकास की संभावनाएं कम थीं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व अब यह राज्य विकास की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। यह परिवर्तन अकल्पनीय है। एक तरह से यूपी का पूरा कायाकल्प हो गया है। भ्रष्टाचार अब यूपी में अतीत की बात हो गई है। सबसे बड़ा राज्य यूपी अब देश की बहुत बड़ी ताकत बन गया है।

उन्होने कहा योगी इस राज्य के लिए गेम चेंजर साबित हुए हैं और इससे देश को काफी मदद मिल रही है। मैं उनके 247 कार्य करने की विशेष शैली से अभिभूत हूं। उप राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ यहां बने विभिन्न हॉल में लगाए गये स्टालों का अवलोकन किया। साथ ही मणिदीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न स्टॉल का अवलोकन करने पर ऐसा लगा कि वह दुनिया के सबसे विकसित देश में हैं। उन्होंने कहा, यह आयोजन प्रदेश के कारीगरों, शिल्पकारों तथा दुनियाभर के बायर्स को एक मंच पर लाने का अवसर प्रदान करता है। इतने विचारशील, दूरदर्शी और व्यावहारिक सोच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूं।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे ...

से कड़ी चुनौती मिल रही है, जिन्होंने नेकां के टिकट पर चुनाव लड़ा है। अन्य प्रमुख उम्मीदवार जिनके भाग्य का फैसला दूसरे चरण में हुआ है, उनमें सेंट्रल-शालटेंग से कांग्रेस जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक कर्रा, चन्नापोरा से अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी, गंदेरबल और बीरवा से जेल में बंद मौलवी एवं अलगाववादी नेता सरजन अहमद वागे, खानयार से नेकां नेता अली मोहम्मद सागर, चरार-ए-शरीफ से रहीम राथर, लाल चौक से भाजपा नेता ऐजाज हुसैन, बुढाल से चौधरी जुल्फिकार और सूरनकोट से सैयद मुश्ताक बुखारी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के 26 विधानसभा क्षेत्रों में 3,500 मतदान केंद्रों पर 13,000 से ज़्यादा मतदान कर्मचारी तैनात किए गए हैं। हर मतदान केंद्र पर बहु-स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है, ताकि भयमुक्त माहौल में मतदान सुनिश्चित हो सके। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करीब एक दशक बाद हो रहे हैं। पहला चरण 18 सितंबर को हुआ था, जिसमें 61 प्रतिशत से ज़्यादा मतदान हुआ था और आखिरी चरण का मतदान एक अक्टूबर को होना है। मतगणना आठ अक्टूबर को होगी और पूरी चुनाव प्रक्रिया 10 अक्टूबर तक संपन्न हो जाएगी।

पंद्रह देशों के...

इन देशों में अमेरिका, मैक्सिको, गुयाना, दक्षिण कोरिया, सोमालिया, पनामा, सिंगापुर, नाइजीरिया, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, नॉर्वे, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया और फिलीपींस शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली स्थित इन देशों के दूतावासों का प्रतिनिधित्व उनके चार्ज डि अफेयर्स या डिप्टी चीफ ऑफ मिशन द्वारा किया जा रहा है। अन्य का प्रतिनिधित्व मिनिस्टर-काउंसिलर स्तर के राजनयिकों द्वारा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक प्रतिनिधिमंडल ने बडगाम क्षेत्र के ओमपोरा में मतदान केंद्रों का दौरा किया। प्रतिनिधियों ने मतदान प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं को देखने के लिए मध्य कश्मीर के बड़गाम जिले के कई मतदान केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने कई जगहों पर मतदाताओं से भी बात की। इसके बाद लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र के भीतर अमीरा कदल और एसपी कॉलेज, चिनार बाग में रुके। एसपी कॉलेज में, प्रतिनिधियों को एक विशेष मतदान केंद्र का दौरा करने का मौका मिला जिसका प्रबंधन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि इनमें से कुछ मतदान केंद्रों पर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बहुत कम मतदान हुआ था।

इस बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में विदेशी प्रतिनिधिमंडल के दौरे पर सवाल उठाया और कहा मुझे नहीं पता कि विदेशियों को चुनावों की जांच क्यों करनी चाहिए। श्री अब्दुल्ला ने कहा जब विदेशी सरकारों ने कश्मीर पर अपनी टिप्पणी की तो भारत ने कहा कि यह हमारा आंतरिक मामला है।

अब अचानक विदेशी पर्यवेक्षक हमारे चुनावों को देखने के लिए कश्मीर आ रहे हैं। ये हमारे लिए आंतरिक मामला है। हमें उनके प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा यह भागीदारी भारत सरकार की वजह से नहीं है। भारत सरकार ने जो कुछ भी किया, उसके बावजूद... उन्होंने लोगों को अपमानित किया, उन्होंने लोगों को हिरासत में लेने और परेशान करने के लिए सभी मशीनरी का इस्तेमाल किया और इसके बावजूद लोग आ रहे हैं और चुनाव में भाग ले रहे हैं। यह ऐसी चीज नहीं है जिसे भारत सरकार को उजागर करना चाहिए।

यहां बच्चे करते हैं पितृों को तर्पण

बुंदेलखंड में प्रचलित महबुलिया एक ऐसी अनूठी परंपरा है जिसे घर के बुजुर्गों के स्थान पर छोटे-छोटे बच्चे पितृ पक्ष मे पूर्वजों के तर्पण की प्रक्रिया को सम्पादित करते हैं। हालांकि अब यह परम्परा यहां गांवों तक ही सिमट चली है।

बुंदेलखंड में लोक जीवन के विविध रंगों में पितृपक्ष पर पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और समर्पण का अंदाज जुदा है। पुरखों के तर्पण के लिए यहां पूजन,अनुष्ठान,श्राद्ध आदि के आयोजनों के अतिरिक्त बच्चों ,बालिकाओं की महबुलिया पूजा नई पीढ़ी को संस्कार सिखाने की वजह से बेहद ख़ास है। पूरे पंद्रह दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में हर रोज गोधूलि वेला पर पितरों का आवाहन और विसर्जन के साथ इसका आयोजन होता है। इस दौरान यहां के गांवों की गलियां और चौबारों में बच्चों की मीठी तोतली आवाज में महबुलिया के पारम्परिक लोक गीत झंकृत हो उठते हैं।

समूचे विंध्य क्षेत्र में लोकपर्व की मान्यता प्राप्त महबुलिया की पूजा का भी अपना अलग ही तरीका है। बच्चे कई समूहों में बंटकर इसका आयोजन करते हैं। महबुल को एक कांटेदार झाड़ में रंग बिरंगे फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है और फिर विधिवत पूजन के उपरांत उक्त सजे हुए झाड़ को बच्चे गाते बजाते हुए गांव के किसी तालाब या पोखर में ले जाते हैं.जहां फूलों को कांटों से अलग कर पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। महबुलिया के विसर्जन के उपरांत वापसी में यह बच्चे राहगीरों को भीगी हुई चने की दाल और लाई का प्रसाद बांटते हैं। ज्ञातव्य है की प्रसाद सभी बच्चे अपने घरों से अलग अलग लाते हैं।

जगनिक शोध संस्थान के सचिव डॉ वीरेंद्र निर्झर बताते है कि महबुलिया को पूरे बुंदेलखंड में बालिकाओं द्वारा उत्सव के रूप में मनाया जाता है। हर रोज जब अलग अलग घरों में महबुलिया पूजा आयोजित होती है तो उसमें घर की एक वृद्ध महिला साथ बैठकर बच्चों को न सिर्फ पूजा के तौर तरीके सिखाती बल्कि पूर्वजों के विषय में जानकारी देती हैं। इसमें पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रदर्शन के साथ सृजन का भाव निहित है। झाड़ में फूलों को पूर्वजों के प्रतीक के रूप में सजाया जाता है जिन्हें बाद में जल विसर्जन कराके तर्पण किया जाता है।दूसरे नजरिये से देखा जाए तो महबुलिया बच्चों के जीवन मे रंग भी भरती है। इसके माध्यम से मासूमों में धार्मिक एवं सामाजिक संस्कार पैदा होते हैं। उनको फूल पत्ती वनस्पतियों तथा रंगों से परिचित कराने के साथ साजसज्जा करना भी सिखाया जाता है।

बुंदेली लोक जीवन के विविध रंगों में महबुलिया बिल्कुल अनूठी परंपरा है जो देश के अन्य हिस्सों से बिल्कुल अलग है। इसमें बेटियों के महत्व को प्रतिपादित किया गया है और उसे खुशियों का केंद्र बिंदु बनाया गया है। पितृपक्ष में बुजुर्ग जहां सादगी के साथ पुरखों के पूजन तर्पण आदि में व्यस्त रहते हैं और घर माहौल में सन्नाटा पसरा रहता है तब महबुलिया पूजन के लिए बालिकाओं की चहल पहल खामोशी तोड़ती है तथा वातावरण को खुशनुमा बनाती है।

सरस्वती वर्मा ने कहा कि सदियों पूर्व से प्रचलित परम्परा की शुरुआत कब हुई इस बात का कहीं कोई उल्लेख नहीं है। मान्यता है कि पूर्व में कभी महबुलिया नाम की एक वृद्ध महिला थी जिसने इस विशेष पूजा की शुरुआत की थी। बाद में इसका नाम ही महबुलिया पड़ गया। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में सांस्कृतिक मूल्यों के तेजी से ह्रास होने के कारण महबुलिया भी प्रायः विलुप्त हो चली है।

सामाजिक कार्यकत्री सरस्वती वर्मा बताती है की मामुलिया के प्रथम चरण में बालक बालिकायें पूर्वाभिमुखी दीवार पर भित्ति आलेखन गोबर से करती हैं और आयत में थपियां लगाई जाती हैं, इसके बाद मामुलिया सजा कर ङ्गमामुलिया के आये लिवौआ, झमक चली मेरी मामुलियाफ गीत गाती हुई उसे किसी नदी, पोखर या तालाब में विसर्जित कर देती हैं। प्रतिदिन आयत के अंदर एक और आयत की वृद्धि होती जाती है और भित्ति आलेख में नदी, सूर्य, चंद्रमा, पहाड़ आदि के दृश्य बड़े ही सुघड़ तरीके से अंकित किये जाते हैं। यह पहला चरण एक पखवाड़े तक चलने के बाद गोबर निर्मित आकृतियां दीवार से उतार कर पानी में विसर्जित कर दी जाती हैं।लोकक्रीड़ा के इस पर्व का दूसरा चरण नवरात्र भर खेला जाता है जिसमें उसी दीवार पर मिट्टी से राक्षस की आकृति बनाई जाती है और उसमें रंग बिरंगे कंचों व कौड़ियों को मणि-माणिक्यों की भांति अलंकृत किया जाता है। तत्पश्चात् मिट्टी की गौरी प्रतिमा बना कर उसका दुग्ध स्नान कराया जाता है और बालिकायें एक दूसरे की कांय उतारते वक्त गाती हैं- ङ्गहिमांचल जू की कुंअरि लड़ायती नारे सुआटा, गौरा बाई नेरातौ बंधाइयो नारे सुआटाफ।सुआटा का तीसरा और चौथा चरण साथ साथ खेले जाते हैं जिसमें बालक टेसू खेलते हैं और बालिकायें झिंझिया। गीत गाकर बालक घर घर टेसू मांगते हैं और गृहस्वामिनियां उन्हें पैसा या अनाज देकर संतुष्ट करती हैं। इसी तरह ङ्गबूझत बूझत आये हैं नारे सुआटाफ जैसे गीत गाकर बालिकायें झिंझिया मांगती हैं और उन्हें भी इसी तरह के पारितोषिक प्राप्त हो जाते हैं। इस पारितोषिक का उपयोग नौरता के पांचवें और अंतिम चरण टेसू झिंझिया के विवाह में किया जाता है।

क्वांर माह की पूर्णिमा जिसे शरद पूर्णिमा भी कहते हैं, कि रात्रि में टेसू-झिंझिया परिणोत्सव धूम धाम से सम्पन्न होता है। बालक दीवार पर उत्कीर्ण सुआटा नामक राक्षस को लूट ले जाते हैं, उत्सव की समाप्ति पर खीलें गट्टे बांटे जाते हैं।

इस प्रकार एक माह तक चलने बाले लोकक्रीडा पर्व का समापन हो जाता है।

बच्चों की लोकक्रीड़ा का यह पर्व बुंदेलखंड की सांस्कृतिक धरोहर में शुमार है जिसे उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग ने संरक्षित करने का भी प्रयास किया है। यहां के जाने माने लोक कला विशेषज्ञ अयोध्याप्रसाद गुप्त ङ्गकुमुदफ ने भी इस अनूठे विषय पर गहराई से शोध करके इसे बुंदेलखंड की एक अप्रतिम और प्रमुख सांस्कृतिक पहचान बताया है। यह भी कहा जाता है कि पितृपक्ष में मनाया जाने वाला पखवारा, असमय कालकवलित हुए बच्चों की आत्माओं की प्रसन्नता का भी ये मामुलिया उत्सव के लिये है।

शुक्र ने किया अपनी स्वराशि तुला में गोचर

12 अक्टूबर तक अपनी स्वराशि तुला में रहेंगे शुक्र

18 सितंबर को शुक्र ग्रह अपनी राशि तुला में गोचर कर चुके हैं। शुक्र ग्रह ने सुबह 8:30 मिनट पर अपनी नीच राशि कन्या से निकलकर स्वराशि तुला राशि में प्रवेश किया। शुक्र तुला राशि में 26 दिनों तक गोचर करने के बाद 12 अक्टूबर को मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र की शुभ स्थिति जातकों को खूब तरक्की दिलाती है और धन में वृद्धि करवाती है। शुक्र के गोचर से कुछ राशियों की किस्मत चमकने वाली है। इन्हें धन, वैभव और ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी और साथ ही प्यार और रिलेशनशिप के मामले में भी इन राशियों के लोग लकी रहेंगे। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि शुक्र ग्रह 18 सितंबर को कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश कर चुके हैं। तुला राशि शुक्र ग्रह की स्वराशि है जो करीब एक वर्ष बाद अपनी इस राशि में गोचर करने वाले हैं। शुक्र के अपनी स्वराशि में गोचर करने के कारण मालव्य राजयोग का निर्माण होगा। ज्योतिष में मालव्य राजयोग को बहुत ही शुभ माना गया है। ऐसे में शुक्र के गोचर से कुछ राशि वालों को अच्छी तरक्की और धन लाभ के अच्छे संयोग बनेंगे।

ज्शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है।

शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

प्रभाव

गलत काम, चोर और भ्रष्टाचार बढ़ने की संभावना है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। कई लोगों के लिए कष्टपूर्ण समय हो सकता है। कई लोग खांसी और ठण्ड से पीड़ित हो सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अशुभ असर देखने को मिलेगा। राष्ट्रों के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। आसपास के देशों से भारत के संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। मन में बेचैनी एवं अस्थिरता उत्पन्न होगी। साथ ही अकारण चिंता, भय और तनाव भी होगा। अगले 10 दिनों में भूकंप बरसात दुर्घटना और प्राकृतिक आपदा होगी। लेकिन जन शून्य स्थानों पर होगी। शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। पाकिस्तान नेपाल चीन अरब और अफ्रीकी देशों में हिंसा, अराजकता, आतंकवाद बढ़ेगा।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र का तुला राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष- इन लोगों के लिए धन संबंधी मामले सामान्य रहेंगे। व्यापार में की गई पुरानी मेहनत का फल मिल सकता है।

वृषभ- शुक्र इस राशि का भी स्वामी है, लेकिन इस राशि के लोगों के लिए राशि स्वामी की स्थिति ठीक नहीं है। बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। कड़ी मेहनत के बाद ही लाभ हो सकता है।

मिथुन- आपके लिए ये समय श्रेष्ठ रहने वाला है। अटका हुआ काम पूरा हो सकता है। घर-परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा।

कर्क- आपके लिए शुक्र सामान्य फल देने वाला रहेगा। कार्य समय पर होंगे, लेकिन लाभ ज्यादा नहीं होगा। समय का सही उपयोग करें।

सिंह- इन लोगों के लिए शुक्र सफलता दिलाने वाला रहेगा। कोई बड़ा काम पूरा हो सकता है। संतान की वजह से लाभ हो सकता है।

कन्या- आपके लिए लाभ के योग बन रहे हैं। कामों में आ रही बाधाएं खत्म होंगी। व्यवहार आगे बढ़ेगा।

तुला- अब शुक्र इसी राशि में रहेगा, इस वजह से इन लोगों की बाधाएं बढ़ सकती हैं। इन्हें लापरवाही से बचना होगा। शुक्र स्थितियों को धीरे-धीरे सामान्य बनाएगा।

वृश्चिक- कामों में बाधाएं आ सकती हैं। धन और समय व्यर्थ खर्च करने से बचें। भक्ति में मन लगाएं।

धनु- पुराने कामों में बढ़ोतरी हो सकती है। धन लाभ हो सकता है। खुशियां मिलेंगी। परिवार से सुखद माहौल रहेगा।

मकर- इन लोगों के लिए शुक्र शुभ रहेगा। घर-परिवार में दिन सुख-शांति के साथ व्यतीत होंगे। आय में बढ़ोतरी हो सकती है।

कुंभ- आपके कार्यों में आ रही समस्याएं दूर हो सकती हैं। शुक्र नए काम करने में मदद करेगा।

मीन- बाधाएं आ सकती हैं। नकारात्मकता से बचना होगा। बुद्धिमानी से कार्य करेंगे तो सफलता मिल सकती है।

-ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

रुद्राक्ष और भद्राक्ष में क्या अंतर है?

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष और भद्राक्ष दोनों का काफी महत्व है मान्यताओं के मुताबिक रुद्राक्ष भगवान शिव के आंसुओं से उत्पन्न हुआ है, जबकि भद्राक्ष को मां भद्रकाली से जोड़कर देखा जाता है

रुद्राक्ष और भद्राक्ष दोनों का सनातन धर्म में विशेष महत्व है. दोनों ही बीज अपने उपचार गुणों के लिए जाने जाते हैं. दोनों का इस्तेमाल माला और कंगन बनाने के लिए भी उपयोग किया जाता है.

रुद्राक्ष 21 प्रकार के होते हैं, जिनमें 11 प्रकार के रुद्राक्ष का काफी ज्यादा किया जाता है, जबकि भद्राक्ष(इहरवीरज़ीहर) एक ही तरह के होते हैं.

रुद्राक्ष का प्रयोग बुरी शक्तियों से दूर रहने के लिए किया जाता है, जबकि भद्राक्ष का प्रयोग आमतौर पर आभूषणों के निर्माण के लिए किया जाता है.

रुद्राक्ष को अगर पानी में डाला जाए तो ये पूरी तरह डूब जाता है, जबकि भद्राक्ष पानी में डूबने की बजाए तैरता है.

रुद्राक्ष ईश्वरीय गुणों से समाहित होता है और ये सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है जिसमें भीनी-सी सुगंध भी होती है. जबकि भद्राक्ष किसी भी तरह की पूजा-अनुष्ठान में काम में नहीं लाया जाता है. भद्राक्ष को मृत्यु का प्रतीक माना जाता है।

शरद पूर्णिमा कब मनाई जाएगी

जानें मुहूर्त और इस दिन खीर का क्या है महत्व

अश्विन माह की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है. पुराणों के अनुसार इस दिन समुद्र से मां लक्ष्मी प्रकट हुईं थी. साल में सिर्फ शरद पूर्णिमा पर ही चंद्रमा सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहता है. यही वजह है कि इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है

जो लोग शरद पूर्णिमा पर स्नान-दान और रात्रि में लक्ष्मी पूजा करते हैं उनके घर किसी भी चीज की कमी नहीं होती. वहीं इस रात चंद्रमा की रोशनी में रहने से तमाम रोग दूर हो जाते हैं.

आइए जानते हैं शरद पूर्णिमा 2024 में कब मनाई जाएगी, इस दिन खीर का क्या महत्व है.

शरद पूर्णिमा अक्टूबर में कब ?

शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर 2024 को है. हिन्दू धर्म में इस दिन कोजागर व्रत रखा जाता है. इसी को कौमुदी व्रत भी कहते हैं.

अश्विन पूर्णिमा तिथि शुरू - 16 अक्टूबर को रात 08.40

अश्विन पूर्णिमा तिथि समाप्त - 17 अक्टूबर को शाम 04.55

स्नान-दान मुहूर्त - सुबह 04.43 - सुबह 05.33 (17 अक्टूबर, पूर्णिमा का स्नान उदयातिथि पर मान्य होता है)

चंद्रोदय समय - शाम 05.05

लक्ष्मी पूजा - 16 अक्टूबर, रात 11.42 - प्रात: 12.32, 17 अक्टूबर

शरद की पूर्णिमा क्यों मनाई जाती है?

शरद पूर्णिमा की रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं। इस दौरान देवी सभी से पूछती हैं को जागृति यानी कौन जाग रहा है? रात्रि में देवी लक्ष्मी की पूजा करने वालों पर धन की वर्षा होती है.

शरद पूर्णिमा वह रात है जब कृष्ण और ब्रज की गोपियों के बीच महा रासलीला (ठरी ïïï-पळार) की गई थी. इस रात को कृष्ण ने ऐसा रास रचाया कि शिव भी स्वंय को रोक नहीं पाए और दिव्य नृत्य देखने के लिए गोपी का रूप धकर वहां पहुंच गए. कहते हैं इस दन कृष्ण पूजा करने से तमाम तरह के दुख दूर हो जाते हैं

शरद पूर्णिमा पर खीर का क्या महत्व है?

शरद पूर्णिमा का चंद्रमा अन्य दिनों के मुकाबले आकार में बड़ा और औषधीय गुण प्रदान करने वाला माना जाता है. चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है.

यही वजह है कि इस दिन पारम्परिक रूप से गौ-दुग्ध और चावल की खीर बनाकर उसे सम्पूर्ण रात्री के लिये चांदनी में रखा जाता है, जिससे उस खीर में चन्द्रमा के औषधीय और दैवीय गुण समाहित हो जाते हैं.

सफेद चीजों का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से होता है, इसलिए इस दिन चावल-दूध की खीर चांदी के बर्तन में खाने से कुंडली में चंद्रमा और शुक्र ग्रह भी मजबूत होते हैं.

शरद पूर्णिमा की रात को क्या होता है ?

पुष्णामि चौषधी: सर्वा:
सोमो भूत्वा रसात्मक:।।

31 साल बाद देश में रिलीज हो रही रामायण, एनिमेशन में देख पाएंगे रामकथा

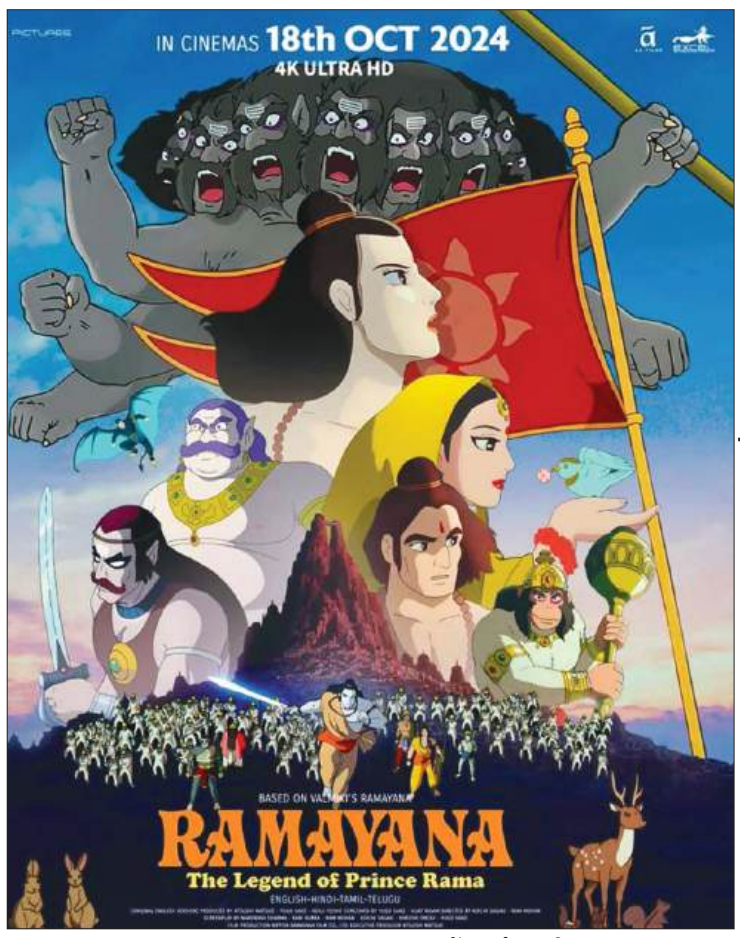

भारतीय महाकाव्य रामायण पर बनी एनिमेटिड फिल्म रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम आखिरकार देश के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। 1993 में आई यह फिल्म उस वक्त भारत में रिलीज नहीं हो पाई थी, लेकिन अब 31 साल बाद इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा और वो भी हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में।रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम एक जापानी-भारतीय एनिमेटेड फिल्म है। दोनों देशों के सहयोग से इसे बनाया गया था। फिल्म का निर्माण भारत के राम मोहन और जापान के युगो साको ने किया था। यह फिल्म रामायण को रोचक ढंग से पेश करती है। इस फिल्म के बनने से पहले ही भारत में विवाद खड़ा हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विश्व हिंदू परिषद ने विरोध जताते हुए कहा था कि रामायण को कार्टून के रूप में दिखाना उचित नहीं है। हालांकि, बाद में फिल्म पर काम शुरू हुआ और ये बनकर तैयार भी हुई, लेकिन 1992 में बाबरी मस्जिद गिराने की घटना के कारण इसे देश में रिलीज नहीं किया गया था।रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम के हिंदी वर्जन में अरुण गोविल और अमरीश पुरी समेत कई कलाकारों ने अपनी आवाज दी है। वहीं, अंग्रेजी वर्जन में जेम्स अर्ल जोन्स और ब्रायन क्रैन्स्टन समेत कई कलाकारों की आवाज सुनने को मिलेगी। इस फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 9.2 है।रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम को 2002 में टीवी पर साप्ताहिक सीरीज के तौर पर दिखाया गया था। इसका प्रसारण कार्टून नेटवर्क पर हुआ करता था और बच्चे इसे खूब पसंद करते थे। वनराज भाटिया ने इस फिल्म के गाने कंपोज किए हैं। फिल्म को 18 अक्तूबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

पलक तिवारी ने बॉडीकॉन ड्रेस में लगाया ग्लैमर का तड़का

एक्ट्रेस पलक तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर रिझाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी इंस्टाग्राम पर कुछ पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पलक तिवारी ने ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देती हुई इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।बालों को ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।पलक तिवारी की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो क्यूट सी स्माइल देते हुए फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं।

फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का पहला गाना

तुम जो मिले हो

जारी, रोमांस का तड़का लगाते दिखे राजकुमार और तृप्ति

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आने वाले हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जो पारिवारिक ड्रामा, 90 के दशक की यादों, हास्य और रहस्य से भरा हुआ था। वहीं, अब फिल्म के निर्माता इसका पहला गाना रिलीज कर चुके हैं, जिसने प्रसंशकों के उत्साह को बढ़ा दिया है।तुम जो मिले हो गाने में लीड के बीच की चंचल केमिस्ट्री को दिखाया गया है और यह आपको 90 के दशक में वापस ले जाने का वादा करता है। आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहला गाना रिलीज किया। तुम जो मिले हो शीर्षक वाले इस गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और विशाल मिश्रा ने दोनों के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल प्रिया सरैया ने लिखे हैं।म्यूजिक वीडियो की शुरुआत राजकुमार राव के किरदार विक्की से होती है, जो एक मेहंदी कलाकार है और तृप्ति डिमरी की विद्या के साथ फ्लर्ट करता है। वे रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और खूबसूरत जगहों पर डांस करते हैं, जिससे यह एक जीवंत गाना बन जाता है। इस प्रेम गीत की धुन और बोल 90 के दशक की झलक देते हैं। तुम जो मिले हो तो, दो प्यार वाली बातें करेंगे हम लाइन काफी आकर्षक है।इससे पहले ट्रेलर रिलीज होने के बाद से फिल्म पर यह आरोप लगे थे कि इसकी कहानी हॉलीवुड फिल्म से कॉपी की गई है। हालांकि, इस पर फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य ने प्रतिक्रिया दी थी। राज ने फिल्म की कहानी सेक्स टेप से कॉपी होने के दावे को खारिज कर दिया था और कहा था कि उनकी फिल्म का हॉलीवुड फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा था कि राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत उनकी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का कैमरून डियाज की सेक्स टेप से कोई लेना-देना नहीं है। फिल्म निर्माता ने यह भी कहा कि उन्होंने जेसन सेगल और कैमरून डियाज की 2014 की फिल्म भी नहीं देखी है।राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को शुद्ध मसाला एंटरटेनर के रूप में बताया जा है। फिल्म को राज शांडिल्य ने लिखा और निर्देशित किया है और संगीत सचिन और जिगर ने दिया है। यह पारिवारिक ड्रामा 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फेल हुई युद्धा चार दिन में ही लाखों में सिमटी कमाई

सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन और राघव जुयाल स्टारर एक्शन थ्रिलर युद्धा पिछले हफ्ते सोलो बॉलीवुड रिलीज़ थी। नेशनल सिनेमा दिवस पर अच्छी शुरुआत के बावजूद फिल्म ओपनिंग वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर फुस्स हो गई और इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की गई। चलिए यहां जानते हैं युद्धा ने रिलीज के पहले मंडे यानी चौथे दिन कितनी कमाई की हैसिद्धांत चतुर्वेदी की युद्धा का रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था। फिल्म के ट्रेलर ने इस मूवी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया था। वहीं सिनेमाघरों में इस शुक्रवार को जब युद्धा ने दस्तक दी तो इसकी ओपनिंग ठीक-ठाक रही। जिसके बाद मेकर्स को लग रहा था कि शनिवार और रविवार को फिल्म के बिजनेस में तेजी आएगी लेकिन हुआ इसका उलटा। फिल्म की कमाई में वीकेंड पर काफी गिरावट देखी गई। गौरतलब है कि शनिवार और रविवार को बॉक्स ऑफिस पर किसी भी फिल्म के कलेक्शन में गिरावट होना बुरा संकेत ही होता है। वीकेंड पर युद्धा की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस भी काफी निराशाजनक रही है। अब वीकडेज में तो फिल्म केा कलेक्शन में और ज्यादा घटने वाला है।वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो युद्धा ने रिलीज के पहले दिन 4।5 करोड़ कमाए थे। दूसरे दिन फिल्म ने 1।75 करोड़ का कलेक्शन किया था। तीसरे दिन युद्धा की कमाई 2।25 करोड़ रही। वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

नवरात्रि पर आयुष्मान-पश्मीना बिखेरेंगे गरबे का रंग, जचदी का पोस्टर किया रिलीज

एक्टर आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन का गरबा गीत जचदी का पोस्टर सोशल मीडिया शेयर किया गया है । यह अपकमिंग गाना नवरात्रि के जश्न को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। इस गाने को आयुष्मान ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में नजर आने वाली पश्मीना ने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से अपना डेब्यू किया था।बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना ने इस पोस्टर को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- इस नवरात्र को और खास बनाने के लिए जचदी लेकर आ रहा हूं। यह गाना 27 सितंबर को रिलीज होगा। इसमें पश्मीना रोशन नजर आएंगी, एक्टर ने इस पोस्ट को जचदी , म्यूजिक, कमिंगसून और स्टेट्यून्ड जैसे हैशटैग के साथ पोस्ट किया। यह पहली बार नहीं है जब आयुष्मान ने अपने किसी गाने को अपनी आवाज दी है। 40 वर्षीय एक्टर ने ने पानी दा, साड्डी गली, ओ हीरिए, इक वारी, ओ स्वीटी स्वीटी, मिट्टी दी खुशबू और रातां कलियां जैसे कई ट्रैक गाए हैं।

तुम्बाड ने रचा इतिहास री-रिलीज में घिल्ली और टाइटैनिक को दी मात

सोहम शाह की हॉरर-थ्रिलर फिल्म तुम्बाड ने अपनी री-रिलीज पर इतिहास रच दिया है। फिल्म ने री-रिलीज पर शानदार कलेक्शन करते हुए कई दूसरी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। अब तुम्बाड अपनी री-रिलीज के दौरान भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने पहली बार में सिनेमाघरों में कुछ खास कमाई नहीं की थी, लेकिन अब इसकी शानदार वापसी हुई है।तुम्बाड ने अपनी री-रिलीज पर 20 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है। देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज का खिताब अपने नाम करते हुए इसने घिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले तक घिल्ली अपनी री-रीलीज पर दमदार कमाई के साथ 2000 के दशक में रिलीज होने वाली बड़ी हिट थी।सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड ने सिर्फ 10 दिनों में 26।5 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म घिल्ली ने भी अपनी री-रिलीज पर इतना ही कमाया था। लेकिन अपने 11वें दिन के कलेक्शन के साथ तुम्बाड अब आगे बढ़ गई है। फिल्म ने अब तक 1।06 करोड़ बटोर लिए हैं और इससे इसकी कुल कमाई 22।63 करोड़ रुपए हो गई है। फिल्म टाइटैनिक 18 करोड़ रुपए कमाकर तीसरे नंबर पर है। वहीं शोले (13 करोड़) चौथे नंबर पर और रोमांटिक ड्रामा लैला मजनू (11।5 करोड़) पांचवें नंबर पर है।राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी फिल्म तुम्बाड पहली बार साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तब फिल्म ने कुछ खास कमाल नहीं किया था। अब 13 सितंबर 2024 से ये फिल्म फिर से पर्दे पर है और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है।

प्रतिभा रांटा ने लापता लेडीज में मौका देने के लिए किरण राव को दिया धन्यवाद

कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुने जाने पर अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने फिल्म निर्माता किरण राव को मौका देने के लिए धन्यवाद दिया।लापता लेडीज में जया की भूमिका निभाने वाली प्रतिभा ने इंस्टाग्राम पर अपने सह-कलाकारों स्पर्श और नितांशी गोयल के साथ फिल्म की कई तस्वीरें शेयर की।इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कल का दिन जीवन के सबसे खास दिनों में से एक रहा। हमारी फिल्म लापता लेडीज को ऑस्कर में भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। किरण मैडम, आपके समर्थन और मुझे यह मौका देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जश्न मनाना बंद नहीं कर सकते।नितांशी ने भी अपनी फिल्म का जश्न मनाने के लिए किरण के साथ तस्वीरें शेयर की।उन्होंने लिखा, फूल इंग्लिश में बताएं बहुत खुश और आभारी महसूस कर रही हूं कि लापता लेडीज ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री है, कलाकंद बनाने जा रही हूं आप सबके लिए।।आपकी फूल।23 सितंबर को कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना और प्रस्तुत किया गया।ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें एनिमल, किल, कल्कि 2898 ई।डी।, श्रीकांत, चंदू चैंपियन, जोरम, मैदान, सैम बहादुर, आर्टिकल 370, मलयालम फिल्म आट्टम और पायल कपाडिया की ऑल वी इमेजिन एज लाइट शामिल है।असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने लापता लेडीज पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है।लापता लेडीज का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।लापता लेडीज को मार्च 2024 में रिलीज किया गया। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 से अधिक दिनों तक दर्शकों को आकर्षित किया। इसके बाद ओटीटी पर भी इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला।यह फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है। यह स्लाइस-ऑफ-लाइफ कॉमेडी है। इस कहानी में एक ही ट्रेन में सफर कर रही दो दुल्हनें आपस में बदल जाती हैं। एक किसी दूसरे दूल्हे के साथ उसके घर चली जाती है, वहीं एक रेलवे स्टेशन पर ही रुककर अपने पति का इंतजार करती है।यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है।इसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझाते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। ख़ुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 26 सितंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 12:23 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 11:34 तक
योग : परिघ रात्रि 11:40 तक
करण : गर दोपहर 12:28 तक
चन्द्रराशि : मिथुन सायं 05:13 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:05 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:00 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नवमी श्राद्ध , हस्त मे रवि रात्रि 01:10 से , गुरुपुष्य
अमृतसिद्धि योग रात्रि 11:34 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के विचारों से जन जन को जोड़ा : बागडे

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बुधवार को यहां उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री बागडे ने जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के धानक्या स्थित राष्ट्रीय स्मारक स्थल पहुंचकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। बाद में उन्होंने वहां पर पंडितजी के जीवन से जुड़ी स्मृतियों के संग्रहालय का भी अवलोकन किया और कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन आदर्श का आलोक था।

उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने युगीन संदर्भों में भारतीय सनातन संस्कृति को आधुनिक दृष्टि दी। उन्होंने पंडित दीनदयाल के साथ की यादें भी साझा की और कहा कि उनका सानिध्य किसी महा मानव के समीप रहने की अनुभूति है। राज्यपाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद की मौलिक विचार दृष्टि ही हमें

नहीं दी बल्कि उन्होंने अंत्योदय के विचारों और शिक्षाओं से आमजन के कल्याण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुंबई में पंडितजी के सानिध्य को याद करते हुए कहा कि पंडित दीनदयालजी की कथनी और करनी एक थी। वह विराट मानवीय दृष्टि के युगपुरुष थे। इस अवसर पर राजस्थान धरोहर बोर्ड के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पूर्व विधायक सूर्यकांता व्यास का निधन

छह बार एमएलए रहीं, जीजी के नाम से थीं मशहूर

जोधपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता सूर्यकांता व्यास का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह करीब 86 वर्ष की थी। श्रीमती व्यास पिछले कई दिनों से बीमार थी और उन्होंने सुबह अंतिम सांस ली। वह वर्ष 1990 में जोधपुर से पहली बार भाजपा उम्मीदवार के रूप विधायक बनी और विधानसभा पहुंची। इसके बाद वह यहां से वर्ष 1993 एवं 2003 में फिर भाजपा प्रत्याशी के रूप में विधायक निर्वाचित हुई। शाम 5 बजकर 40 मिनट पर जालोर गेट स्थित उनके निवास स्थान से बैंड-बाजों के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। सिवांची गेट श्मशान में शाम करीब 6.30 बजे व्यास का अंतिम संस्कार किया गया। बेटे शिवकुमार व्यास ने मुखाग्नि दी।

श्रीमती व्यास वर्ष 2008 , 2013 एवं 2018 में जोधपुर के सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से भी विधायक निर्वाचित हुई और वह छह बार विधायक रही। जीजी के नाम प्रसिद्ध श्रीमती व्यास गत विधानसभा चुनाव भी भाजपा के टिकट पर लड़ना चाहती थी लेकिन पार्टी से उन्हें टिकट नहीं मिला। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गहरा दुख जताया है। श्री शर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक, भाजपा परिवार की वरिष्ठ सदस्य सूर्यकान्ता व्यास जीजी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। कुछ दिन पूर्व ही उनसे भेंट हुई थी जहां उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। मेरे प्रति उनका अपार स्नेह और वात्सल्य सदैव बना रहा। उनका स्वर्गवास भारतीय जनता पार्टी परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

धमकी देकर एक लाख वसूलने के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने करीब एक सप्ताह पहले अजमेर चौराहे के पास से एक व्यक्ति का अपहरण करके मारपीट करके एक लाख रुपये वसूलने एवं मोबाइल छीनने की घटना में शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बुधवार को बताया कि इंद्र कुमार (45) ने 17 सितंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे वह स्कूटर

से जा रहा था।

अजमेर चौराहे के पास पेट्रोल पंप के सामने उसे मुरली गुर्जर एवं उसके दो साथियों ने उसे पकड़ लिया और उसे जबरन अपनी स्कॉर्पियो में बैठा कर सुखाड़िया सर्कल की तरफ ले गए।

वहां उन्होंने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर एक बदमाश को उसके घर भेजकर उसकी पत्नी से एक लाख रुपये वसूल लिये। बाद में उन्होंने उसका मोबाइल छीनकर उसे मुक्त कर दिया। उन्होंने बताया कि इस पर पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद मुरली गुर्जर (42) को गिरफ्तार करके घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो बरामद कर ली है। इसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

उदयपुर के युवराज को राज्य स्तरीय कराटे में स्वर्ण पदक

उदयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उदयपुर की लियो मार्शल आर्ट्स अकादमी के स्टार खिलाड़ी युवराज बेंजामिन ने अंडर 17 वर्ष कराते की कुमिते स्पर्धा में अपनी (-74 किलो ग्राम) भार वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुवे स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है।

जिला कराटे एसोसिएशन की ज्वाइंट प्रेसीडेंट सेंसई रुक्मणि लोहार ने बताया कि युवराज ने राज्य स्तर पर गोल्ड जीतने के बाद दो माह बाद दिल्ली में आयोजित होने वाले स्कूल गेम्स की राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिये क्वालिफाई कर लिया है।

युवराज के अनुसार अब उसका पूरा ध्यान राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर ही है उसके लिये अब वो और अधिक मेहनत के लिए जुट गया है।

उदयपुर पहुंचने पर बुधवार को विजेता खिलाड़ी युवराज बेंजामिन के साथ टीम एवं जिला संयोजक सुरेन्द्र बागड़ी एवं गजेंद्र खमेसरा एवं सेंसाई आशीष शर्मा का डिस्ट्रिक्ट उदयपुर कराटे एसोसिएशन की ओर से भव्य स्वागत किया।

अब किसान अन्नदाता ही नहीं उर्जा दाता भी बनेगा : नितिन गडकरी

कुरुक्षेत्र, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा अनाज का भंडार है। यहां का कड़ी मेहनत करने वाला किसान एक एकड़ में जितना अनाज पैदा कर रहा है, उतना देश के किसी भी कोने में संभव नहीं हो पा रहा। ऐसे में किसान को समृद्ध करने के लिए केंद्रीय सरकार बड़ी योजना पर काम कर रही है। इसके चलते अब किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि उर्जा दाता भी बनेगा। किसानों के खेतों में पराली जलाने के बजाए इससे बनाए जाने वाले इंधन से हवाई जहाज तक उड़ेंगे। यह कहना है केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का। वे बुधवार को कुरुक्षेत्र पहुंचे थे,

जहां उन्होंने थानेसर विधानसभा क्षेत्र की निजी पैलेस में एक जनसभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में किसानों को खासतौर पर साधने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि किसान समृद्ध होगा तो गांव समृद्ध होगा और तभी शहर व देश समृद्ध होगा। इसीलिए किसान मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में है।

नितिन गडकरी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया और कहा कि 65 साल तक देश पर राज किया, लेकिन किसान आत्महत्या करते रहें। उनकी दुर्दशा नहीं हट पाई। यहां तक कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा भी दिया, लेकिन देश की गरीबी हटाने की बजाए अपने ही लोगों की गरीबी हटाई जाती रही। पिछले 10 वर्षों से देश बदल रहा है। कहीं एक्सप्रेस वे तो कहीं रोप वे बनाए जा रहे हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक अब भारत में इन एक्सप्रेस वे से आवगमन की सुगमता बढ़ गई है। हरियाणा भी विकास के प्रति बदल रहा है और चारों ओर हाईवे, एक्सप्रेस वे से जोड़ा जा रहा है। अब यहां से कुछ ही घंटों में दिल्ली व मुंबई तक की यात्रा आसान हो चुकी है।नितिन गडकरी के समक्ष भाजपा प्रत्याशी सुभाष सुधा ने कुरुक्षेत्र के लिए बाईपास की मांग रखी तो गडकरी ने कहा कि वे इस बाईपास को मंजूरी देने के बाद ही यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शादी को तीन माह भी नहीं हुए थे और उसी दौरान भाजपा का गठन हुआ था। उनकी जिम्मेदारी हरियाणा के लिए लगी थी और वे कुरुक्षेत्र, यमुनागर के आसपास ही कई माह तक रहे थे। वे लाडवा से लेकर थानेसर व शाहाबाद से लेकर बाबैन तक के हर गांव व शहर के एरिया को जानते हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र जेल से रिहा, हाईकोर्ट ने अवैध खनन व मनी लॉन्ड्रिंग मामले में किया बरी

सोनीपत, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सोनीपत के कांग्रेस निवर्तमान विधायक और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी सुरेंद्र पंवार बुधवार को जेल से रिहा हो गए हैं। हाईकोर्ट ने उन्हें अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बरी कर दिया है। इस फैसले के बाद सुरेंद्र पंवार के रिलीज ऑर्डर जारी हो चुके थे वे शाम को जेल से बाहर आए गए हैं। समर्थकों में खुशी का माहौल है। ईडी द्वारा दर्ज किए गए इस मामले में सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन लंबी कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है। पंवार की रिहाई को उनके समर्थकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र यह फैसला कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

उपभोक्ताओं को रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराने की शुरूआत

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में राज्य सरकार की ओर से महंगाई से आमजन को राहत देने के लिए राज्य में उपभोक्ताओं को रियायती दर पर प्याज उपलब्ध करवाये जाएंगे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा एवं सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को इस व्यवस्था का शुभारम्भ किया। उन्होंने जयपुर में नेहरू सहकार भवन से 10 वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शासन सचिव, सहकारिता विभाग एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री गोदारा ने इस अवसर पर कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार आमजन को महंगाई से राहत देने के निरन्तर प्रयास कर रही हैं। इसी क्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा कीमत स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) योजना के तहत और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से उपभोक्ताओं को महज 35 रुपये प्रति किलो की दर पर प्याज उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को राहत के साथ ही किसानों को भी उनकी उपज के अच्छे दाम मिलें, इस पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। अगले सीजन से एनसीसीएफ के माध्यम से राजस्थान में भी प्याज की खरीद के प्रयास किये जा रहे हैं।सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की सोच आमजन को महंगाई से राहत देने की है। अभी जयपुर में रियायती दर पर प्याज उपलब्ध करवाने की शुरूआत की जा रही है। आगामी दिनों में पूरे राज्य में इसका विस्तार किया जाएगा। कुछ दिनों के बाद जरूरत के अनुसार वैन की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजार में 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर प्याज उपलब्ध हो रहे हैं। एनसीसीएफ के माध्यम से महज 35 रुपये किलो की दर पर प्याज उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। एनसीसीएफ के शाखा प्रबंधक ए. संदीप ने बताया कि शहर के अलग-अलग स्थानों पर ये वैन उपलब्ध रहेंगी। एक व्यक्ति अधिकतम तीन किलो प्याज की सस्ती दर पर खरीद कर सकेगा। उन्होंने बताया कि बाद में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और करौली में भी रियायती दरों पर प्याज उपलब्ध करवाई जायेगी।

मेरा 56 दिन का कार्यकाल हुड्डा के 10 साल पर पड़ा भारी : नायब सैनी

रेवाड़ी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कार्यवाहक सीएम नायब सैनी ने रेवाड़ी शहर के सैनी स्कूल में एक जनसभा को संबोधित किया। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हरियाणा के विकास में गति से काम किया है। इस बात की खुशी है कि हरियाणा प्रदेश के अंदर मात्र 56 दिन मुझे मिले, 56 दिनों में 126 ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। 44 दिन और शेष थे, मगर आचार संहिता की वजह से कार्य रुक गए। 56 दिन का कार्यकाल भूपेंद्र हुड्डा के 10 साल पर भारी पड़ गया। यह तो केवल ट्रेलर है। 8 अक्टूबर को पूरी पिक्चर दिखाने का काम करेंगे। सीएम ने कहा कि समय कम मिलने पर हुड्डा बोलते हैं, यह तो घोषणा ही कर रहे हैं। कहा कि घोषणा नहीं कर रहा, एक गरीब परिवार का बेटा हूं, पत्थर के

ऊपर लकीर है। उसको कोई नहीं मिटा सकता है जो बोला है उसे पूरा किया है। धरातल पर उतारा है, लोगों को लाभ दिया है। सीएम ने आगे कहा कि हुड्डा ने 10 वर्ष तक हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में राज किया है। मैंने मात्र 56 दिन में हरियाणा की सेवा की है। 10 साल का कार्यकाल और 56 दिन का मिला लीजिए, मेरा 56 दिन का भारी पड़ेगा। सीएम ने कहा कि लोगों की अपेक्षा के ऊपर सरकार मजबूती से आगे बढ़ी है। जब जिम्मेदारी मिली थी तब लोकसभा चुनाव की वजह से 16 मार्च से चुनाव आचार संहिता लग गई थी, 6 जून तक लगी रही। इस बीच अधिकारियों के साथ बैठकर लेते रहते थे। अधिकारियों से कहा कि 6 जून के बाद जब विधानसभा के चुनाव घोषित होंगे तो 100 दिन हैं और यह एजेंडा भी 100 दिन का है। इस एजेंडा को धरातल पर उतारना है। हर रोज एक दो बड़ी घोषणा करनी है। हर रोज कोई ना कोई एक बड़ा फैसला लिया। प्रदेश के किसानों के लिए कई फैसले लिए। हुड्डा अब किसान हितेषी होने की बात करते हैं, अब किसान के मसीहा बनते हैं। 10 वर्ष प्रदेश के सीएम रहे। कितने किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी है। हमने निर्णय लिया है कि किसान की 100 प्रतिशत फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। यह हरियाणा पहला राज्य होगा जो किसान की 100 प्रतिशत फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगा। सीएम ने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा ने 100 गज के प्लाट का लॉलीपॉप देकर वोट तो ले लिया। मगर न कागज दिए न कब्जा दिया। हमने एक तारीख तय करके हरियाणा प्रदेश के लोगों को बुलाकर के एक दिन में 100 गज के प्लाट के कागज के साथ कब्जा भी दिया। आगे भी इसके लिए रजिस्ट्रेशन खोला है। एक लाख लोगों को 100 गज का प्लाट देने की योजना थी, मगर आचार संहिता लग गई।

सैनी ने कहा हुड्डा से कुछ सवाल पूछे थे। 10 वर्ष मुख्यमंत्री रहे। 3 महीने हो गए, एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। इनके ऊपर एक किस्सा याद आता है। कहा कि दिल में कसक है चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं, जिनके खुद के बही खाता खराब है हमारा हिसाब लिए फिरते हैं। यह लोग जिन्होंने प्रदेश को लूटने का काम किया जिन्होंने प्रदेश को भ्रष्टाचार के दलदल में उतारने का काम किया। उनके समय के अंदर नौकरी पर्ची खर्ची पर मिलती थी। आज वह हिसाब मांग रहे हैं, जिनके समय में किसानों को मुआवजा नहीं मिलता था। दो-दो रुपये के चेक मिलते थे। आज वह हिसाब मांग रहे हैं। कांग्रेस ने हिमाचल में हर वर्ष एक लाख रोजगार, महिलाओं को 1500 रुपये देने और 300 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा किया था। 2 वर्ष हिमाचल की सरकार को हो गए हैं। आज तक एक भी यूनिट फ्री नहीं दी गई है। उल्टा बिजली के दाम बढ़ा दिए गए हैं। एक भी महिला को 5 पैसा नहीं दिए हैं। एक भी युवा को रोजगार नहीं दिया। बाद में कहा कि उनके पास सैलरी देने के लिए पैसा नहीं है। हरियाणा में कहावत है जितनी चादर है उतने ही पैर पसारने चाहिए, अगर ज्यादा पर पसारोगे तो चादर फट जाएगी। कांग्रेस की चादर फट चुकी है। कोई विश्वास करने वाला नहीं है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

पिंडदान करने गया पहुंचे भाजपा सांसद, कहा–

हमलोग फादर डे और मदर डे नहीं मनाते

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया धाम में इन दिनों पितरों का महापर्व चल रहा है। देश-विदेश से लाखों तीर्थयात्रियों प्रतिदिन अपने पुरखों के पिंडदान करने गया धाम आ रहे है। इसी क्रम में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी गया धाम पहुंचे।

यहां दामोदर पाण्डेय के नेतृत्व में उनके परिजनों का पिंडदान कराया गया। इस मौके पर विष्णुपद मंदिर प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर में और अक्षयवट में मोक्ष और उद्धार की कामना के साथ अपने पूर्वजों का पिंडदान किया है। दोनों स्थानों पर पिंडदान करने के बाद विष्णुपद मंदिर के गर्भ गृह में विशेष पूजा अर्चना की। दामोदर पांडेय बताया कि

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी पहली बार अपने पुरखों के पिंडदान करने गया धाम पहुंचे हैं। उनको विधि विधान के साथ पिंडदान व श्राद्ध कार्य को पूरा कराया गया है। हालांकि पिंडदान और पूजा-पाठ करने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि धार्मिक अनुष्ठान में गया धाम आए हैं। कोई राजनीतिक सवाल नहीं करें।

भाजपा सांसद ने बताया कि पिंडदान के बाद एक अलग संतुष्टि और श्राद्ध की अनुभूति हुई। भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी के पावन धरती पर विष्णुपद धाम का दर्शन और पिंडदान किया है। कर्मकांड करने के बाद एक अलग संतुष्टि की अनुभूति हुई है। यह भारतीय संस्कृति और हिंदू संस्कृति की परंपरा का प्रतीक है। जहां हमलोग फादर डे और मदर डे नहीं मनाते हैं बल्कि अपने समस्त पुरखों, दोस्तों, शुभचिंतकों और सभी जीव जंतुओं के प्रति श्रद्धा के साथ करते हैं। यह महान संस्कृति का महापर्व है। बता दें कि गया में पिछले 17 सितंबर से विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला आयोजित है। जो दो अक्टूबर को समाप्त होगा। यही वजह है कि इस पितृपक्ष मेला अवधी के दौरान 15 लाख तीर्थयात्री यहां आते है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी गया पहुंचे।

रोहिणी ने सीएम नीतीश पर कसा तंज

चाचा जी के यहां सिर-फुटव्वल जारी चहेते प्यादे का सवाल भारी है

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार मंत्री और सीएम नीतीश कुमार करीबी कहे जाने वाले अशोक चौधरी की 'बढ़ती उम्र' कविता पर सियासी घमासान जारी है। अब राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसा है। सोशल मीडिया पर रोहिणी ने सीएम नीतीश कुमार को चाचा जी और मंत्री अशोक चौधरी को चाचा जी के चहेते प्यादे कहकर संबोधित किया।

इतना ही नहीं रोही ने लिखा कि सीएम की बेबसी और लाच-ारगी पर अफसोस है। चाचा जी के यहां सिर-फुटव्वल जारी है, विडंबना तो देखिए'' अब तो चाचा जी की ही बढ़ती उम्र पर उनके ही चहेते प्यादे द्वारा उठाया

गया सवाल बड़ा भारी है''!! कहीं ऐसा तो नहीं कि जुगाड़ की मदद से खड़े किए गए चाचा जी के खेमे के अब बिखरने की बारी है!! जारी उठापटक पर चाचा जी की चुप्पी उनकी लाचारी दर्शाती है। रोहिणी का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। मंत्री अशोक चौधरी ने अपनी कविता विवाद बढ़ने के बाद बिहार सरकार में किसी भी उलझन या असहमति होने की सभी बातों को दरकिनार करते हुए एक और ट्वीट किया। उसमें उन्होंने मेरा नेता मेरा अभिमान के तहत लिखा कि 'कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना, तो सुनी सुनाई बातों पर ध्यान देना छोड़ दीजिये'। साथ ही सीएम नीतीश के साथ दो तस्वीरें भी साझा कर दीं।

बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए।। एक दो बार समझाने से यदि कोई नहीं समझ रहा है तो सामने वाले को समझाना, ''छोड़ दीजिए'' बच्चे बड़े होने पर वो ख़ुद के निर्णय लेने लगे तो उनके पीछे लगना, छोड़ दीजिए।

सीतामढ़ी में शॉपिंग मॉल में सुबह तड़के उठने लगीं आग की लपटें, मची अफरातफरी

लाखों की संपत्ति जली

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी के डुमरा रोड स्थित ट्रेड मार्ट शॉपिंग जंक्शन मॉल में बुधवार की सुबह करीब पांच बजे भीषण आग लग गई। इस घटना ने इलाके में अफरातफरी की स्थिति पैदा कर दी। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तुरंत मॉल के संचालक मनीष कुमार मिश्रा को सूचना दी। उसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों के सहयोग से अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक मॉल में रखी लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो चुकी थी। मॉल संचालक मनीष मिश्रा ने बताया कि आग से हुई क्षति का अनुमान 50 लाख रुपये से अधिक है। जानकारी के मुताबिक, शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। मॉल में किराना और जनरल स्टोर की अन्य सामग्री रखी हुई थी, जो अब पूरी तरह नष्ट हो गई है। मनीष मिश्रा ने बताया कि अगर समय पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंच जाती, तो शायद कुछ संपत्ति बचाई जा सकती थी। वहीं, घटना के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि आग लगने की सूचना में देरी के कारण नुकसान अधिक हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बापू टावर का किया निरीक्षण, कहा–

उनके विचारों और आदर्शों को जान सकेगी नई पीढ़ी

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गर्दनीबाग पहुंचे और वहां बने बापू टावर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो भी आगंतुक बापू टावर देखने आयेंगे, वे ओरियेंटेशन हॉल में बैठकर बापू की जीवनी, उनके आदर्शों एवं कार्यों तथा बिहार की गौरव गाथा को देख सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, बापू के आदर्शों को आमजन में स्थापित करने हेतु कार्यों के प्रदर्शन के लिये दीर्घा, अनुसंधान केन्द्र, आगंतुक सुविधायें एवं अन्य संरचनाओं की जानकारी ली। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि बापू टावर का लोकार्पण 2 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान कहा कि बापू टावर के लोकार्पण हो जाने पर बापू की जीवनी, उनके विचारों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी जान सकेगी। यहां बापू के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनायें, गांधी जी के विचार, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, बिहार से उनके लगाव तथा बापू के आदर्शों को बेहतर ढंग से रेखांकित कर प्रदर्शित किया जा रहा है ताकि आमजन यहां आकर उसे देख और समझ सकें। इस परिसर को हरा-भरा और व्यवस्थित बनाया गया है। बापू टावर बहुत अच्छा बन गया है, यह लोगों के लिये दर्शनीय होगा। हमने इसके निर्माण कार्य को कई बार आकर देखा है और समय-समय पर सुझाव भी देते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बापू टावर के आसपास के सड़कों का चौड़ीकरण करायें ताकि यहां पहुंचने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सड़क के किनारे वृक्षारोपण भी करायें।

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का आयोजन 10 अप्रैल 2017 से 20 अप्रैल 2018 तक किया गया।

10 और 11 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम के आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पटना में संग्रहालय के स्वरूप में 'बापू टावर' के निर्माण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप गर्दनीबाग में सात एकड़ भूमि में भवन निर्माण विभाग ने बापू की 150वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2018 को इस भवन का शिलान्यास किया।

बापू टावर के दो मुख्य भाग हैं- आयताकार एवं शंकुकार। जी प्लस सिक्स आयताकार भवन में तीन प्रदर्शन गैलरी, प्रेक्षागृह, अस्थायी प्रदर्शनी दीर्घा, कार्यालय कक्ष, प्रतिक्षालय, म्यूजियम शॉप एवं जलपान गृह अवस्थित हैं। 102 फीट ऊंचे शंकुकार भवन में लगातार क्रम में निर्मित 5 रैम्प हैं, जिस पर गांधी जी के जीवन से संबंधित सभी जानकारियां, म्यूरल, कटआउट, स्क्रीन प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से प्रदर्शित की गयी है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित भवन निर्माण विभाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

सहरसा में हथियार के बल पर दो दिन तक नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की जेल, जुर्माना भी लगा

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सौरबाजार थानाक्षेत्र में दर्ज पॉक्सो अधिनियम के तहत कांड संख्या-131/22 में आरोपी भुवन यादव को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। यह सजा अपर सत्र न्यायाधीश-06 सह विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम, कृष्ण कुमार चौधरी की अदालत ने मंगलवार को सुनाई।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी भुवन यादव सौरबाजार थानाक्षेत्र के धोघन पट्टी गांव का निवासी है। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 366ए और

पॉक्सो अधिनियम की धारा 04 के तहत मुकदमा चला। अदालत ने धारा 366ए के तहत पांच वर्ष के कारावास और पॉक्सो एक्ट की धारा 04 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी। साथ ही, 50,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। अर्थदंड की राशि न चुकाने पर आरोपी को तीन महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

गौरतलब है कि यह मामला 12 मार्च 2022 की घटना से जुड़ा है, जब पीड़िता अपने स्कूल में साप्ताहिक परीक्षा दे रही थी। उसी दौरान आरोपी भुवन यादव ने उसे यह कहकर बहलाया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं लग रही है और वह उसे घर छोड़ देगा। पीड़िता उसकी मोटरसाइकिल पर बैठ गई। लेकिन आरोपी उसे घर ले जाने के बजाय एक कमरे में ले गया और वहां दो दिन तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान आरोपी ने चाकू और पिस्तौल का डर दिखाकर उससे दुष्कर्म किया। घटना की सूचना मिलने पर सौरबाजार थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच सब-इंस्पेक्टर सुशील कुमार सिंह द्वारा की गई। कांड के सूचक सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार सुमन थे।

इस मामले में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्ण मुरारी प्रसाद ने पक्ष रखा। घटना के बाद लगभग तीस महीनों तक चली अदालती प्रक्रिया में सभी गवाहों और पुलिस अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए। साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया और सजा सुनाई। सजा सुनाए जाने के बाद पीड़िता के परिजनों ने न्यायालय के प्रति आभार जताया और राहत की सांस ली।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवकों की मौत, चौथे की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

नवादा में एक साथ चार लोगों पर आकाशीय बिजली गिरा, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना रजौली थाना क्षेत्र के जोगियामरण पंचायत के एकंबा गांव की है। मृतकों की पहचान सकिंदर राजवंशी के पुत्र विक्रम कुमार (17), सुनील राजवंशी के पुत्र मोनू कुमार (25) और कमन राजवंशी के पुत्र इंद्रदेव राजवंशी (50) के रूप में की गई हैं।घायल युवक की पहचान प्रमोद राजवंशी के पुत्र सूरज कुमार के रूप में की गई है। ये सभी लोग रजौली थाना क्षेत्र के एकंबा गांव

के बताए जाते हैं।

घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि ये सभी लोग गांव के बधार में खेत में काम कर रहे थे। अचानक बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए ये सभी लोग पास के महुआ के पेड़ के नीचे छिप गए। तभी तेज बारिश के साथ-साथ अचानक आकाशीय बिजली गिरी और मौके पर ही विक्रम कुमार, मोनू कुमार और इंद्रदेव राजवंशी की मौत हो गई। एक साथ तीन मौतों के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हैं। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हैं। घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया हैं। रजौली अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत सभी मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। सूरज कुमार का इलाज रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में कराए जाने के बाद उसे बेहतर चिकित्सा के लिए नवादा रेफर किया गया हैं।

मुंगेर में 24 घंटे में बाढ़ के पानी में डूबने से आठ लोगों की मौत, डीएम ने लोगों से की यह अपील

मुंगेर(एजेंसियां)।

मुंगेर जिले में पिछले 24 घंटों के भीतर बाढ़ के पानी और गंगा में डूबने से चार प्रखंडों में आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो युवक और कई बच्चे शामिल हैं। एक शव की अभी भी तलाश की जा रही है। जिले के सदर प्रखंड, बरियारपुर, टेटिया बंबर और हवेली खड़गपुर प्रखंड में ये घटनाएं हुईं, जिससे जिले में कोहराम मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, सदर प्रखंड के मुफस्सिल थानाक्षेत्र के हसनपुर निवासी अंकित कुमार (21) की मौत बाढ़ के पानी में डूबने से हो गई। वह दोस्तों के साथ चिकदह पुल के पास स्नान करने गया था। गहरे पानी में डूबने के बाद उसे ग्रामीणों ने बचाकर अस्प-ताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, मुजफ्फरपुर के रहने वाले नमन सिंह (22) की सोझी घाट में स्नान के दौरान डूबने से मौत हो गई। वह मुंगेर में अपने रिश्तेदार के यहां आया था और स्नान करते समय गहरे पानी में डूब गया। नमन का शव अभी

तक बरामद नहीं हुआ है।

जबकि टेटिया बंबर प्रखंड के बरदघट्टा गांव के निवासी निलेश कुमार की महाने नदी में स्नान के दौरान डूबने से मौत हो गई। इस अलावा हवेली खड़गपुर प्रखंड के बढ़ौना पंचायत के गौड़ा गांव निवासी 12 वर्षीय करिश्मा कुमारी की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई।

वह शौच के लिए गई थी, तभी यह हादसा हुआ। वहीं, बरियारपुर प्रखंड के विजयनगर गांव में पंकज मंडल के पुत्र मनीष कुमार (11) की फोम की नाव से गिरने के बाद डूबने से मौत हो गई। जबकि पड़िया गांव में घर में घुसे बाढ़ के पानी में शुति कुमारी (3) की डूबने से मौत हो गई। वहीं, बरियारपुर प्रखंड में सोमवार की शाम को शिवाला के पास दो छात्र मुकुंद कुमार (14) और चाहत कुमार बाढ़ के पानी में बह गए थे। मंगलवार को गोताखोरों ने उनके शव बरामद किए।

जिले में लगातार हो रही डूबने की घटनाओं के मद्देनजर जिलाधिकारी अवनीश कुमार ने जिलेवासियों से गंगा और अन्य नदी घाटों पर स्नान न करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के दौरान नदियों में फिसलन बढ़ जाती है, जिससे डूबने का खतरा अधिक हो जाता है। जिलाधिकारी ने सोझी घाट, बबुआ घाट और कष्टहरणी घाट समेत सभी घाटों पर स्नान करने से बचने की सलाह दी है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि घाटों पर एनडीआरएफ के गोताखोरों को तैनात किया गया है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में माइकिंग के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी, ताकि लोग गंगा में स्नान न करें और किसी प्रकार की हानि से बचा जा सके। इस दुखद घटना के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com